@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 23 सितंबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 320 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बारिश से अभी भी कई राज्यों में आफत

• यूपी के सीतापुर में पुल डूबा: ओडिशा में तेज बारिश

4 जिलों में स्कूल बंद, राजस्थान में मानसून की विदाई, पारा 40°C पहुंचा

एजेंसी
नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती सिस्टम बन रहा है, जिसके चक्रवाती तूफान बनने की संभावना है।

बांग्लादेश ने इसका नाम 'अर्नब' रखा है। इसके चलते ओडिशा के तटीय और दक्षिणी इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जिससे खुर्दा, जगतसिंहपुर, गंजाम और गजपति में स्कूल बंद हैं। उत्तर प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ रहा है, लेकिन पहाड़ों पर भारी बारिश से कई नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में चौका नदी से पुल डूब गया है। स्कूली बच्चे को घुटने तक पानी से गुजरकर स्कूल जाने पर मजबूर हैं। मौसम विभाग ने 24 सितंबर से मध्य प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अब तक मानसून की 91फीसदी बारिश हो चुकी है। वहीं, बिहार के पटना समेत 19 जिलों और छत्तीसगढ़ के 7 जिलों में बारिश का अलर्ट है। केरलम में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेज बारिश की आशंका है। राजस्थान से मानसून की विदाई शुरू हो गई है। राज्य में पूरे दिन मौसम साफ रहा। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के ज्यादातर जिलों में अधिकतम तापमान 40°C रहा।

बिहार- 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

बिहार के कई जिलों में अगले 24 घंटे में भारी बारिश की चेतावनी है। मौसम विभाग ने पटना समेत 19 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी हो सकती है।

बंगाल में मछुआरों ने हाथी के डूबते बच्चे को बचाया

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी में मछुआरों ने तेज बहाव में बह रहे हाथी के एक बच्चे की जान बचाई। गजोल्डोबा बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद हाथियों का झुंड तीस्ता नदी पार कर रहा था, तभी तेज धारा में बच्चा झुंड से अलग हो गया। तीस्ता नदी में मछली पकड़ रहे पांच मछुआरों ने बच्चे को पानी में संघर्ष करते देखा। उन्होंने दो नावों से करीब 4 किलोमीटर तक उसका पीछा किया। इसके बाद तीन मछुआरे पानी में उतरे और बच्चे को नाव पर खींचकर सुरक्षित बाहर निकाला।

बिहार में लड़की को बैड टच करने वाले का एनकाउंटर

• जमुई में भागने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारी

अब तक 8 गिरफ्तार

एजेंसी
पटना। बिहार के जमुई जिले में नाबालिग छात्रा से कथित छेड़खानी और अभद्र व्यवहार का वीडियो वायरल होने के बाद मचे बवाल के बीच पुलिस ने मामले में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस के साथ मुठभेड़ में घटना का मुख्य आरोपी नंदन यादव घायल हो गया है। पुलिस के अनुसार, उसके पैर में गोली लगी है।

उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना 19 सितंबर की बताई जा रही है और वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान तेज कर दिया था। मुंगेर प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक राकेश कुमार ने आईएएनएस को बताया कि पुलिस टीम आरोपी की तलाश में पहाड़ी इलाके में पहुंची थी। इसी दौरान पुलिस दल पर हमला

किया गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य आरोपी नंदन यादव घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मामले में एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। उसके पैर की हड्डी टूटने की बात सामने आई है और उसका भी इलाज कराया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, जमुई के मड़वा पहाड़ी इलाके में 19 सितंबर की शाम एक नाबालिग छात्रा और उसके दोस्त को कुछ युवकों ने रोक लिया था। इस दौरान छात्रा के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार और छेड़खानी की गई जबकि उसके साथ मौजूद युवक के साथ भी मारपीट की गई

संक्षिप्त समाचार

मलेशिया जाने वाले नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

• वीजा-मुक्त सुविधा सिर्फ पर्यटन के लिए : भारतीय उच्चायोग

एजेंसी
नई दिल्ली। कुआलालंपुर स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों को आगाह किया है कि वे रोजगार की तलाश में मलेशिया जाने के लिए वहां की 30 दिन की

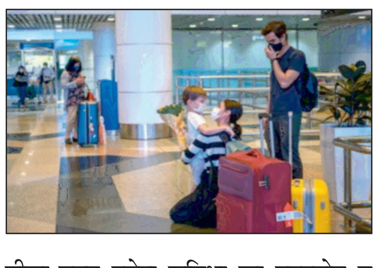

वीजा-मुक्त प्रवेश सुविधा का दुरुपयोग न करें। उच्चायोग ने चेतावनी दी है कि ऐसा करने पर वीजा अवधि से अधिक समय तक रुकने, अवैध प्रवासी का दर्जा मिलने, शोषण का शिकार होने, हिरासत में लिए जाने और कानूनी कार्रवाई का सामना करने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हाल के दिनों में 30 दिन की वीजा-मुक्त सुविधा का उपयोग कर रोजगार की तलाश में मलेशिया पहुंचने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। उच्चायोग ने पर्यटक के रूप में मलेशिया जाने वाले भारतीयों से अपने प्रवास की शर्तों का सख्ती से पालन करने की अपील की और आगाह किया।

नियुक्ति पत्र के बाद शिक्षक से पैसे मांगे तो जेल में सड़ना पड़ेगा : मुख्यमंत्री

एजेंसी
लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि नियुक्ति पत्र मिलने के बाद किसी प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता या शिक्षक से पैसे मांगे गए तो ऐसा करने वाले को जेल में सड़ना पड़ेगा। किसी शिक्षक को ज्वाइनिंग में परेशानी नहीं होनी चाहिए। किसी प्रबंधक की कोई जिज्ञासा है तो वह शासन को बताए। नियुक्ति के बाद पैसे मांगने की शिकायत मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री योगी उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग से चयनित 3,567 प्रधानाचार्यों, प्रधानाध्यापकों, प्रवक्ताओं और सहायक अध्यापकों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल नियुक्ति पत्र देने का कार्यक्रम नहीं है। इन शिक्षकों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी है।

दिल्ली एसआईआर- 33 लाख लोगों को नोटिस देने पर सवाल

• सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा • ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 47 लाख नाम हटे

एजेंसी
नई दिल्ली।। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा। कोर्ट ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी रिकॉर्ड में गड़बड़ी के तहत मतदाताओं को नोटिस देने का आधार पूछा।

याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, दिल्ली की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 47 लाख नाम हटाए गए हैं। जबकि करीब 33 लाख ऐसे मतदाताओं को नोटिस दिए गए हैं, जिनके नाम ड्राफ्ट लिस्ट में बने हुए हैं। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने आयोग से यह जांचने को कहा कि कहीं बिना पर्याप्त जांच के तो नोटिस नहीं भेजे जा रहे। नोटिस में वोटर्स को आपत्ति की सही वजह बताई जा रही है या नहीं। कोर्ट ने चुनाव आयोग को अब तक उठाए गए कदमों की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही, बिहार और

पश्चिम बंगाल स्वत: स्फूर्त मामलों में दिए अंतरिम निर्देशों का पालन करने को कहा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मतदाता को नोटिस में साफ बताया जाना चाहिए कि किस जानकारी या रिकॉर्ड में अंतर मिला है और उसे क्या स्पष्ट करना है।

याचिका में वोटर्स को दिए गए नोटिस पर सवाल

● **नोटिस में नाम पर आपत्ति क्यों-** कई वोटर्स को नोटिस तो दिए गए, लेकिन उसमें यह साफ नहीं बताया गया कि उनके नाम पर आपत्ति क्यों है। वोटर्स को रिकॉर्ड में गड़बड़ी की कैटेगरी में किस आधार पर रखा गया है और जवाब देने के लिए उन्हें कौन से दस्तावेज देने होंगे।

● **माता-पिता और बच्चों की उम्र के अंतर को आधार कैसे बनाया-** याचिकाकर्ताओं के वकील प्रशांत भूषण ने उम्र के अंतर का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर मतदाता और उसके माता-पिता की उम्र के अंतर को आधार बनाया गया है, तो मतदाता इसका जवाब कैसे देगा, जबकि जरूरी जानकारी वाले दस्तावेज उसके पास हो भी सकते हैं और नहीं भी।

● **नोटिस में वोटर को शिफ्टेड बताया-** भूषण ने दावा किया कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से करीब 47 लाख नाम हटाए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या में मतदाताओं को शिफ्टेड यानी दूसरी जगह चले जाने की कैटेगरी में रखा गया है। ऐसे मतदाता अपना सही स्टेटस कैसे साबित करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट बोला-धार्मिक वजह से वंदेमातरम न गाना अपराध नहीं

याचिकाकर्ता बोला- इसमें हिंदू देवताओं का जिक्र, कानून पर केंद्र से जवाब मांगा

एजेंसी
नई दिल्ली। वंदे मातरम गीत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा, 'धार्मिक कारणों से राष्ट्रगीत न गाने वाले व्यक्ति को आपराधिक कार्रवाई का सामना नहीं करना चाहिए।' कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कोर्ट ने यह देखने पर सहमति दी कि वंदे मातरम न गाने को दंडनीय अपराध बनाया जा सकता है या नहीं। कोर्ट ने यह तय करने से इनकार किया कि राष्ट्रगीत केवल दो अंतरों तक सीमित रहेगा या छह अंतरों तक होगा। कानून में वंदे मातरम के गायन को रोकने या गायन में जानबूझकर बाधा डालने को दंडनीय बनाया गया है।

यह सुनवाई गायक टीएम कृष्णा की याचिका पर हुई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि अंतिम चार पैरा हिंदू देवताओं के प्रति भक्ति का आह्वान करते हैं। इन पैराग्राफ को गाना अनिवार्य बनाना देश के धर्मनिरपेक्षता का उल्लंघन है।

• बिजो इमैनुअल केस: 3 छात्रों ने राष्ट्रगान गाने से मना कर दिया

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि वंदे मातरम से जुड़े कानून की व्याख्या करते समय 1986 के 'बिजो इमैनुअल' फैसले में तय सिद्धांतों को लागू किया जाएगा। दरअसल, 1986 के बिजो इमैनुअल बनाम केरल सरकार मामले में तीन छात्रों ने धार्मिक विश्वास के कारण राष्ट्रगान नहीं गाया था। हालांकि वे राष्ट्रगान के दौरान सम्मानपूर्वक खड़े रहते थे। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ कार्रवाई को रद्द करते हुए कहा था कि केवल राष्ट्रगान न गाने के आधार पर उन्हें दंडित नहीं किया जा सकता।

तेलंगाना के अस्पताल में आग

3 नवजात की मौत

एजेंसी
नई दिल्ली। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के सरकारी RIMS अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट (SNCU) में रात करीब 11:50 बजे आग

27 बच्चे एडमिट थे, एसी फटने की आशंका

लग गई। हादसे में अब तक 3 नवजात की मौत हो गई, जबकि कई अन्य की हालत गंभीर है। अधिकारियों के मुताबिक, यूनिट में 27 नवजात का इलाज चल रहा था। हादसे के बाद 24 बच्चों का अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी में एसी में खराबी के बाद धमाके की आशंका जताई गई है। हालांकि सही वजह जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। अधिकारियों के मुताबिक, आग में सबसे पहले एक 5 दिन के बच्चे की मौत हुई थी। दूसरे नवजात की मंगलवार सुबह

निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरे बच्चे ने दोपहर में दम तोड़ा। अब 24 बच्चों का इलाज जारी है। इनमें एक की हालत गंभीर है। बाकी बच्चों की सेहत पर भी लगातार नजर रखी जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक-

भारत में इस साल अस्पतालों में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। इनमें ओडिशा के कटक में 12 मरीज, बिहार के मुजफ्फरपुर में 5 मरीज, महाराष्ट्र के अमरावती में 3 नवजात, तेलंगाना के आदिलाबाद में 3 नवजात, उत्तर प्रदेश के कानपुर में 1 नवजात और उत्तराखंड के देहरादून में एक मरीज शामिल है।

चार राज्यों में विधान परिषद चुनाव का ऐलान

• 23 अक्टूबर को मतदान • 27 को होगी मतगणना

एजेंसी
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक सीटों पर द्विवार्षिक चुनाव का ऐलान कर दिया है। इन चार राज्यों की कुल 28 सीटों पर चुनाव होगा, जहां मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल नवंबर-दिसंबर 2026 में खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है। कुल 28 सीटों में से बिहार की 8 सीटें, कर्नाटक की 4 सीटें, महाराष्ट्र की 5 सीटें और उत्तर प्रदेश की 11 सीटें शामिल हैं। बिहार में 4 स्नातक और 4 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होगा। इनमें पटना स्नातक से नीरज कुमार, दरभंगा स्नातक से सर्वेश कुमार, तिरहुत स्नातक से बंसीधर ब्रजवासी और कोसी स्नातक से डॉ. एनके यादव का कार्यकाल 16 नवंबर को खत्म हो रहा है। वहीं पटना शिक्षक से नवल किशोर यादव, दरभंगा शिक्षक से डॉ. मदन मोहन झा, तिरहुत शिक्षक से संजय कुमार सिंह और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के

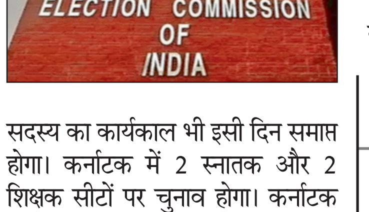

सदस्य का कार्यकाल भी इसी दिन समाप्त होगा। कर्नाटक में 2 स्नातक और 2 शिक्षक सीटों पर चुनाव होगा। कर्नाटक दक्षिण-पूर्व स्नातक से चिदानंद एम गौड़ा, कर्नाटक पश्चिम स्नातक से एस.वी. संकानुर, कर्नाटक उत्तर-पूर्व शिक्षक से शशिल जी. नमोशी और बैंगलोर शिक्षक से श्री पुट्टन्ना का कार्यकाल 11 नवंबर को खत्म हो रहा है। महाराष्ट्र में 3 स्नातक और 2 शिक्षक सीटों पर चुनाव होगा। औरंगाबाद डिवीजन स्नातक से चव्हाण सतीश भानुदासराव, पुणे डिवीजन स्नातक से अरुण गणपति लाड, नागपुर डिवीजन स्नातक से अभिजीत गोविंदराव वंजारी, अमरावती डिवीजन शिक्षक से सरनाईक किरण रामराव और पुणे डिवीजन शिक्षक से जयंत दिनकर आसगावकर का कार्यकाल 6 दिसंबर को समाप्त होगा।

उत्तर प्रदेश में 5 स्नातक और 6 शिक्षक सीटों पर चुनाव होगा

लखनऊ डिवीजन स्नातक से इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, वाराणसी डिवीजन स्नातक से आशुतोष सिन्हा, आगरा डिवीजन स्नातक से डॉ. मानवेन्द्र प्रताप सिंह 'गुरु जी', मेरठ डिवीजन स्नातक से दिनेश कुमार गोयल और इलाहाबाद-झांसी डिवीजन स्नातक से डॉ. मान सिंह यादव का कार्यकाल 6 दिसंबर 2026 को खत्म हो रहा है।

'ट्रस्ट की भूमिका कमजोर हुई तो संस्थानों पर पड़ेगा असर', टाटा संस में लीडरशिप बदलाव पर शरद पवार ने जताई चिंता

एजेंसी
मुंबई। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को टाटा संस के कामकाज और लीडरशिप स्ट्रक्चर में हालिया बदलावों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि देश के सामाजिक और विकास के नजरिए से टाटा ग्रुप की परोपकारी पहचान, संस्थागत मूल्यों और भरोसे पर आधारित ओनरशिप मॉडल को बनाए रखना बहुत जरूरी है। जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित और सर दोराबजी टाटा व सर रतन टाटा द्वारा आगे बढ़ाई गई ग्रुप की बुनियादी सोच का जिक्र करते हुए, पवार ने एक बयान में कहा कि इस इंडस्ट्रियल ग्रुप का मुख्य विजन यह सुनिश्चित करना था कि बिजनेस से होने वाली कमाई को समाज कल्याण के कार्यों में

• पवार ने कहा कि अगर ट्रस्टों की भूमिका कमजोर होती है, तो इसका सीधा असर इन अहम संस्थानों पर पड़ेगा।

लगाया जाए। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के तहत, टाटा संस में ज्यादातर मालिकाना हक जानबूझकर चैरिटेबल ट्रस्टों को सौंपा गया, न कि इसे किसी एक व्यक्ति के हाथों में केंद्रित किया गया। अभी, सर रतन टाटा ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट जैसी बड़ी चैरिटेबल संस्थाओं के पास टाटा संस की लगभग 66 प्रतिशत इक्विटी है। इस बड़ी हिस्सेदारी से मिलने वाला डिविडेंड सीधे तौर पर पब्लिक हेल्थ, शिक्षा, रिसर्च और ग्रामीण आजीविका जैसे अहम क्षेत्रों को फंड करता है। पवार ने इस बात पर जोर दिया कि महाराष्ट्र इस शानदार विरासत का घर है, जहां ट्रस्टों द्वारा स्थापित राष्ट्रीय महत्व के संस्थान मौजूद हैं, जैसे टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) और नेशनल सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स (एनसपीए)।

मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 18 वर्षीय छात्र की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया है । बताया गया कि छात्र किसी काम से बाहर गया था, इसी दौरान अज्ञात हमलावरों ने उसे गोली मार दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। हत्या के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर रही है।

सोनिया गांधी वोटर लिस्ट मामले में भाजपा ने राहुल से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नाम को 1980 की मतदाता सूची में शामिल किए जाने से जुड़े मामले को लेकर भाजपा ने राहुल गांधी से जवाब मांगा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सोनिया गांधी की भारतीय नागरिकता 1983 में हुई थी, तो 1980 की मतदाता सूची में उनका नाम कैसे शामिल हुआ? भाजपा ने इस मामले में जांच की मांग करते हुए राहुल गांधी से इस पर जवाब देने को कहा है। दरअसल दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 21 सितंबर 2026 को महत्वपूर्ण आदेश दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने उस मजिस्ट्रेट आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और जांच की मांग वाली शिकायत खारिज कर दी गई थी। अदालत ने मामले को वापस मजिस्ट्रेट के पास भेजते हुए नए सिरे से सुनवाई के निर्देश दिए हैं। अब 29 सितंबर को मजिस्ट्रेट अदालत में मामले की नए सिरे से सुनवाई होगी। उस सुनवाई में शिकायत और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कानूनी प्रक्रिया तय की जानी है। अब चूंकि मामला अदालत में विचाराधीन है, ऐसे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी और जुबानी हमलों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

भारत में अवैध रुप से रह रहे दो बांग्लादेशी महिलाओं को सजा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे की अदालत ने भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने और वैध दस्तावेजों के बिना रहने के अलग-अलग मामलों में दो बांग्लादेशी महिलाओं को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है। दोनों मामलों की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीशों की अदालत में हुई। पहले मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बी. डी. शेल्के ने 55 वर्षीय मोर्जिना ओलियर फक़ीर को विदेशी अधिनियम की धारा 14ए(बी) के तहत दोषी पाया। अदालत ने उसे दो साल के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ (एएचटीसी) ने फक़ीर को 12 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) स्थित शांति पार्क से गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान उसके भारत में रहने से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं पाए जाने के बाद उसके खिलाफ विदेशी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। दूसरे मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी. एल. भोसले ने 35 वर्षीय रूपबन बेगम चाचामियां शेख को भारतीय पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम और विदेशी अधिनियम, 1946 के तहत दोषी ठहराया। एएचटीसी ने उसे 24 मई 2025 को मीरा रोड (पूर्व) से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों को शेख के मोबाइल फ़ोन में बांग्लादेशी पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र की डिजिटल प्रतियां मिली थीं। अदालत ने पासपोर्ट अधिनियम के तहत उसे छह महीने के सश्रम कारावास और विदेशी अधिनियम के तहत एक साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इस तरह अदालत ने दोनों मामलों में भारत में वैध दस्तावेजों के बिना रहने से जुड़े आरोपों पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्धि की। दोनों मामलों में मानव तस्करी विरोधी प्रकोष्ठ की कार्रवाई के बाद न्यायिक प्रक्रिया आगे बढ़ी थी।

जम्मू-कश्मीर : सियालदह एक्सप्रेस पर पथराव, शीशा टूटा ; वंदे भारत भी प्रभावित

जम्मू (एजेंसी)। सोमवार देर रात जम्मू से कठुआ जा रही सियालदह एक्सप्रेस के फ्रंट विंडशील्ड को सांबा रेलवे स्टेशन के पास नुकसान पहुंचा। यह घटना रेलवे प्वाइंट नंबर 65/03, कालिबाड़ी सांबा के नजदीक हुई, जहां ट्रेन का अगला शीशा टूट गया। हालांकि, इस क्षति का सही कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन शुरुआती जांच और लोकल रिपोर्टों में पथराव की घटना से जोड़ा जा रहा है।

सूचना मिलते ही कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिसमें ए.एस.पी. गरु राम भारद्वाज और डी.एस.पी. शामिल थे, जी.आर.पी. और एस.ओ.जी. टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस टीमों ने रेलवे ट्रैक और आसपास के इलाके की गहनता से तलाशी ली और घटना से जुड़े संभावित कारणों की विस्तृत जांच शुरू की। इस अप्रत्याशित घटना के चलते, दिल्ली से जम्मू जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को भी सुरक्षा जांच पूरी होने तक सांबा रेलवे स्टेशन पर रोकना पड़ा। रेलवे ट्रैक की गहन जांच और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद, लगभग रात 12-30 बजे रेल सेवाओं को फिर सुचारु कर दिया गया। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

ममता, स्टालिन और केजरीवाल को निपटा चुके... अखिलेश, राहुल गांधी का अगला टारगेट

शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी।
बीजेपी से अलग हुए शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों के रिश्तों पर तीखी और कांग्रेस को चुभ जाने वाली टिप्पणी की है। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस नेता लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन के भीतर मौजूद क्षेत्रीय नेताओं को राजनीतिक रूप से कमजोर कर रहे हैं और अब समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव उनके अगले निशाने पर हैं।

बीजेपी से अलग हो चुके पूनावाला ने अखिलेश को सलाह देकर कहा कि उनकी असली लड़ाई बीजेपी से नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी से है। शहजाद के अनुसार, अखिलेश को मैं एक सलाह दे सकता हूं। बीजेपी आपकी असली दुश्मन नहीं है, आपकी असली दुश्मन कांग्रेस और राहुल गांधी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का लक्ष्य समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगे रहना है, जबकि वे बीजेपी पर सीधा हमला नहीं करते। शहजाद ने दावा किया कि राहुल गांधी पहले धीरे-धीरे डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन, ममता बनर्जी, तेजस्वी यादव और अरविंद केजरीवाल जैसे नेताओं के प्रभाव को खत्म कर रहे हैं। उनके मुताबिक, बिहार चुनाव में तेजस्वी यादव सही राह पर थे, लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें वोट चोरी के मुद्दे पर उलझाकर खुद के साथ-साथ उन्हें भी डुबो दिया। शहजाद के अनुसार, राहुल गांधी की रणनीति है कि मोदी सरकार को आगे भी बने रहने दिया जाए, क्योंकि कांग्रेस का असली फायदा तब होगा जब इन छोटी क्षेत्रीय पार्टियों की दुकानें बंद करवाकर उनके वोट बैंक के जेवर अपने नाम कर लेगी।

बीजेपी के भविष्य के चेहरे के सवाल पर, शहजाद ने बेझिझक कहा कि पार्टी का सबसे बड़ा चेहरा उसका कार्यकर्ता होता है और जब तक कार्यकर्ता किसी नेता को नहीं चुनता, तब तक कोई अकेला चेहरा नहीं होता। एक इंटरव्यू में, 28 साल की यूट्यूबर द्वारा अंकल कहने पर उन्होंने चुटकी लेकर कहा कि जो लोग 56 साल के नेताओं को सम्मान से जी लगाकर बुलाते हैं, वे 38 साल के शहजाद को अंकल कह रहे हैं।

राहुल गांधी-वाड्रा परिवार से अपने भाई के संबंध पर शहजाद ने स्वीकार किया कि इसतरह के अप्रत्यक्ष रिश्तों से उन्हें हमेशा असहजता महसूस हुई। उनका कहना था कि इन कनेक्शन का अक्सर दुरुपयोग होता है और उनके खिलाफ हजारों अफवाहें उड़ाई गईं। अपनी निजी जिंदगी और शादी न करने के सवाल पर शहजाद ने मजाकिया लहजे में कहा, हमारे बाल अच्छे हैं, लेकिन हम बाल-बच्चे नहीं चाहते! मैं शादी कभी नहीं करना चाहता। मैं हमेशा दो फोन पर काम या यूट्यूब में व्यस्त रहता हूं। जब फोन ही सारा समय ले जाता है, तब शादी के लिए वक्त ही कहां है?

भारत से लेकर अफगानिस्तान तक थर्राई धरती, आधी रात को भूकंप के झटकों से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को भारत से लेकर अफगानिस्तान तक के कई हिस्सों में अचानक धरती थर्रा उठी, जिससे सोते हुए लोगों की नींद खुल गई और हर तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस जलजले के कारण किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक खबर सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और अफगानिस्तान में ये भूकंप के झटके अलग-अलग समय पर महसूस किए गए। भारत में जहां महाराष्ट्र के सतारा क्षेत्र में आधी रात को करीब 3 बजकर 29 मिनट पर धरती कांपी, वहीं पड़ोसी देश अफगानिस्तान में सुबह 5 बजकर 37 मिनट पर इसके झटके दर्ज किए गए। भारत के मुकाबले अफगानिस्तान में भूकंप का असर थोड़ा अधिक तेज था, जहां रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.0 मापी गई। इसके विपरीत, महाराष्ट्र के सतारा में आए भूकंप की तीव्रता महज 2.4 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई, जिसके कारण कंपन इतना हल्का था कि ज्यादातर लोगों को इसके आने का अहसास तक नहीं हुआ और वे गहरी नींद में सोते रहे। गौरतलब है कि इससे कुछ समय पहले नेपाल के मुस्तांग और उसके आसपास के इलाकों में भी 5.3 तीव्रता का तेज भूकंप महसूस किया गया था। नेपाल में हालिया बाढ़ आपदा के बाद से ही भूगर्भीय गतिविधियों को लेकर चिंताएं लगातार बनी हुई थीं, ऐसे में वहां आए झटकों ने स्थानीय लोगों के दिलों में पुराना डर फिर से ताजा कर दिया था। बार-बार आ रहे इन भूकंपीय झटकों ने एक बार फिर से इस बात की चर्चा छेड़ दी है कि आखिर धरती के भीतर ऐसा क्या होता है जिससे यह कांप उठती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी की सबसे ऊपरी परत कई विशाल टुकड़ों में बंटी होती है जिन्हें टेक्टोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये प्लेटें अपने नीचे मौजूद गर्म और नरम परत पर लगातार तैरती रहती हैं और धीमी गति से एक-दूसरे की ओर खिसकती या टकराती रहती हैं। जब इन प्लेटों के बीच आपसी दबाव अत्यधिक बढ़ जाता है और अचानक भारी मात्रा में ऊर्जा मुक्त होती है, तो सतह पर जोरदार झटका महसूस होता है जिसे हम भूकंप के रूप में अनुभव करते हैं।

अखिलेश के 'चवन्नी' तंज पर त्यागी ने किया पलटवार

-केसी बोले- हम चवन्नी नहीं, महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट हैं

लखनऊ, एजेंसी।
समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की 'चवन्नी' वाली टिप्पणी पर राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रालोद को 'चवन्नी' समझने की भूल कतई नहीं करनी चाहिए, बल्कि वह महात्मा गांधी की तस्वीर वाला 500 रुपये का नोट है। केसी त्यागी ने यह बात हाथरस के मुरसान में रालोद की 'स्वाभिमान सम्मान पदयात्रा एवं समरसता अभियान' की शुरुआत के दौरान की। रालोद नेता त्यागी की यह प्रतिक्रिया अखिलेश यादव की अगस्त में की गई टिप्पणी के संदर्भ में है। अखिलेश ने रालोद प्रमुख जयंत चौधरी को 'चवन्नी' कहा था। दरअसल यह टिप्पणी 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान चौधरी के उस बयान से जुड़ी थी, जब वह समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में थे। उस समय चौधरी ने बीजेपी की ओर से दिए गए प्रस्तावों को ठुकरा दिया था और कहा था कि वह ऐसी 'चवन्नी' नहीं हैं, जिसे आसानी से 'पलटा' जा सके। इस घटना के बाद रालोद ने सपा से गठबंधन खत्म कर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का साथ दिया। यहां बताते चलें कि जयंत चौधरी वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। रालोद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष त्यागी ने कहा कि उनके पिता मुलायम सिंह यादव, पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक प्रभाव को अच्छी तरह से समझते थे, लेकिन अगली पीढ़ी शायद इसे याद नहीं रख पाई। उन्होंने कहा कि अब पार्टी को यह साबित करना है कि वह 'चवन्नी' नहीं, बल्कि 500 रुपये का नोट है।

तमिलनाडु में फ्री ब्रेकफास्ट स्कीम लॉन्च, अब 6 से 8 तक के छात्रों को भी मिलेगा नाश्ता

-सीएम विजय ने छात्रों को परोसा नाश्ता साथ बैठक कर खाया, खिले बच्चों के चेहरे

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के सीएम सी जोसेफ विजय ने मंगलवार को चेन्नई में विस्तारित पेरुंथलैवर कामराजर फ्री ब्रेकफास्ट स्कीम लॉन्च की। उन्होंने छात्रों को नाश्ता परोसा। उनके साथ बैठकर ब्रेकफास्ट भी किया। यह कार्यक्रम चेन्नई के तिरुवन्मियूर स्थित गांधी ग्रामम के सरकारी मिडिल स्कूल में हुआ। विजय ने स्कूली बच्चों से बातचीत की। पहले इस योजना का लाभ कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को मिलता था। अब कक्षा 6 से 8 तक के छात्र भी इसके दायरे में आ गए हैं। इससे राज्य के 15,454 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के करीब 15.30 लाख अतिरिक्त छात्रों को फायदा होगा।

विजय सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 में योजना के विस्तार के लिए 217.63 करोड़ रुपए अतिरिक्त मंजूर किए हैं। इसके साथ योजना का कुल बजट 724 करोड़ रुपए हो गया है। इस योजना का नाम पहले चीफ मिनिस्टर ब्रेकफास्ट स्कीम था। अब इसका नाम बदलकर पेरुंथलैवर कामराजर फ्री ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया गया है। यह नाम तमिलनाडु के पूर्व सीएम के कामराज के सम्मान में रखा गया है। उन्होंने स्कूली शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और राज्य की मिड-डे मील योजनाओं को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी।

योजना मंगलवार से पूरे राज्य में लागू हो गई। हालांकि, चेंगलपट्टू और तिरुप्पुर जिलों में इसे अभी लागू नहीं किया गया है। वहां आगामी विधानसभा उपचुनावों के कारण इन दोनों जिलों में मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू है। इसी वजह से वहां योजना का क्रियान्वयन टाल दिया गया है।

रिम्स अस्पताल में न्यूबॉर्न केयर यूनिट में लगी आग, 2 नवजात की मौत

- 28 बच्चों को सुरक्षित बचाया, सीएम ने जताया दुख जांच के दिए आदेश

आदिलाबाद, एजेंसी।
तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के रिम्स अस्पताल में सोमवार देर रात अस्पताल के स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में अचानक आग लग गई। इस हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई है, जबकि वार्ड में 28 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने इस दुखद घटना की औपचारिक जांच के आदेश दिए हैं और अधिकारियों को आग लगने के कारण पर तुरंत रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

मीडिया रिपोर्ट में फायर अधिकारी के मुताबिक आग लगने की सूचना मिलते ही आपातकालीन कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई की। मौके पर दमकल की गाड़ी भेजी गई और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अगर समय पर रेस्क्यू नहीं चलाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। फिलहाल आग लगने के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया जांच शुरू कर दी है। यह घटना अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल खड़े करती है, क्योंकि स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट जैसे संवेदनशील वार्ड में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। इस हादसे को लेकर बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री के टी. रामा राव ने एक्स पर पोस्ट करते हुए गहरा दुख जताया। उन्होंने लिखा हादसे से गहरा सदमा और दुख हुआ। इस हादसे में एक नवजात की मौत हुई हैं और कई बच्चे प्रभावित हुए हैं। सभी बच्चों की सलामती के लिए मेरी प्रार्थनाएं हैं। प्रशासन ने मृतक नवजात के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायल या प्रभावित बच्चों को बेहतर इलाज की बात कही है। साथ ही अस्पताल के फायर सेफ्टी सिस्टम की भी जांच के आदेश दिए गए हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। अस्पताल में स्थिति नियंत्रण में है और अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों को सुरक्षित रखा गया है।

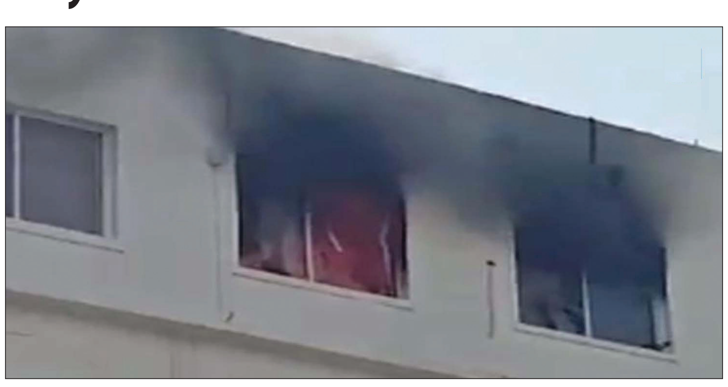

कालकाजी मंदिर के पास नाबालिग से गैंगरेप ; 1 का एनकाउंटर

-जमुई कांड के बाद दिल्ली भी शर्मसार

नई दिल्ली, एजेंसी।
बिहार के जमुई में हुई हृदयविदारक घटना के बाद अब देश की राजधानी दिल्ली से भी एक बेहद शर्मनाक और विचलित करने वाली खबर सामने आई है। दिल्ली के कालकाजी मंदिर के समीप तीन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा खुद को पुलिसकर्मी बताकर एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। यह घटना उस समय हुई जब पीड़िता मंदिर में दर्शन के बाद अपने एक दोस्त के साथ पार्क में बैठी हुई थी। इस जघन्य घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली पुलिस तत्काल हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह हुई मुठभेड़ के बाद पकड़े गए आरोपी की पहचान आसिफ के रूप में हुई है। पुलिस को आरोपी के पास से एक अवैध पिस्टल और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद हुई है। पुलिस इस मामले में आगे की गहन जांच कर रही है और बाकी दो अन्य आरोपियों का पता लगाने की पूरी कोशिश कर रही है। जानकारी के अनुसार, कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क के भीतर सोमवार शाम को इस 17 वर्षीय किशोरी के साथ गैंगरेप को अंजाम दिया गया। पीड़िता ने अपने बयान में आरोप लगाया है कि तीन युवकों ने पहले खुद को दिल्ली पुलिसकर्मी बताकर उसे और उसके दोस्त को बुरी तरह धमकाया। इसके बाद, उन्होंने इस नृशंस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित किशोरी दक्षिणी दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहती है। सोमवार को वह अपने दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन करने के बाद शाम करीब 7-30 बजे आस्था कुंज पार्क पहुंची थी। आरोप है कि कुछ देर बाद तीन युवक वहां आए और दोनों को जबरन रोक लिया। उन्होंने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए दोनों को झूठी कार्रवाई की धमकी दी, जिससे दोनों डर गए। आरोप है कि एक युवक ने किशोरी के दोस्त को कसकर पकड़ लिया, जबकि दो अन्य दरिंदों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों मौके से फरार हो गए। रात करीब 8-45 बजे घटना की सूचना मिलने के बाद कालकाजी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और पीड़ित किशोरी का मेडिकल कराया गया। पुलिस की कई संयुक्त टीमें पार्क और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं ताकि आरोपियों की पहचान हो सके। घटना के समय इलाके में सक्रिय मोबाइल नंबरों का डेटा भी गहनता से जुटाया जा रहा है, जिससे दोषियों तक पहुंचा जा सके और उन्हें जल्द से जल्द कानून के कटघरे में खड़ा किया जा सके।

भारत के लिए पानी और सुरक्षा की नई चुनौती खड़ी कर रहा चीन

ब्रह्मपुत्र पर चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

नई दिल्ली,, एजेंसी।
चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी की ऊपरी धारा, जिसे वहां यारलुंग त्सांगपो कहा जाता है, पर करीब 60,000 मेगावाट क्षमता की मेडोग जलविद्युत परियोजना विकसित कर रहा है। परियोजना का आकार इसे दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजनाओं में शामिल करता है। भारत के लिए चिंता केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि नदी के बहाव, पर्यावरण और भूकंपीय सुरक्षा से जुड़े संभावित प्रभाव भी महत्वपूर्ण हैं। यही नदी अरुणाचल प्रदेश और असम से होकर बांग्लादेश तक जाती है।

रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने परियोजना को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और पर्यावरणीय चिंताएं उठाने की जरूरत बताई है। उनके अनुसार, चीन के वैज्ञानिक अध्ययनों में परियोजना क्षेत्र के आसपास सक्रिय पाइझेन फॉल्ट का उल्लेख किया गया है। क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को देखते हुए भूकंप, भूस्खलन और चट्टानों के खिसकने जैसे जोखिमों पर निगरानी जरूरी है।

तिब्बत का यह इलाका भूकंपीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। 2017 में निंगची क्षेत्र में आए 6.9 तीव्रता के भूकंप ने भी इस क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता को सामने रखा था। इतने बड़े जलाशय और बांध के निर्माण के कारण किसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति में संभावित प्रभावों को लेकर भारत में चिंता है। भारत के लिए दूसरी बड़ी चुनौती ब्रह्मपुत्र के ऊपरी हिस्से में चीन की बढ़ती जल-नियंत्रण क्षमता है। नदी के बहाव में बड़े बदलाव का असर निचले क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता, कृषि और पारिस्थितिकी पर पड़ सकता है। हालांकि परियोजना के वास्तविक प्रभाव का आकलन उसके संचालन और जल प्रबंधन की जानकारी के बिना करना कठिन है। इसी पृष्ठभूमि में भारत में अरुणाचल प्रदेश की करीब 11,000 मेगावाट क्षमता वाली सियांग अपर मल्टीपर्पज परियोजना पर भी चर्चा तेज है। विशेषज्ञों ने उपग्रह, रडार और जलस्तर सेंसर के जरिए ऊपरी ब्रह्मपुत्र क्षेत्र की लगातार निगरानी तथा प्रभावी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की जरूरत बताई है। आने वाले वर्षों में यह परियोजना भारत-चीन संबंधों में जल सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़ा अहम मुद्दा बन सकती है।

अंतरराष्ट्रीय मंच द्वारा शिक्षकों का सम्मान समारोह

शिक्षकों को सम्मानित करना फ़क्र की बात: विजयपाल तोमर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा दिल्ली की भगवान दास रोड पर स्थित सुप्रीम कोर्ट के आई एस आई एल के सभागार में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम

के मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, राज्यसभा सांसद एवं ओडिशा के प्रभारी विजयपाल सिंह तोमर रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सम्मानित करना वास्तविक रूप से बड़े ही फक्र और गौरव की बात है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. ए पी सिंह ने अपने क्रांतिकारी संबोधन में कहा कि शिक्षकों के बिना समृद्ध भारत की कल्पना भी बेमानी है। पश्चिम बंगाल से भाजपा के सांसद एवं कोचबेहार के राजपरिवार से ताल्लुक् रखने वाले नागेंद्र राय अनंत महाराज ने भी शिक्षकों की महिमा का बखान किया, मीडिया द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस पर की गई टिप्पणी के संबंध में उनसे पूछे जाने पर उन्होंने इस विषय पर अपने कानूनी रूप से अधिकृत अधिवक्ता डॉ. ए पी सिंह जी से सवाल जवाब करने की बात कही। कार्यक्रम में कटक उच्च न्यायालय भुवनेश्वर के न्यायाधीश रहे जस्टिस इशरत मसरूर कुदुसी, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रहे जस्टिस जे के रांका, चांसलर गणेशिया जी, बिमला कष्टहरिया (अम्मा जी), गीता चौहान एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, एच एन सिंह सहित कई गणमान्य हस्तियां उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सभी अतिथियों द्वारा शिक्षकों को पगड़ी, माला, शाल एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. राधाकृष्णन जी के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। विदित रहे समरसता मंच की स्थापना नेपाल के पूर्व उप राष्ट्रपति के सांस्कृतिक सलाहकार स्व. महावीर प्रसाद जी ने की थी। कार्यक्रम का सफल आयोजन कुलदीप प्रसाद शर्मा, एडवोकेट, काठमांडू द्वारा किया गया, कार्यक्रम में नाश्ता एवं लंच का भी प्रबंध रखा गया था।

स्वामी अग्निवेश जी के 87वें जन्मदिवस पर सामाजिक न्याय एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह आयोजित

फरीदाबाद, 22 सितंबर। धर्म प्रतिष्ठान एवं बंधुआ मुक्ति मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को महर्षि दयानंद कॉलोनी, ग्रीन फील्ड, सेक्टर-43, बी ब्लॉक, फरीदाबाद, हरियाणा में विश्व प्रसिद्ध आर्य संन्यासी एवं बंधुआ मुक्ति मोर्चा के संस्थापक पूज्य स्वामी अग्निवेश जी के 87वें जन्मदिवस एवं विश्व शांति दिवस के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बंधुआ मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य स्वामी आर्यवेश जी ने की। इस अवसर पर उन्होंने स्वामी अग्निवेश जी के जीवन, संघर्ष, तपस्या और सामाजिक सरोकारों का भावपूर्ण स्मरण करते हुए उनके योगदान का विस्तार से वर्णन किया। स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि स्वामी अग्निवेश जी ने अपना संपूर्ण जीवन मानवता, सामाजिक न्याय, बंधुआ मजदूरी के उन्मूलन, श्रमिकों के अधिकारों तथा वंचित एवं शोषित वर्गों की आवाज को बुलंद करने के लिए समर्पित किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और सामाजिक परिवर्तन के लिए निरंतर संघर्ष किया। उनकी तपस्या, त्याग, सेवा और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं उन्होंने कहा कि स्वामी अग्निवेश का जीवन मानवाधिकार, समानता, न्याय और शोषणमुक्त समाज के निर्माण के लिए समर्पित एक सतत संघर्ष की प्रेरणादायी यात्रा रहा। रघुबीर शास्त्री ने कहा कि बंधुआ मजदूरी के खिलाफ उनके संघर्ष ने देश-विदेश में इस गंभीर सामाजिक समस्या को प्रमुखता से उठाया और बंधुआ मजदूरों की मुक्ति के अभियान को मजबूती प्रदान की। ऋषिपाल आर्य ने कहा स्वामी अग्निवेश ने अपना जीवन बंधुआ मजदूरी, शोषण और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संघर्ष में समर्पित किया। आज उनकी कर्मभूमि में उन्हें स्मरण करना सच्ची श्रद्धांजलि है। सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी आदित्यवेश ने कहा स्वामी अग्निवेश ने आर्य समाज की मानवतावादी परंपरा को सामाजिक संघर्षों से जोड़ा। बंधुआ मजदूरों की मुक्ति के लिए उनका संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। आर डी यादव ने कहा स्वामी अग्निवेश ने वंचित और शोषित लोगों की आवाज बनकर सामाजिक न्याय का संदेश दिया। उनका जीवन बताता है कि संन्यास केवल साधना नहीं, बल्कि समाजसेवा का संकल्प भी है। मानव सेवा प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल शास्त्री ने कहा स्वामी अग्निवेश ने मजदूरों और

बच्चों के अधिकारों के लिए जिस साहस से संघर्ष किया, वह सामाजिक चेतना का महत्वपूर्ण अध्याय है। उनकी स्मृति हमें सेवा और न्याय के लिए प्रेरित करती है। मुकेंद्र आर्य ने कहा स्वामी अग्निवेश ने बंधुआ मजदूरी के विरुद्ध संघर्ष करते हुए हजारों पीड़ित परिवारों को सम्मान और स्वतंत्रता का रास्ता दिखाया। उनकी कर्मभूमि पर जन्मदिवस कार्यक्रम उनके योगदान को नमन है। समारोह में सामाजिक न्याय एवं श्रमिक अधिकारों के लिए कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं के योगदान को सम्मानित किया गया। उपस्थित लोगों ने बंधुआ मजदूरी के पूर्ण उन्मूलन तथा समाज के वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कोषाध्यक्ष श्री विष्णु पाल , संगठन मंत्री स्वामी आदित्यवेश , कार्यकारिणी सदस्य श्री मकेन्द्र कुमार एवं श्री काशी राम , पाली क्रेशर जोन के प्रधान श्री रामशरण, बंधुआ मुक्ति मोर्चा फरीदाबाद के अध्यक्ष श्री मायाराम, सामाजिक कार्यकर्ता श्री ऋषिपाल भड़ाना, श्री भूप सिंह तथा मल्लिक डेरा की प्रधान श्रीमती विमला देवी, रामबीर आर्य, सोमदेव शास्त्री, सीताराम, मोहनलाल, किशोरी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं बंधुआ मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। समारोह के अंत में उपस्थित सभी वक्ताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्वामी अग्निवेश जी के आदर्शों, विचारों और सामाजिक न्याय के संघर्ष को आगे बढ़ाने तथा उनके अधूरे सामाजिक सरोकारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

महिला केयरटेकर की घिनौनी हरकत: सोनिया ने सबको खिलाई नींद की गोली, फिर मंसूबे किए पूरे

दिल्ली। दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में बुजुर्ग महिला की देखभाल के लिए रखी गई एक महिला केयरटेकर ने परिवार के सदस्यों को खाने में नींद की गोली देकर सुला दिया। परिवार के सदस्यों के बेहोश होने पर आरोपी महिला घर से नकदी चोरी कर भाग गई। तकनीकी जांच करने के बाद पुलिस ने आरोपी केयरटेकर को बरेली यूपी से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से 20 हजार रुपये बरामद कर लिए। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 26 फरवरी की शाम पश्चिम विहार ईस्ट पुलिस स्टेशन को एक घर में चोरी की शिकायत मिली। सूचना मिलते ही पुलिस बीजी ब्लॉक पश्चिम विहार पहुंची। शिकायतकर्ता शीतल ने बताया कि महिला केयरटेकर ने घर से 30 से 40 हजार रुपये की चोरी की है। उसने बताया कि करीब दो साल पहले उसके पति का निधन हो गया था और उसके बाद में वह अपनी मां अविता रामेकर और बेटी सिधु निगम के साथ पश्चिम विहार में ही रहती है। उनकी मां दस दिन पहले घर पर ही सीढ़ियों से गिर गईं। उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया था। उनकी सेवा के लिए उन्होंने 25 फरवरी को निहाल विहार की एक एजेंसी एंजल नर्सिंग हेल्थ केयर सर्विसेज से एक महिला केयरटेकर सोनिया सिंह को रखा। 26 फरवरी को बेटी के स्कूल से आने के बाद आरोपी महिला ने 2.30 बजे परिवार के सदस्यों को पराठे और चाय बनाकर दी। जिसे खाते ही तीनों बेहोश हो गए। 4 बजे होश आया तो सोनिया घर से अपना सारा सामान लेकर जा चुकी थी। उसके बैग से 36 हजार रुपये गायब थे। मां ने एक दोस्त पारस को फोन कर बुलाया, जिसने सभी को बेसुध हालत में देखकर पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने खाने की चीजों को जब्त कर लिया और पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल लेकर गए। पुलिस ने 27 फरवरी को मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक सुंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकी जांच की, जिसके जरिए आरोपी महिला की लोकेशन बरेली, यूपी में मिली। पुलिस की एक टीम ने वहां जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह अलग-अलग जगहों पर केयरटेकर के तौर पर काम कर रही थी। वह इससे पहले नोएडा में केयरटेकर के तौर पर काम करती थी। जहां एक सामान लेकर जा चुकी थी। उसके बैग से 36 हजार रुपये गायब थे। मां ने एक दोस्त पारस को फोन कर बुलाया, जिसने सभी को बेसुध हालत में देखकर पुलिस को फोन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने खाने की चीजों को जब्त कर लिया और पीड़ितों को मेडिकल जांच के लिए संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल लेकर गए। पुलिस ने 27 फरवरी को मामला दर्ज कर लिया। निरीक्षक सुंदर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तकनीकीबुजुर्ग महिला नींद की गोलियां खाती थी। जहां से उसने छह नींद की गोलियां ली थीं। इन गोलियों को उसने पीड़ित परिवार के खाने में मिलाकर उन्हें बेहोश कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

NAME CHANGE
I, hitherto known as WASEEM AHMED, S/O NASEEM AHMED, resident at B-3 D ,Block -B Madipur New slum Near DSIDC Madipur Delhi,Paschim Puri, Paschim Vihar, NCT of Delhi – 110063, have changed my name and shall hereafter be known as VASIM AHMED.

NAME CHANGE
I hitherto known as KUMARI TANISHA alias TANISHA D/o Karan Singh, R/o Post Office - Dhoom Manikpur, Deri Machha, Dhoom Manikpur, PO: Dadri, Distt. Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203207, have changed my name and shall hereafter be known as TANISHA, for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as BABY DEVI D/o Sakaldev Prasad Yadav, and W/o Birendra Prasad Yadav, R/o Old Haibatpur, Shivam Enclave, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, have changed my name and shall hereafter be known as SAPNA YADAV, for all future purposes.

NAME CHANGE
I SAZID SON OF MUSHTAQ ALI R/O H NO. D-410, STREET NO-11, NEAR ZINAT MASJID, MOHANPURI, MOUJPUR, NORTH EAST, DELHI-110053 HAVE CHANGED MY NAME SAZID MALIK FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Satish Kumar S/O Puran Chand Saini, 291, Village, Kalan, North West Delhi Pin: 110082 Have Changed My Name To Satish Kumar Saini For All The Future Purposes

PUBLIC NOTICE
Be It Known that my client SUBHASH S/o BHAY RAM R/o 23 VPO Mundhela Kalan, Mundhela Kalan, South West Delhi-110073, have disowned and severed all his relation with his son namely RAJESH and his wife VINOD debarred them from his movable and immovable properties/assets due to his mis-behaviour. Any body dealing with them in civil and criminal matter shall be doing at his/her/their own risk, cost and responsibility.
TEJPAL YADAV ADVOCATE
EN.NO-D/6458/2017
Chamber No-330, Dwarka Court Complex Sector 10
New Delhi: 110075)
Mob No-8802888809

NAME CHANGE
I,ANKUR CHAUDHARY S/O SATYAPAL SINGH R/O G-3 TOP FLOOR ESAT JYOTI NAGAR SHAHDRA DELHI-110093,HAVE CHANGED MY NAME TO ANKUR SINGH

NAME CHANGE
I MANJU AHUJA W/0 VIRENDER BHUTANI R/0 B-86 SURAJ MAL VIHAR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO POORNIMA BHUTANI

NAME CHANGE
I, ESTHER CHONGNEILHAI HANGSING D/o Lalkhongam Hangshing R/o Molkon Village, Saikul, Sanapati, Manipur-795118 have Changed my name to CHONGNEILHAI HANGSHING for all future purposes.

NAME CHANGE
I RAJNI, D/O YASH PAL BAHL, R/O C-19A, SECOND FLOOR, PANCHSHEEL VIHAR, MALVIYA NAGAR, NEW DELHI 110017, HAVE CHANGED MY NAME TO RAJNI BAHL FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ANITA D/O RAVINDER PRASAD R/O RZ-A-30/C, MAHAVIR VIHAR, NEAR GOVT. PRIMARY SCHOOL, DWARKA SECTOR-1, PALAM VILLAGE, P.O. PALAM VILLAGE, DIST. SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, declare that name has been wrongly written as ANITA KUMARI in my 10th & 12th educational documents, Graduation Marksheets, and Degree. And the name of mine and my father has been wrongly written as ANITA GUPTA in my Post Graduation Degree, bank records, and official experience certificates. In my Divorce Decree (HMA No. 67/13), my name is wrongly written as ANITA GUPTA and my father's name as RAVINDER PRASAD GUPTA. The actual and correct name of mine is ANITA and that of my father is RAVINDER PRASAD for respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I MANISH KUMAR S/0 RAM KHILADI R/0 652P BLOCK A NEAR GURUDWARA PUNJABI BASTI ALJEET NAGAR DELHI CHANGED MY NAME TO MANISH CHAUHAN

NAME CHANGE
I KULDEEP SHARMA S/0 RADHEY SHYAM SHARMA R/0 H.NO 55 GALI NO 3/7 MAHALAXMI ENCLAVE KARAWAL NAGAR DELHI CHANGED MY NAME TO KULDEEP KUMAR SHARMA

NAME CHANGE
I hitherto known as VIKASH S/o RAJ KUMAR R/o H No. – C -2/287 A , Gali No.- 12 , Harsh Vihar , Mandoli PO : Mandoli Saboli , Dist : North East Delhi , Delhi – 110093 have changed my name and shall hereafter be known as VIKASH RAAJ .

NAME CHANGE
I, RAKEETA RANA W/O SANJEEV KUMAR RANA R/O B14-1401, M3M, WOODSHIRE, SECTOR-107, DHARAMPUR, DAULTABAD, GURGAON, HARYANA-122006, HAVE CHANGED MY NAME TO RAKEETA RANI FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
It is for general information that I GULSHAN W/o SALEEM MIAN R/o K – 47 1st Floor Back Side , Thokar No. – 5 , Abul Fazal Enclave Part – 1 , Jamia Nagar , Okhla , PO : New Friends Colony , Dist : South Delhi , Delhi – 110025 declare that the name of my Husband has been wrongly written as SALEEM MIYAN in my minor daughter namely ZUBIA SALEEM aged 16 years in her 10th Class Educational Documents . The actual name of my Husband is SALEEM MIAN Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD SHAMIM S/O MOHAMMAD LAIQ R/O A-3/95, DAL MILL ROAD HASTSAL UTTAM NAGAR DWARKA DELHI 110059, CHANGED MY NAME TO MOHD SHAMIM.

NAME CHANGE
I, AALIA PARVEEN W/o Mohammad Saqib R/o E-686, Gali No.4, Shri Ram Colony, Karawal Nagar, Delhi-110094, have Changed my name from AALIA PARVEEN to ALIYA NAAZ for all future purposes.

NAME CHANGE
I, AFSAMA W/o Mohd Ahsan R/o H.No. 190, Gali No.2, A-Block, Babu Nagar, Karawal Nagar, Delhi-110094, have changed my name to AFSANA KHATOON for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD AHSAN S/o Abdul Wahid R/o H.No. 190, Gali No.2, A-Block, Babu Nagar, Karawal Nagar, Delhi-110094, have changed my name to MOHD AHSAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PARDEEP S/o Tek Ram R/o Village Jasrana Tehsil Gohana District Sonipat, Haryana-131408, have changed my name to PARDEEP KUMAR permanently.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Rajni D/O Sohan Lal, R/O jewar road kishorpur, PO: Kishore Pur, Sub District: Jewar, District: Gautam Buddha Nagar,: Uttar Pradesh, 203155, have changed my name and shall hereafter be known as Km Rajni.

NAME CHANGE
It is for general information that I PRASHANT KUMAR JHA S/o SURESH JHA R/o 481 , I Tower , Gaur Siddhartham , Siddharth Vihar , Ghaziabad , PO : Vijai Nagar , Dist : Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201009 declare that the name of mine has been wrongly written as PRASHANT JHA in my minor son namely RITESH JHA aged 17 years in his 10th class Educational Documents . The actual name of my mine is PRASHANT KUMAR JHA Which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I, Hem Lata Gupta W/O Ashok Gupta, 86-87, Pocket D -14, Rohini sector -8 North West Delhi Pin:110085 Have Changed My Name To Hem Lata For All The Future Purposes

NAME CHANGE
I, Mohd Ali Hasan Nizami S/o Syed Asad Ali Nizami R/o 90,Basti Hazrat Nizamuddin, New Delhi 110013 have changed my Name from Mohd Ali Hassan Nizami to Mohd Ali Hasan Nizami for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Ramgopal S/o Udda R/o 37, Village Muthiyani, Dadri, Vidyut Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201008 have changed my name and shall hereafter be known as Gopal.

NAME CHANGE
I, hitherto Known as JAG BHOOSHAN S/O GANGA RAM R/O House No-278, Uttranchal Colony, Behata Hazipur , Loni Dehat,PO : Loni, Dist Ghaziabad Uttar Pradesh 201102 have changed my name and shall hereafter be known as JAGBHUSHAN VERMA.

NAME CHANGE
I, PRASHANT KUMAR UPADHYAY R/o G-220 GALI NO-5, west karawal nagar, DELHI-110094. Have changed my name to PRASHANT UPADHYAY

NAME CHANGE
I, Asak S/O Radhe R/O House No-105, Tila Shahbazpur, PO: Teela Sahbazpur, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201102, have changed my name and shall hereafter be known as Ashok

सार्वजनिक सूचना
मेरी मुवक्किला रेखा देवी मानिक पत्नी स्वर्गीय आनंद स्वरूप, निवासी SK-IV/193/GF, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201014 ने अपनी पुत्री विदुषी सिंह के दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी सभी चल एवं अचल संपत्तियों से बेदखल करते हुए उससे अपने सभी संबंध समाप्त कर लिए हैं। मेरी मुवक्किला उक्त व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले किसी भी लेन-देन, पुलिस प्रकरण, न्यायालयीन वाद अथवा किसी भी अन्य प्रकार की देनदारियों या दायित्वों के लिए जिम्मेदार या उत्तरदायी नहीं होंगी।
ज्योति -अधिवक्ता

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री कुलदीप बरवाल (पिता श्री फूल चंद) प्रॉपर्टी नंबर 279 (क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा नंबर 558 का हिस्सा, गली नंबर 2, जाटव मोहल्ला, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली 110068 में स्थित) के मालिक है। यह मालिकाना हक उन्हें 14.08.2026 को हुए रिलीक्विशमेंट डीड (हक त्याग विलेख) / %रिलीज़ डीड% के जरिए मिला है, जिसे श्रीमती इंदिरा वती (स्वर्गीय श्री फूल चंद की बेटी), श्रीमती सरोज (स्वर्गीय श्री फूल चंद की बेटी) और श्री इंद्रजीत (स्वर्गीय श्री फूल चंद के बेटे ने श्री कुलदीप बरवाल के पक्ष में निष्पादित किया था और जो दस्तावेज़ नंबर 2026/7/1/10736 के तहत विधिवत पंजीकृत है। प्रॉपर्टी की चेन में निम्नलिखित दस्तावेज खो गए हैं= 14.02.2019 की ओरिजिनल GPA; 22.09.2023 का ओरिजिनल ATS (जिसे श्री कुलदीप भरवाल ने श्रीमती गीता बरजाल पत्नी श्री कुलदीप बरबाल के पक्ष में निष्पादित किया था); और श्री फूल चंद के पक्ष में संबंधित प्राधिकरण द्वारा जारी 30.09.1980 का ओरिजिनल लाल डोरा सर्टिफिकेटा इनके खोने की सूचना देते हुए 14.09.2026 को LR नंबर 630997/2026 के तहत ऑनलाइन FIR दर्ज कराई जा चुकी है। इस प्रॉपर्टी के लिए शुभम हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी उक्त प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।.
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

NAME CHANGE
I KALAISELVI A D/O S ARULDASS R/O 13/1 DISHA KENDRA, TRILOK PURI, DELHI-110091. have changed my name to KALAI SELVI ARUL DASS for all purposes.

NAME CHANGE
I, NO-2706340X Rank-HAV Name-ROHTASH KUMAR legal father of ISHAN, R/O 22, BLOCK NO-1, MANAWALI (31), FATEHABAD, HARYANA-125050 have changed my minor son's name from ISHAN to ISHAN LATHER for all future purposes vide affidavit dated 22/09/2026 Before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I BATTI W/O LEKH RAM R/O H NO-W P -239 WAZIRPUR VILLAGE DELHI-110052 I HAVE CHANGED MY NAME BATTI TO RAMWATI ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I K NUKRAJU S/O KUPPLY SWAMI R/O H NO-267 GALI NO-5 H-BLOCK PHASE-6 AYA NAGAR SOUTH DELHI-110047 I HAVE CHANGED MY NAME TO K RAJU

NAME CHANGE
I hitherto known as RAVI KUMAR S/o KAMLESH PRASAD R/o P – 148/12 , New Kabul Line , Delhi Cantt , South West Delhi , Delhi – 110010 have changed my name and shall hereafter be known as TEJVEER RUDRA NARASIMHA . I have changed my name only, not my religion.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मंजू (पत्नी श्री दिनेश कुमार) फ्रीहोल्ड DDA द्वारा बनाए गए जनता फ्लैट नंबर 199 (ब्लॉक G, पॉकेट 8, सेक्टर 16, रोहिणी, दिल्ली-110089, एरिया 18 वर्ग मीटर) की तीसरी मंजिल और छत के अधिकारों (रूफ राइट्स) की मालकिन थीं। यह अधिकार उन्हें श्रीमती वंदना नंदा (पत्नी श्री वीरेंद्र कुमार नंदा) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA, SPA, ATS और रजिस्टर्ड वसीयत (सभी 30.04.2025 की तारीख वाले) के माध्यम से मिले थे। अब यह प्रॉपर्टी श्रीमती सरिता को बेची जा रही है और इसके लिए स्म्न्नत इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का भी इस प्रॉपर्टी पर कोई अधिकार/हित/टाइटल है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20, Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given on behalf of my client Mrs. Shabnam W/o Mohammad Sahid to inform the public at large that she is the lawful owner of a Northern Facing Residential House Of Land Area Measuring 54.80 Sq. Yards I.E. 45.84 Sq. Meters, Ward No. 20, Situated In The Area Of Hajipura, Near Harendra Nagar, Kasba Shamli, Pargana And Tehsil Shamli, Distt. Shamli, Uttar Pradesh, by virtue of Sale Deed dated 03.07.2019 (Document No. 7479,). The said property is proposed to be financed by ICPLCapitalPvt.Ltd. However, the original Sale Deed dated 05.07.1999, (Document No. 243) has been lost / misplaced and is not traceable. Accordingly, an e-FIR dated 18.09.2026, LAR No. 20260000948286 has been lodged regarding the loss of the said document. Therefore, if any person has any claim, right, title or interest in the aforesaid property, he/she may submit objections in writing at the address given below within 7 days from the date of publication of this notice. In the absence of any such objections, it shall be presumed that the said property is free from all encumbrances, liens, charges, or disputes of any nature, and my client shall be at liberty to deal with the property accordingly.
Legal Pride LLP
Address: 553-54, Gautam Complex, School Block, Shakarpur, Laxmi Nagar, Delhi-110092.
Contact#9654780108

NAME CHANGE
I JASPREET KAUR KOCHHAR W/O MAZHAR IQBAL R/O D1A/83, D BLOCK JANAK PURI NEW DELHI 110058 have changed my name to JASPREET KOCHHAR IQBAL Permanently for all future purpose

NAME CHANGE
I NEHA W/O MOHAMMAD NADEEM R/O 278 E, GALI NO 14 ZAKIR NAGAR JAMIA NAGAR DELHI 110025 have changed my name to NEHA NADEEM Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I PRATAP SINGH S/O BALBEER SINGH R/O H.NO -44 GALI NO 15 , SARASWATI COLONY SEHATPUR FARIDABAD HARYANA 121013 have changed my name to PRATAP SINGH RAWAT Permanently for all future purposes

NAME CHANGE
I, DEEPAK VERMA S/o MADAN LAL VERMA R/o H.NO-74B, OLD KAKROLA ROAD, NEAR GREEN VIEW PUBLIC SCHOOL, DWARKA VIHAR, NAJAFGARH, DELHI-110043 have changed the name of my minor Son SAMART VERMA, aged 14 years and he shall hereafter be known as SAMARTH VERMA. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि क्लिक्स कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, जिसका शाखा कार्यालय नई दिल्ली में है, श्री वकील अहमद को मकान संख्या 99, जिसका क्षेत्रफल 176.33 वर्ग गज (यानी 147.52 वर्ग मीटर) है, जो मदर दरवाजा, परगना, तहसील खुर्जा, जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, की जमानत के बदले वित्तीय सहायता प्रदान करने का इरादा रखती है। उक्त संपत्ति श्री वकील अहमद के स्वामित्व में थी, जिसका स्वामित्व उन्हें दिनांक 05.08.2026 के उपहार विलेख के आधार पर प्राप्त हुआ था, जो दिनांक 05.08.2026 को दस्तावेज़ संख्या 18622 के रूप में विधिवत पंजीकृत है और जिस पर 1) श्री शकील अहमद और 2) श्री अकील अहमद ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके द्वारा यह भी सूचित किया जाता है कि डॉ. हरनाम सिंह साहनी द्वारा श्रीमती आमना खातून के पक्ष में उक्त भूमि (अर्थात 100 वर्ग गज भूमि) के संबंध में निष्पादित मूल विक्रय विलेख, जिसका दस्तावेज़ संख्या 9033 दिनांक 19.05.1976 है और जो बुलंदशहर के उप रजिस्ट्रार कार्यालय में विधिवत पंजीकृत है, गुम हो गया है और उसका पता नहीं चल पा रहा है। इस संबंध में उत्तर प्रदेश पुलिस में एलएआर संख्या 20260000965930, दिनांक 22.09.2026 के तहत एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। तदनुसार, उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में या क्लिक्स कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में प्रस्तावित बंधक के विरुद्ध किसी भी प्रकार का दावा, अधिकार, हक, हित, ग्रहणाधिकार या आपत्ति रखने वाले किसी भी व्यक्ति/व्यक्तियों को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से सात (7) दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्तियां लिखित रूप में, सहायक दस्तावेजों सहित, अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। यदि कोई दावा या आपत्ति हो, तो उसे अधिवक्ता ऋषि माहेश्वरी (मोबाइल नंबर= +91-9340118309) को प्रस्तुत किया जा सकता है। निर्धारित समयावधि के भीतर कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में, यह मान लिया जाएगा कि उक्त संपत्ति से संबंधित कोई दावा, आपत्ति या भार नहीं है, और प्रस्तावित लेनदेन बिना किसी और संदर्भ या आपत्ति के पूर्ण कर दिया जाएगा।
ऋषि माहेश्वरी (अधिवक्ता)
संपर्क नंबर - 09340118309
ईमेल पता= - lsrle&icure@gmail.com

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHAMEEM W/O MUHAMMAD ABID QURESHI R/o 4140, NIZAM UL MULK, URDU BAZAR, JAMA MASJID, DELHI-110006 have changed my name and shall hereafter be known as SHAMEEM BEGUM. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as MODI BHOOMI W/O ARUN KUMAR GAUR residing at 1070/GF, PLOT NO-1070, PINEWOOD ENCLAVE, NH-24, SECTOR-2, WAVE CITY, GHAZIABAD, PO: KAVI NAGAR, DIST: GHAZIABAD ,UTTAR PRADESH -201002 have changed my name and shall hereafter be known as BHOOMI MODI.

NAME CHANGE
I, NO-4094299M, Rank-NK, Name-DEVESH KUMAR residing at VILL-LAXMIPUR, PO-UMEDPUR, TEHSIL-VIKAS NAGAR, DIST-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248007 have changed my father's name from MASTA RAM to MASTRAM for all future purposes vide Affidavit dated 22/09/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, Sanjay Upadhyay S/O Krishna Upadhyay R/O Flat no 601, Tower-F, Aditya Celebrity Homes, Sec 76 Noida. UP 201301 have changed my name to Sanjay Kumar Upadhyay for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूनम मल्होत्रा (पत्नी श्री रवि मल्होत्रा) प्लॉट नंबर 8 पर बने पुराने घर (पुराना नंबर 140, नया नंबर 261) की मालकिन हैं। इस प्लॉट का क्षेत्रफल 206.2/3 वर्ग गज यानी 176.20 वर्ग मीटर है और यह सलेकचंद कॉलोनी, गांधी नगर, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है। शुरू में, यह प्रॉपर्टी स्वर्गीय श्री मेघराज शर्मा की पत्नी श्रीमती कस्तूरी देवी की थी। श्री सलेक चंद सिंघल के बेटे श्री नरेश कुमार सिंघल द्वारा 22.01.1968 को सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की गई थी (दस्तावेज़ नंबर 555, बुक नंबर 1, वॉल्यूम...)। नंबर 1378, पेज नंबर 53-55, तारीख 22.01.1968, SR-गाजियाबाद; इसके बाद स्वर्गीय श्री मेघराज शर्मा की पत्नी श्रीमती कस्तूरी देवी ने (पोते) श्री हर्ष शर्मा और श्री अर्पित शर्मा (दोनों श्री अशोक शर्मा के बेटे) के पक्ष में प्रॉपर्टी का अधिकार किया (लेकिन ग्राउंड फ्लोर पर अशोक शर्मा की पहली पत्नी, जीवन लता, अकेले रहती हैं। उन्हें अपनी जिंदगी भर ग्राउंड फ्लोर पर रहने का अधिकार होगा। हालांकि, उनकी मौत के बाद, प्रॉपर्टी का पूरा मालिकाना हक श्री हर्ष शर्मा और श्री अर्पित शर्मा के पास आ जाएगा), दुर्भाग्य से, स्वर्गीय श्री मेघराज शर्मा की पत्नी श्रीमती कस्तूरी देवी का 11.07.2017 को निधन हो गया और श्रीमती जीवन लता का भी निधन हो गया; आखिरकार, श्री हर्ष शर्मा और श्री अर्पित शर्मा (दोनों श्री अशोक शर्मा के बेटे) ने श्रीमती पूनम मल्होत्रा (पत्नी श्री रवि मल्होत्रा) के पक्ष में सेल डीड (बिक्री विलेख) निष्पादित की, जो उक्त प्रॉपर्टी की मालिक हैं (डॉक्यूमेंट नंबर 2267, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 22898, पेज नंबर 81-104, तारीख 25.02.2026, स्क्र-द्वु, गाजियाबाद)। उक्त प्रॉपर्टी सभी तरह के भार, ग्रहणाधिकार, शुल्क, बंधक और तीसरे पक्ष के दावों से मुक्त है, और वर्तमान में उक्त प्रॉपर्टी का भौतिक कब्ज़ा श्रीमती पूनम मल्होत्रा के पास है। उक्त प्रॉपर्टी के लिए ष्ठष्टक्क बैंक लिमिटेड, करोल बाग ब्रांच, नई दिल्ली द्वारा फाइनेंस (वित्तपोषण) किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल= kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, SANJEEV KUMAR S/O KRISHAN CHAND R/O HOUSE NO-514, KOTLA VIHAR PHASE-2, KOTLA TILANGPUR, DELHI-110043, HAVE CHANGED MY NAME TO SANJEEV KUMAR RANA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, SHAISTA, wife of Mohd. Arif, R/o 2957, Kali Masjid, Sita Ram Bazar, Delhi, have changed my name from SHAKRA to SHAISTA after marriage. I hereby declare that SHAKRA and SHAISTA are one and the same person, i.e. myself, and both names refer to me only. Henceforth, I shall be known as SHAISTA for all purposes and records.

NAME CHANGE
I, SHANTA DAS father of ARMY No–16021584M, RANK–HAV, NAME–SAMIR DAS residing at BERGOOM, BERGUM, NORTH 24 PARGANAS, WEST BENGAL-743263, have changed my name from SHANTA DAS to SANTA DAS for all future purposes vide Affidavit Dated 22/09/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती लिपि सक्सेना पुत्री श्री राजबंस किशोर सक्सेना उर्फ आर.के. सक्सेना उक्त संपत्ति की स्वामिनी हैं, जिसका विवरण निम्नानुसार है= यूनिट संख्या C-5/503, 5वीं मंजिल, सुपर एरिया 2070 वर्ग फीट अर्थात 192.31 वर्ग मीटर, टावर-ष्ट, फेज-2, ग्रुप हाउसिंग कॉम्प्लेक्स "Cleo Country", प्लॉट संख्या GH-05, सेक्टर-121, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, प्रारंभ में उक्त संपत्ति श्री राजबंस किशोर सक्सेना द्वारा प्राप्त की गई थी, जिनके पक्ष में आवंटन पत्र (Allotment Letter), बिल्डर-बायर एग्रीमेंट (BBA), कब्जा प्रमाण-पत्र (Possession Certificate) तथा दिनांक 09.07.2019 की सब-लीज़ डीड (Sub-Lease Deed) निष्पादित की गई थी। उक्त सब-लीज़ डीड NOIDA (पट्टादाता/Lessor) एवं IV Country Pvt. Ltd. द्वारा निष्पादित की गई, जो दस्तावेज संख्या 3817, बुक संख्या 1, वॉल्यूम संख्या 7311, पृष्ठ संख्या 81120, दिनांक 12.07.2019, एस.आर.-II, नोएडा में पंजीकृत है, दुर्भाग्यवश, श्रीमती माधुरी सक्सेना, पत्नी श्री आर.के. सक्सेना, का दिनांक 17.01.2016 को निधन हो गया। तत्पश्चात श्री राजबंस किशोर सक्सेना उर्फ आर.के. सक्सेना का भी दिनांक 14.05.2021 को निधन हो गया, इसके पश्चात, उप-जिलाधिकारी (SDM), दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 01.07.2021 को जारी उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र/सर्वाइवरशिप-मेम्बर सर्टिफिकेट (SMC) के अनुसार, स्वर्गीय श्री राजबंस किशोर सक्सेना दिनांक 14.05.2021 को मृत्यु के समय अपने पीछे एकमात्र वैधानिक उत्तराधिकारी, श्रीमती लिपि सक्सेना (पुत्री) को छोड़ गए थे, तत्पश्चात, उक्त संपत्ति के संबंध में नोएडा प्राधिकरण द्वारा दिनांक 30.07.2024 को श्रीमती लिपि सक्सेना, पुत्री स्वर्गीय श्री राजबंस किशोर सक्सेना, के नाम म्यूटेशन पत्र जारी किया गया। वर्तमान में उक्त संपत्ति का शांतिपूर्ण एवं वास्तविक भौतिक कब्जा श्रीमती लिपि सक्सेना के पास है, मेरे द्वारा परीक्षण हेतु प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों तथा मुझे उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर, उपर्युक्त संपत्ति सभी प्रकार के भारों (Encumbrances), ग्रहणाधिकार (Liens), प्रभारों (Charges), बंधक (Mortgages), कुर्की (Attachments), अधिग्रहण (Acquisitions), वाद-विवाद/मुकदमेबाजी (Litigation) तथा किसी भी तृतीय पक्ष के दावों/हितों (Third-Party Claims/Interests) से मुक्त प्रतीत होती है, उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद हेतु वित्तीय सहायता RBL Bank Limited, शाखा- ओखला, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की जानी है। यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा, अधिकार, हित या अन्य कोई शिकायत हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता/सकती है। उक्त आपत्ति अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से तथा ई-मेल द्वारा भेजी जा सकती है, sdsनिर्धारित अवधि के भीतर कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में उपर्युक्त किसी भी दावे/आपत्ति को निरस्त एवं शून्य माना जाएगा तथा उसके पश्चात किसी भी व्यक्ति द्वारा किए गए दावे के संबंध में प्रस्तावित लेन-देन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल= kumarw®wvashwani@gmail.com

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सिराज, पुत्रः** नसरू खान, **निवासीः** गली नं. 8, पिंटू प्रसाद का कार्यालय, गांव अकबरपुर, ब्रह्मपुर, थाना विजय नगर, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **FIR No. 34255/2020, U/s 379 IPC, थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सिराज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सिराज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 34255/2020, U/s 379 IPC, थानाः मंडावली, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सिराज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सचिन
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–03 (पूर्व)
कमरा नं. 16, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/12032/ED/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

समाधान शिविर में एसडीएम व सीटीएम ने सुनी आमजन की समस्याएं, अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश

एजेंसी

कैथल। एसडीएम संजय कुमार व सीटीएम कैप्टन प्रमेश सिंह ने लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय सीमा में उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम संजय कुमार ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। समाधान शिविर में आने वाली बिजली, पानी, गलियों व सड़कों के दुरूस्तीकरण कार्य के अलावा विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए, इसमें कोई भी लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य आमजन को अपनी शिकायतों के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध करवाना है। जिला व उपमंडल स्तर पर सोमवार व वीरवार को सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसमें आमजन अपनी समस्याएं रख सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' मॉड्यूल में ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

झज्जर। जिला झज्जर में आगामी 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत 'सेवा मेरा योगदान' मॉड्यूल के अंतर्गत मंगलवार को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के साथ ही शिक्षण संस्थानों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। डीसी वर्षा खांगवाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस स्वच्छता अभियान के दौरान जिलाभर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए श्रमदान किया और आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। शहरी क्षेत्रों में डीएमसी जगनिवास के निर्देशानुसार झज्जर, बहादुरगढ़ और बेरी के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं। सफाई टीम द्वारा चिन्हित स्थानों एवं कचरा संवेदनशील क्षेत्रों की साफ-सफाई कर कचरे को हटाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सीईओ जिला परिषद मनीष फोगाट के मार्गदर्शन में गांवों में स्वच्छता अभियान चलाया गया। ग्रामीणों ने अभियान में सहभागिता करते हुए सार्वजनिक स्थानों, गलियों एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई में सहयोग किया। इसके साथ ही जिलाभर के शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने परिसरों तथा आसपास के क्षेत्रों की सफाई करते हुए श्रमदान किया।

जिला अम्बाला में उर्वरक विक्रेताओं को पारदर्शी वितरण एवं निर्धारित मूल्य पर बिक्री के निर्देश

अंबाला। डा0 वजीर सिंह, उप कृषि निदेशक, अम्बाला की अध्यक्षता में आज जिले के थोक एवं खुदरा विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई, बैठक में समय पर पारदर्शी ढंग से उर्वरक उपलब्ध करवाने तथा उर्वरक बिक्री से संबधित नियमों की कडाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डा0 वजीर सिंह ने सभी विक्रेताओं को संबोधित करने हुए कहा कि आप अपने विक्रय केन्द्र पर उपलब्ध उर्वरकों के भौतिक स्टॉक का पी0ओ0एस मशीन में दर्शाए गए स्टॉक से नियमित मिलान सुनिश्चित करें। किसी भी किसान को युरिया एवं डी0ए0पी के साथ अन्य कृषि सामग्री खरीदने के लिए बाध्य न किया जाए। किसान सहमति के बिना किसी उत्पाद की टैगिंग या जबरन बिक्री का मामला संज्ञान में पाए जाने पर संबधित विक्रेता के विरुद्ध सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सभी उर्वरक अंकित अधिकतम खुदरा मूल्य पर ही किसानों को विक्रय किए जाएं और किसान को संबधित उर्वरक का बिल जारी किया जाए। डा0 वजीर सिंह ने सभी विक्रेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिला अम्बाला के लिए आबंटित अनुदानित उर्वरक पड़ोसी जिले के किसानों को न बेचे जाए और न ही अन्य राज्यों के किसानों को इनका विक्रय किया जाए।

विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को लेकर स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन है अलर्ट- एसडीएम मनीष कुमार यादव

गुहला-चीका। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने कहा कि राजकीय स्कूलों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। इसका मुख्य मकसद राजकीय स्कूलों में शिक्षा के स्तर को बढ़ाना है। इसके अलावा स्कूलों में उपलब्ध करवाई जा रही सभी मूलभूत सुविधाओं को जांचने के साथ-साथ पाई जाने वाली कमियों को मुख्यालय स्तर पर भेजा जाता है, ताकि जल्द से बच्चों को सुविधाएं उपलब्ध हो। पढ़ाई के दौरान विद्यार्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन अलर्ट है। एसडीएम मनीष कुमार यादव ने गांव लैंडरकिमा के राजकीय स्कूल में निरीक्षण करने के दौरान पाया कि विद्यार्थियों के एचबी टैस्ट करवाने की आवश्यकता है।

नशे के खिलाफ अभियान को राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, जन आंदोलन बनाएं : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

'पंजाब की जनता को नारे नहीं, नशे से मुक्ति, इलाज, रोजगार और सम्मान चाहिए'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब की पहचान पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव जी के 'किरत करो, नाम जपो, वंड छको' के संदेश, सरबंश दानी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी, मेहनतकश किसानों, देश की सीमाओं पर डटे वीर जवानों और दुनिया में अपनी मेहनत का लोहा मनवाने वाले पंजाबी समाज से रही है। ऐसी पावन और गौरवशाली धरती पर नशे के सौदागरों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब को नशा मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया है। मुख्यमंत्री ने पंजाब की जनता को विश्वास दिलाते हुए कहा कि वर्ष 2027 में जनता के आशीर्वाद से

भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी, तो पंजाब में जो नशा फैलाने वाले लोग हैं, वे या तो अपना धंधा छोड़ देंगे या फिर पंजाब छोड़ देंगे, ऐसे लोगों का पंजाब में कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री पंजाब के जलालाबाद में नशा मुक्त यात्रा के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ शुरू की गई इस यात्रा को केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम या रोड शो तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि इसे गांव-गांव तक पहुंचाकर वास्तविक जन आंदोलन बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों का आह्वान किया कि वे नशे से प्रभावित परिवारों से मिलें, नशे की गिरफ्त में फंसे युवाओं को अपनापन दें और उन्हें समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के प्रयास करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता से नशा खत्म करने के नाम पर बड़े-बड़े वादे किए। सत्ता में आने से पहले तीन से छह महीने के भीतर नशा खत्म करने की बात कही गई, लेकिन इसके बाद तारीखों पर तारीखें आती रहीं। पहले 15 अगस्त 2024, फिर 31 दिसंबर 2024 और उसके बाद 1 मार्च 2025 तक नशे के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के दावे किए गए। अब पंजाब की जनता यह सवाल पूछ रही है कि आखिर वह समयसीमा कब पूरी होगी, जिसका वादा चुनाव के समय किया गया था। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े विज्ञापनों और पोस्टरों के माध्यम से नशे के खिलाफ अभियान चलाने का दावा किया गया, लेकिन पंजाब के लोग धरातल पर बदलाव चाहते हैं। पंजाब सरकार ने जनता के कल्याण का पैसा विज्ञापनों पर खर्च करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि पंजाब में नशे के बड़े सौदागर किसकी छत्रछाया में फल–फूल रहे हैं। पुलिस लोगों को दिखाने के लिए छोटी मछलियों को पकड़ती है, लेकिन बड़े मगरमच्छों को हाथ भी नहीं लगाती। ये पंजाब सरकार के हालात है। आम आदमी पार्टी ने बड़े-बड़े विज्ञापन दिए, रंग-बिरंगे पोस्टर लगाकर नशा विरोधी अभियान के नए-नए नाम रखें, लेकिन पंजाब के नौजवानों को नारा नहीं, नशे से मुक्त इलाज, रोजगार व सम्मान चाहिए। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि चंडीगढ़ में उनके निवास से मात्र 500 मीटर की दूरी पर पंजाब के मुख्यमंत्री का निवास है, लेकिन उनके अपने निवास संत कबीर कुटीर पर रोजाना दो से ढाई हजार लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं।

लड़कियों की तीन दिवसीय राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का किया भव्य शुभारंभ -खेल मंत्री

खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने का दिलाया गया संकल्प

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा प्रदेश की बेटियों को खेलों के क्षेत्र में बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 21 से 23 सितंबर तक आयोजित की जा रही तीन दिवसीय 59वीं हरियाणा राज्य स्तरीय विद्यालय क्रीड़ा खो-खो प्रतियोगिता का हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर विभिन्न जिलों से पहुंची बालिका खिलाड़ियों ने उत्साह और खेल भावना के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर से 14, 16 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिका खिलाड़ी भाग ले रही हैं।

पलवल बनेगा खेलों का हब: खेल मंत्री

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा के साथ-साथ पलवल जिला को प्रमुख खेल

केंद्र बनाने की दिशा में भारत सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लगातार प्रयासरत हैं। सरकार द्वारा पलवल में राष्टड्ढ्र स्तरीय, राज्य स्तरीय और जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित करवाकर खिलाड़ियों की खेल प्रतिभा को निखारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और अंतरराष्ट्रीय स्तर की तैयारियों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि भारत आजादी के 100वें वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेल, तकनीक, रक्षा, कृषि, नवाचार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में नई संभावनाएं उभर रही हैं। युवा शक्ति, स्टार्टअप और अनुसंधान भारत की प्रगति के प्रमुख आधार बन रहे हैं। आधुनिक तकनीक से कृषि को अधिक उत्पादक और आत्मनिर्भर बनाने पर जोर है, वहीं स्वदेशी रक्षा उत्पादन देश की सुरक्षा क्षमता को मजबूत कर रहा है। खेलों में प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों की बढ़ती क्षमता भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला रही है।

गौशालाओं के साथ-साथ प्रदेश में चार गौवन विकसित करने की प्रक्रिया जारीः मोहनलाल कौशिक

एजेंसी

चंडीगढ़ः सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन श्री मोहनलाल कौशिक ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार गांवों एवं शहरों को बेसहारा गायों से मुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत गौशालाओं के साथ-साथ प्रदेश में चार गौवन विकसित करने की प्रक्रिया भी जारी है। श्री मोहनलाल कौशिक आज चंडीगढ़ में गौसेवा आयोग के पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने हैफेड, प्राकृतिक खेती तथा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को गौचरान भूमि में से कम से कम 10 एकड़ भूमि गौशालाओं को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि गायों के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था की जा सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों पर घूम रही गायों को गौशालाओं एवं गौवन में सुरक्षित रखने के लिए गौसेवा आयोग, ग्राम पंचायतों तथा शहरी स्थानीय निकायों का सहयोग लिया जा रहा है। प्रदेश की लगभग 707 पंजीकृत गौशालाओं में करीब 40 हजार गायों को रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार शेष बेसहारा गायों को अभियान चलाकर अतिरिक्त गौशालाओं में भेजने का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ के गांव भोजावास में 89 एकड़ भूमि पर गौवन विकसित करने का कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा पलवल के गांव राजपुरा खादर, कैथल के गांव भूना तथा करनाल के गांव सांभली में भी गौवन विकसित करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

गौशालाओं के साथ-साथ प्रदेश में चार गौवन विकसित करने की प्रक्रिया जारीः मोहनलाल कौशिक

चारा अनुदान राशि के लिए 14 अक्टूबर तक पोर्टल खुला, पंजीकृत गौशालाएं करें आवेदन

एजेंसी

चंडीगढ़ः सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन श्री मोहनलाल कौशिक ने कहा कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार गांवों एवं शहरों को बेसहारा गायों से मुक्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इसके तहत गौशालाओं के साथ-साथ प्रदेश में चार गौवन विकसित करने की प्रक्रिया भी जारी है।

श्री मोहनलाल कौशिक आज चंडीगढ़ में गौसेवा आयोग के पदाधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने हैफेड, प्राकृतिक खेती तथा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को गौचरान भूमि में से कम से कम 10 एकड़ भूमि गौशालाओं को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, ताकि गायों के लिए पर्याप्त मात्रा में चारे की व्यवस्था की जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों पर घूम रही गायों को गौशालाओं एवं गौवन में सुरक्षित रखने के लिए गौसेवा आयोग, ग्राम पंचायतों तथा शहरी स्थानीय निकायों का सहयोग लिया जा रहा है। प्रदेश की लगभग 707 पंजीकृत गौशालाओं में करीब 40 हजार गायों को रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार शेष बेसहारा गायों को अभियान चलाकर अतिरिक्त गौशालाओं में भेजने का कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ के गांव भोजावास में 89 एकड़ भूमि पर गौवन विकसित करने का कार्य अंतिम चरण में है। इसके अलावा पलवल के गांव राजपुरा खादर, कैथल के गांव भूना तथा करनाल के गांव सांभली में भी गौवन विकसित करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

सरकारी अस्पताल में जाकर अपनी नियमित कान व सुनने की जांच करवाएं : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की सुनने की समस्या महसूस होने पर तुरंत अपने नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर अपनी नियमित कान व सुनने की जांच करवाएं। राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में प्रदेश सरकार द्वारा इसकी जांच और उपचार की उचित सुविधा उपलब्ध कराई गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और स्वास्थ्य विभाग, हरियाणा की ओर से 21 से 27 सितंबर 2026 तक 'अंतर्राष्ट्रीय बधिरता सप्ताह' मनाया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों के नाम महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परामर्श जारी करते हुए कहा कि इस वर्ष 'बधिर लोगों के मानव अधिकारों की घोषणा' के संदेश के साथ आमजन को सुनने की क्षमता की सुरक्षा और इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया है। आरती सिंह राव ने बताया कि ने सुनने में परेशानी (बधिरता) किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को टीवी या ऑडियो का वॉल्यूम बढ़ाने की आवश्यकता महसूस होती है, बातचीत के दौरान बातें ठीक से सुनाई नहीं देती हैं या बार-बार दोहराने को कहना पड़ता है, अथवा कान में सायँ-सायँ या घंटी बजने जैसी आवाजें (रिंगिंग सेंसेशन) महसूस होती हैं, तो यह सुनने की क्षमता कम होने के लक्षण हो सकते हैं। उन्होंने सुनने की क्षमता में कमी के कारणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कान में चोट लगना, अत्यधिक मैल (वैक्स) जमना, रूबेला या अन्य संक्रमण, वृद्धावस्था, अत्यधिक तेज शोर, और कुछ जहरीली या हानिकारक दवाओं का दुष्प्रभाव बधिरता के मुख्य कारण हो सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने नागरिकों से अपने कानों की देखभाल और बचाव के उपाय अपनाने का आग्रह किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवाकाल में दुनिया में बज रहा है भारत का डंका-मंत्री कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

कैथल। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना रूके, बिना थके 25 वर्षों तक लगातार भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य किया है। आज भारत देश का पूरी दुनिया में डंका बज रहा है। किसान, मजदूर, कर्मचारी, व्यापारी, सैनिक के साथ-साथ सभी वर्गों के हित अनेक योजनाएं चलाकर लाभ प्रदान किया गया है। आगामी 17 अक्टूबर तक संकल्प संकल्प अभियान के तहत प्रदेश में अनेक गतिविधियां चलाई जा रही है और आमजन को जोड़ा जा रहा है।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी गांव ग्योंग के स्टेडियम में आयोजित नमो क्रिकेट लीग में बतौर मुख्यातिथि पहुंचकर खिलाड़ियों व ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वयं भी क्रिकेट के शॉट लगाए और कैथल, पट्टी अफगान,

मालखेड़ी की क्रिकेट टीम के साथ सामूहिक फोटो खिंचवाई और उनके साथ बातचीत की। जिला परिषद के चेयरमैन कर्मबीर कौल, जिला परिषद के सदस्यों द्वारा मंत्री कृष्ण कुमार बेदी का शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया गया। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है। लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब 1 लाख 80 हजार रुपये तक आय वाले परिवारों की महिलाओं को शामिल किया गया है। वहीं प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका यही मकसद है कि जरूरतमंद व्यक्ति को रक्त प्रदान करके उसके बहुमूल्य जीवन को बचाया जा सके। इसी प्रकार नमो क्रिकेट लीग का आयोजन किया गया है, इसका उद्देश्य युवाओं को खेलों के प्रति रूचि को बढ़ाना है और उनका आत्मविश्वास बढ़ाते हुए आत्मनिर्भरता की ओर लेकर जाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना देखा है, इस सपने को हमारे देश के युवा और हम सब मिलकर पूरा करेंगे। देश की अखंडता और समरसता बनाए रखना है। देश में सड़कों का जाल बिछाया गया है, ताकि देश के नागरिक का आवागमन आसान हो। मंत्री ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई कि वे नशे से दूर रहे और खेल को खेल की भावना से खेले। मेहनत करें और अपने देश का नाम रोशन करें।

युवाओं को रोजगार देने के लिए अधिक से अधिक संस्थानों को अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम से जोड़ें अधिकारी- डीसी

डीसी अपराजिता ने की राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना एवं प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट ट्रांसफॉर्मेशन अपग्रेडेड (पीएम-सेतु) योजना की समीक्षा

एजेंसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि जिले में युवाओं को रोजगार व प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए अधिक से अधिक संस्थानों को अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम से जोड़ें। अधिकारी इस दिशा में गंभीरता से काम करें। जिस भी औद्योगिक प्रतिष्ठान या विभाग में नियमानुसार युवाओं के लिए अप्रेंटिसशिप योजना के तहत सीट बनती है, वहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाए। डीसी अपराजिता लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस रूम में राष्ट्रीय जिला कैथल में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना एवं प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट ट्रांसफॉर्मेशन अपग्रेडेड (पीएम-सेतु) योजना की समीक्षा बैठक में आवश्यक निर्देश दे रहीं थीं। उन्होंने विभिन्न विभागों, सरकारी संस्थानों एवं

औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के लिए उपलब्ध अवसरों तथा युवाओं के पंजीकरण की प्रगति बारे रिपोर्ट ली। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों को अप्रेंटिसशिप कार्यक्रम से जोड़ा जाए तथा पात्र युवाओं को उपलब्ध अवसरों का लाभ दिलाया जाए। साथ ही पोर्टल पर प्रतिष्ठानों का पंजीकरण, रिक्तियों का विवरण एवं अप्रेंटिस की नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि अप्रेंटिसशिप के माध्यम से युवाओं को वास्तविक कार्यस्थल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त होता है, जिससे उनकी रोजगार क्षमता बढ़ती है। जिला कैथल में योजना के प्रभावी फ्यिन्वयन के लिए उद्योगों, प्रशिक्षण संस्थानों एवं संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया गया। इसी प्रकार से राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना एवं प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट ट्रांसफॉर्मेशन अपग्रेडेड (पीएम-सेतू) योजना को लेकर डीसी ने आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जिले के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रशिक्षण व्यवस्था, आधुनिक तकनीकी सुविधाओं, आधारभूत ढांचे तथा उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण को सुदृढ़ करने के निर्देश जारी किए। डीसी ने वर्तमान समय में उद्योगों में तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों को ध्यान में रखते हुए ऑटोमेशन, रोबोटिक्स, सीएनसी, इलेक्ट्रिक वाहन, सोलर तकनीक, ड्रोन व अन्य उभरती तकनीक से जोडने् के निर्देश जारी किए। अधिकारियों ने बताया कि जिले में पीएम सेतु योजना के तहत राजकीय आईटीआई कलायत को हब व जिले की चार आईटीआई को स्पॉक आईटीआई बनाया गया है। इस अवसर पर एडीसी डा. सुशील कुमार, आईटीआई प्रिंसिपल सतीश मच्छाल व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जन विरोधी भाजपा सरकार से किसान, युवा समेत हरियाणा का हर वर्ग त्रस्त : कुमारी सैलजा

एजेंसी

टोहाना। टोहाना में विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी भीड़ और जनसैलाब उमड़ा। इस विशाल जनसमर्थन और कार्यकर्ताओं के अभूतपूर्व उत्साह को देखकर मंच पर उपस्थित सभी वरिष्ठ नेता गदगद नजर आए। इस सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय व प्रांतीय नेतृत्व सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने शिरकत की और आगामी राजनैतिक रणनीतियों तथा जनहित के मुद्दों पर एकजुटता का संदेश दिया। सम्मेलन में मुख्य रूप से कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र, सिरसा लोकसभा सांसद कुमारी सैलजा, वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेंद्र सिंह, पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह, टोहाना के विधायक परमवीर ड्क्ससह, पूर्व विधायक निशान सिंह, अरविंद्र शर्मा, प्रधान अत्तर सिंह सैनी, पूर्व मंत्री राजेश चौधरीवाल, कृष्णा पूनिया, लाल बहादुर खोवाल समेत कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। कार्यकर्ता अधिवेशन को संबोधित करते हुए सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य कुमारी सैलजा ने कहा कि ये सम्मेलन केवल पार्टी संगठन की मजबूती का माध्यम ही नहीं हैं, बल्कि यह वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों और तानाशाही रवैये के खिलाफ प्रदेश की जनता के आक्रोश को एक सशक्त मंच देने का अभियान है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से आज हरियाणा का हर वर्ग दुखी है। नायब सैनी सरकार किसान-मजदूर, गरीब, युवाओं समेत हर वर्ग को प्रताड़ित कर रही है। हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार पर अन्नदाताओं के साथ क्रूर मजाक करने और उन्हें निजी व्यापारियों के हाथों लुटवाने का षड्यंत्र रच रही है।

ऊर्जा लागत, वित्तीय सख्ती से दूसरी छमाही में धीमी होगी भारत की वृद्धि- डीबीएस

नई दिल्ली ।

डीबीएस बैंक की एक अर्थशास्त्री ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर धीमी पड़ सकती है। उन्होंने सख्त वित्तीय स्थितियों, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और प्रतिकूल आधार प्रभाव को इसके मुख्य कारण बताया। उनके अनुसार बढ़ते महंगाई दबाव के चलते मौद्रिक नीति का केंद्रीय ध्यान मूल्य स्थिरता पर बना रहेगा। राव ने अपने वृहद आर्थिक आकलन में बताया कि मजबूत घरेलू मांग, उपभोग और सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के दम पर वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक दर से वृद्धि दर्ज की। हालांकि, डीबीएस का अनुमान है कि पूरे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए औसत आर्थिक वृद्धि 7.3 फीसदी रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष के 7.8 फीसदी के संशोधित आंकड़े से कम है। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी संग्रह, ई-वे बिल और डिजिटल भुगतान जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतक फिलहाल मजबूत बने हुए हैं, जो घरेलू गतिविधियों की निरंतरता का संकेत देते हैं। बावजूद इसके, साल के उत्तरार्ध में उल्लिखित कारक वृद्धि की गति पर अंकुश लगा सकते हैं।

एयर इंडिया 2027 की दूसरी छमाही में पेश करेगी नया डिजिटल मंच

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया अपनी उड़ानों में यात्रियों के लिए एक अत्याधुनिक डिजिटल मंच पेश करने जा रही है। यह पहल यात्रियों के उड़ान अनुभव को नया आयाम देगी। यह नया इन-फ्लाइट एंटरटेनमेंट (आईएफई) मंच यात्रियों के लिए मनोरंजन, लॉयल्टी कार्यक्रम, वाणिज्यिक गतिविधियों और यात्रा सेवाओं को एक साथ एकीकृत करेगा। इसका दोहरा उद्देश्य यात्रियों के डिजिटल अनुभव को बेहतर बनाना और एयरलाइन के अतिरिक्त राजस्व को बढ़ाना है। एयर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी के अनुसार, एयरलाइन द्वारा विकसित इस मंच को 2027 की दूसरी छमाही से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसकी शुरुआत अगले साल मिलने वाले नए बड़े आकार के विमानों से होगी। यह मंच वाणिज्य से जुड़ी कई तरह की गतिविधियों को भी सुगम बनाएगा।

मुंबई में 711 करोड़ का रिकॉर्डतोड़ आवासीय सौदा

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने मुंबई में एक लग्जरी आवासीय टावर को एंजल वन लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) दिनेश ठक्कर को 711 करोड़ रुपये में बेचने पर सहमति जताई है। यह देश के सबसे बड़े आवासीय सौदों में से एक है, जो एकल आवासीय इकाई के रूप में अब तक का सबसे बड़ा लेनदेन है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसने मुंबई के पॉश जुहू तारा रोड पर स्थित अपनी अत्यधिक लग्जरी परियोजना एंबेसी टेराजा में एक पूरे आवासीय टावर की बिक्री के लिए दिनेश ठक्कर के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह सात मंजिला टावर जुहू के सबसे प्रतिष्ठित आवासीय इलाकों में से एक में स्थित है। इसका कुल रेरा कारपेट एरिया 63,000 वर्ग फुट है। एंबेसी टेराजा दो एकड़ में फैली एक विशाल परियोजना है, जिसमें कुल पांच टावर शामिल हैं। कंपनी को इस परियोजना से कुल 3,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। यह सौदा मुंबई के लग्जरी रियल एस्टेट बाजार की मजबूती को दर्शाता है।

ओरिएंट केबल्स का 552 करोड़ का आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली ।

नेटवर्किंग केबल और पैसिव नेटवर्किंग उपकरण बनाने वाली कंपनी ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड ने 552 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपने आईपीओ का मूल्य दायरा 258 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बताया कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 25 सितंबर को बोली के लिए खुलेगा और 29 सितंबर को बंद होगा। इस आईपीओ के तहत 320 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तकों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 232 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की जा रही है।कंपनी नए शेयरों की बिक्री से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल विस्तार योजनाओं, कर्ज चुकाने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 330 , निफ्टी 85 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हआ। सप्ताह के दूसरे ही करोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 329.91 अंक की गिरावट के साथ 74,529.08 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 85.33 अंक टूटकर 23,329.00 के स्तर पर बंद हुआ। इंडेक्स में आई इस सुस्ती से बाजार में थोड़ी सतर्कता देखी जा रही है।

आज सेक्टोरल परफॉर्मेंस पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को उठाना पड़ा। निफ्टी आईटी इंडेक्स गिरावट के साथ 28,582.10 के लेवल पर बंद हुआ। इसके साथ ही उपभोक्ता उत्पादों में भी बिकवाली हावी रही और निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स गिरकर 45,657.90 पर आ गया। बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर्स की बात करें तो निफ्टी पीएसयू बैंक में और निफ्टी प्राइवेट बैंक में गिरावट आई। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज भी गिरावट पर बंद हुआ।ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर्स में भी गिरावट रही। निफ्टी ऑटो इंडेक्स फिसलकर 27,085.45 पर बंद हुआ। वहीं हेल्थकेयर और दवा कंपनियों के प्रदर्शन को दर्शाने वाला निफ्टी फार्मा इंडेक्स गिरावट के साथ 26,910.40 के लेवल पर आ गया। इन प्रमुख सेक्टर्स में सुस्ती के कारण पूरे बाजार की रिकवरी पर ब्रेक लगा रहा और प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में आने में विफल रहे।बाजार की इस चौतरफा गिरावट के बीच ही कुछ सेक्टर्स ऐसे भी रहे जहां निवेशकों ने खरीदारी में उत्साह दिखाया। सबसे अच्छी बढ़त मीडिया सेक्टर में देखने को मिली। निफ्टी मीडिया इंडेक्स 1,574.95 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा रियल एस्टेट सेक्टर में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई, जिससे निफ्टी रियल्टी इंडेक्स बढ़कर 861.40 के लेवल पर क्लोज हुआ। मेटल सेक्टर में भी हल्की मजबूती रही और निफ्टी मेटल 0.15न्न की मामूली बढ़त लेकर 12,992.50 पर बंद हुआ। इन सेक्टर्स में आई तेजी ने बाजार की गिरावट को कुछ हद तक सीमित करने में मदद की।

पिछले कुछ दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट आई है। इससे भी बाजार की गिरावट पर अंकुश लगा है।वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूत शुरुआत की। सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 101.79 अंक की वृद्धि के साथ 74,960.78 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ 23,451.75 के स्तर पर पहुंच गया।

दिल्ली में पहली बार वैश्विक चावल संग्रह, 200 किस्में होंगी प्रदर्शित

भारत मंडपम में अक्टूबर में होगा आयोजन

नई दिल्ली ।

भारत अगले महीने अपनी तरह के पहले भारत अंतर्राष्ट्रीय चावल सम्मेलन (बीआईआरसी) की मेजबानी करेगा, जहां दुनिया भर से व्यावसायिक महत्व वाली चावल की लगभग 200 किस्मों का एक अनूठा वैश्विक संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 23 से 25 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला यह आयोजन अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को एक ही स्थान पर विभिन्न किस्मों की तुलना करने और संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करने का अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा। इस वैश्विक चावल संग्रह में इटली के आर्बोरियो, थाईलैंड के जैस्मीन व जापान के सुशी चावल से लेकर भारत के बासमती, सुगंधित पारंपरिक अनाज, काले तथा लाल चावल और क्षेत्रीय विशिष्ट किस्में शामिल होंगी। इस प्रदर्शनी का लक्ष्य चावल को सिर्फ एक व्यापारिक जिंस के बजाय, भूगोल, जैव विविधता और खान-पान की परंपराओं से जुड़े एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करना है। भारत की पेशकशों में पूसा बासमती सहित विभिन्न बासमती किस्में और पीआर-11, सोना मसूरी जैसी गैर-बासमती किस्में शामिल होंगी। केरल से नवारा, तमिलनाडु से सीरागा सांबा, मणिपुर से चाक-हाओ काला चावल और महाराष्ट्र से आंबेमोहर जैसी क्षेत्रीय तथा पारंपरिक किस्में भी विशेष आकर्षण होंगी। भारतीय चावल निर्यातक महासंघ (आईआरईएफ) के देव गर्ग ने बताया कि यह संग्रह वैश्विक खरीदारों को नए उत्पादों की खोज का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगा।

बैंकिंग प्रणाली में नकदी अधिशेष 6 लाख करोड़ के करीब

ओएमओ और जीएसटी भुगतान ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बैंकिंग प्रणाली से अतिरिक्त तरलता (लिक्विडिटी) खींचने के उपाय अब रंग लाते दिख रहे हैं। बॉन्ड बिक्री के खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान के कारण, बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे मौद्रिक नीति का परिचालन लक्ष्य मानी जाने वाली ओवरनाइट वेटेज एवरेज कॉल रेट (डब्ल्यूएसीआर) नीतिगत रीपो दर के करीब पहुंच गई है। बाजार प्रतिभागियों के अनुसार बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध नकदी अधिशेष सितंबर की शुरुआत में 11.16 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर से घटकर अब लगभग 6 लाख करोड़ रुपये रह गया है। इसके परिणामस्वरूप, वेटेज एवरेज कॉल रेट आज 5.24 फीसदी पर बंद हुई, जो शुक्रवार को 4.92 फीसदी थी और अब नीतिगत रीपो दर के लगभग बराबर आ गई है। आरबीआई द्वारा ओएमओ के तहत बॉन्ड बिक्री की पहली नीलामी शुक्रवार को हुई थी, जबकि इसके बाद हुई दूसरी नीलामी में 25,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि के मुकाबले 84,942 करोड़ रुपये की मजबूत बोलियां मिलीं, जिससे बाजार में नकदी सोखने में मदद मिली। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए कुल 1 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ बिक्री की घोषणा की है, जिसका मुख्य उद्देश्य डॉलर-रुपया स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) जमा से प्राप्त बड़े निवेश प्रवाह से बनी दीर्घकालिक नकदी अधिशेष को वापस लेना है।

त्योहारी सीजन से पहले अरहर दाल 150 के पार, सरकार कसेगी नकेल

कमजोर मॉनसून, मंडियों में कम आपूर्ति और स्टॉक बढ़ने से कीमतों में तेजी

नई दिल्ली।

त्योहारी सीजन से ठीक पहले उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। अरहर दाल (तुअर दाल) के दाम आसमान छू रहे हैं, जो खुदरा बाजार में 150 रुपये प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गए हैं। पिछले एक महीने में इसकी कीमतों में करीब 14 फीसदी का उछाल आया है। मंडियों में कमजोर आपूर्ति, दाल मिलर्स की मजबूत मांग और कमजोर मानसून के साथ-साथ कारोबारियों द्वारा स्टॉक बढ़ाने को इस तेजी का मुख्य कारण माना जा रहा है। सरकार अब दालों की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए जल्द ही सख्त कदम उठा सकती है। देश में अरहर दाल का औसत मंडी भाव फिलहाल 11,394 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है, जबकि खुदरा बाजार में यह 130 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तक बिक रही है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले एक महीने में अरहर की कीमत में लगभग 14 फीसदी और तीन महीने में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस बढ़ोतरी के पीछे मानसून का कमजोर रहना, त्योहारों से पहले मिलों की ओर से बढ़ी हुई खरीद और स्टॉकिस्टों द्वारा ऊंचे भाव की उम्मीद में माल रोकना प्रमुख कारण हैं। कारोबारियों का अनुमान है कि त्योहारी सीजन के दौरान तुअर दाल के दाम

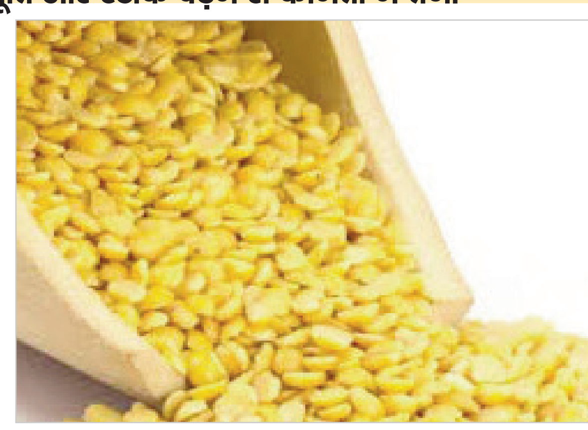

15,000 रुपये प्रति क्विंटल के पार जा सकते हैं। इस स्थिति को देखते हुए सरकार दाल की कीमतों पर लगाम लगाने और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की तैयारी में है। संभावित उपायों में स्टॉक लिमिट तय करना या आयात शुल्क में बदलाव शामिल हो सकते हैं, ताकि घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाई जा सके और उपभोक्ताओं को राहत मिल सके।

गूगल पर 46.3 करोड़ डॉलर का जुर्माना

उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल का आरोप

डबलिन ।

यूरोपीय संघ ने गूगल पर उपयोगकर्ताओं के लोकेशन डेटा के गलत इस्तेमाल के आरोप में 46.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। आयरलैंड के डेटा संरक्षण आयोग (डीपीसी) ने यह घोषणा की, जिसमें बताया गया कि गूगल ने डेटा गोपनीयता नियमों का उल्लंघन किया है। यह जुर्माना व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण में कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में कंपनी की विफलता के लिए लगाया गया है। डीपीसी की जांच में सामने आया कि गूगल ने उपयोगकर्ताओं की ब्राउजिंग और सर्च हिस्ट्री की निगरानी करने वाली वेब एंड ऐप एक्टिविटी सेटिंग और मोबाइल फोन के जरिए उनके जाने वाले स्थानों की निगरानी करने वाली लोकेशन हिस्ट्री सेवा में लोकेशन डेटा का कानूनी या निष्पक्ष तरीके से प्रसंस्करण नहीं किया। इसके अलावा, नियामकों ने यह भी पाया कि एंड्रॉइड मोबाइल ऑपरेटिंग सिस्टम में लोकेशन एक्यूरेसी फीचर के तहत व्यक्तिगत डेटा को संसाधित करते समय कंपनी कानूनी, निष्पक्ष और पारदर्शी रहने में विफल रही।

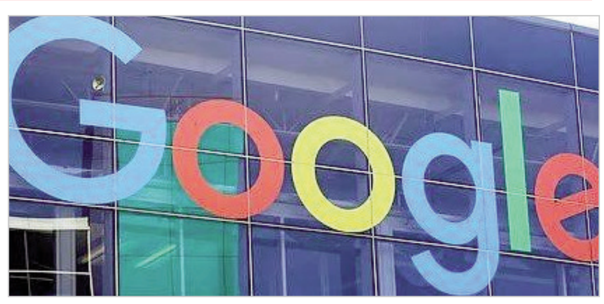

चूंकि गूगल का यूरोपीय मुख्यालय डबलिन में है, आयरलैंड यूरोपीय संघ में अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी का मुख्य नियामक है।

गूगल ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह मामला पुरानी नीतियों से जुड़ा है, जिन्हें अब अपडेट किया जा चुका है। कंपनी ने 2019 के बाद से अपनी कार्यप्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार और लोकेशन डेटा को प्रबंधित करने के लिए मजबूत उपकरण पेश करने का दावा किया है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.58 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे की बढ़त के साथ 95.65 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट क्रूड के ऊंचे स्तरों से नीचे आने और तत्काल आपूर्ति की चिंताएं कम होने से रुपये की शुरुआत सकारात्मक रही। सऊदी अरब द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए निर्यात बढ़ाने और क्षतिग्रस्त ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के आंशिक रूप से बहाल होने की उम्मीदों से बाजार को सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 95.75 पर खुला और फिर 95.65 के स्तर तक पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 13 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को 18 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.78 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.35 पर था।

नथिंग का सीएमएफ अब भारतीय! कार्ल पेई का देसी टेक पर बड़ा दांव

कंपनी का वैश्विक मुख्यालय भारत में, 2015 की गलतियों से सीखकर नया अध्याय लिखने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

चर्चित टेक ब्रांड नथिंग के फाउंडर और सीईओ कार्ल पेई ने एक ऐतिहासिक ऐलान किया है। उनका लोकप्रिय सब-ब्रांड सीएमएफ अब नथिंग से पूरी तरह अलग होकर एक स्वतंत्र, पूर्णकालिक भारतीय कंपनी बनने जा रहा है। सितंबर 2023 में बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन, स्मार्टवॉच और ऑडियो प्रोडक्ट्स के साथ लॉन्च हुए सीएमएफ को भारत की दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के समीकरण बदलने की एक सोची-समझी रणनीति के तहत यह नई पहचान मिलेगी। कार्ल पेई के इस कदम का सीधा मतलब भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन की अपार संभावनाओं को भुनाना है। नई कंपनी में मेजॉरिटी ओनरशिप भारतीयों के पास होगी, इसका ग्लोबल हेडक्वार्टर भारत में होगा और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसकी कोर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) टीम भी भारतीय इंजीनियरों से सजी होगी। पेई ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) पोस्ट में कहा कि भारत इस वक्त ठीक उसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है, जहां कभी जापान, दक्षिण कोरिया और चीन खड़े थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय कंपनियों के दम पर वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार पर राज किया। उन्होंने जोर देकर कहा, अब भारत की बारी है। पेई ने भारत की मौजूदा ताकत (दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन निर्माता, सबसे बड़ी युवा आबादी, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग टैलेंट) को स्वीकार करते हुए, 2015 के डार्क चैप्टर की याद दिलाई।

प्याज ने फिर रुलाया- एक साल में दोगुनी हुई कीमतें, रसोई का बिगड़ा बजट

खुदरा कीमतें 54.23 प्रति किलो के पार, दिल्ली से चेन्नई तक बढ़ा बोझ

नई दिल्ली ।

देशभर में प्याज की कीमतें एक बार फिर आम आदमी को रुला रही हैं। पिछले एक साल की तुलना में इसकी खुदरा कीमतें दोगुनी से अधिक हो गई हैं, जिससे रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उपभोक्ता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 21 सितंबर को प्याज का औसत खुदरा भाव 54.23 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया, जो महज एक महीने पहले 40.79 रुपए था।

थोक बाजार में भी प्याज के भाव आसमान छू रहे हैं, जहां 21 सितंबर को औसत थोक कीमत 4,615.98 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 135 फीसदी अधिक है।

इसका असर विभिन्न शहरों में साफ दिख रहा है। दिल्ली में प्याज 53 रुपए, मुंबई में 58 रुपए और चेन्नई में 60 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है, जबकि एक साल पहले ये कीमतें लगभग आधी थीं। इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं।

महाराष्ट्र में मार्च में हुई बेमौसम बारिश से गर्मियों की प्याज की फसल को बड़ा नुकसान पहुंचा था।

इसके अलावा, केंद्रीय एजेंसियों के पास रखे स्टॉक का एक हिस्सा भी खराब हो गया, जिससे बाजार में आपूर्ति प्रभावित हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी भारतीय प्याज की मांग कमजोर बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद घरेलू कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल कीमतों में बहुत बड़ी तेजी की संभावना नहीं है। पिछले एक हफ्ते से भाव लगभग स्थिर हैं।

बाजार से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, बीज कंपनियों की खरीद पूरी होने के बाद प्याज के भाव में 5 से 10 रुपए प्रति किलो तक की गिरावट आ सकती है। लंबी अवधि में, रबी फसल के स्टॉक की खपत और खरीफ फसल की आवक के बीच अगस्त से जनवरी तक उपलब्धता और मांग का अंतर कीमतों पर दबाव डाल सकता है।

स्मॉलकैप में म्युचुअल फंड का दबदबा, 64 फीसदी शेयरों में बढ़ाया दांव!

टेनेको क्लीन एयर और केफिन टेक्नोलॉजीज शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

अगस्त 2026 में म्युचुअल फंडों ने निफ्टी स्मॉलकैप 100 के अधिकांश शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की सितंबर 2026 की फंड फोलियो रिपोर्ट के मुताबिक, म्युचुअल फंड निफ्टी स्मॉलकैप 100 में शामिल 64 प्रतिशत शेयरों में खरीदार रहे, जो बाजार में उनके बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। सबसे ज्यादा खरीदारी टेनेको क्लीन एयर इंडिया और केफिन टेक्नोलॉजीज में देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि टेनेको क्लीन एयर इंडिया में फंडों की होल्डिंग सबसे ज्यादा 129.5 प्रतिशत बढ़कर 5.82 करोड़ शेयर हो गई, जिसका मूल्य अगस्त के अंत तक लगभग 80.8 अरब रुपये था। इसके बाद केफिन टेक्नोलॉजीज में म्युचुअल फंड की हिस्सेदारी 41 प्रतिशत बढ़कर 4.51 करोड़ शेयर हो गई। अर्बन कंपनी में 29.2 प्रतिशत, हिंदुस्तान कॉपर में 28.7 प्रतिशत और एस्टर डीएम क्वालिटी में 27.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, कुछ शेयरों में फंडों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई भी है। हिमाद्री स्पेशियलिटी केमिकल में होल्डिंग 56.8 प्रतिशत कम होकर करीब 26 लाख शेयर रह गई, जबकि जीएमडीसी में यह 46.7 प्रतिशत घटी। आईआईएफएल फाइनेंस, एमआरपीएल और सारदा एनर्जी में भी फंडों ने अपनी होल्डिंग कम की। कुल निवेश मूल्य के हिसाब से, खरीदे गए शेयरों में एस्टर डीएम क्वालिटी सबसे आगे रहा, जिसमें फंडों की होल्डिंग का मूल्य करीब 129.3 अरब रुपये रहा।

जियो और टी-मोबाइल ने लॉन्च की दुनिया की पहली 5जी एसए रोमिंग सेवा

भारत और अमेरिका के यात्रियों को मिलेगा निर्बाध 5जी स्टैंडअलोन नेटवर्क का अनुभव

मुंबई ।

रिलायंस जियो और अमेरिकी दूरसंचार कंपनी टी-मोबाइल ने एक ऐतिहासिक साझेदारी की घोषणा की है। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियों के ग्राहक एक-दूसरे के नेटवर्क पर दुनिया की पहली 5जी स्टैंडअलोन (एसए) रोमिंग सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

सिनिवर्स के तकनीकी सहयोग से शुरू हुई यह सुविधा भारत और अमेरिका के बीच यात्रा करने वाले उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिना किसी रुकावट के सिर्फ 5जी नेटवर्क का अनुभव प्रदान करेगी।

दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में बताया कि यह सेवा इसलिए विशेष है क्योंकि रोमिंग के दौरान ग्राहकों को केवल 5जी स्टैंडअलोन सिग्नल ही मिलेंगे, जिससे डेटा स्पीड और कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व सुधार होगा।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को सिनिवर्स के तकनीकी मंच ने संभव बनाया है, जिसने दोनों नेटवर्क को सुरक्षित रूप से एकीकृत किया।

टी-मोबाइल के मुख्य नेटवर्क अधिकारी ने बताया कि यह साझेदारी उनके 2020 में शुरू हुए 5जी एसए प्रयासों का विस्तार है, जो अब वैश्विक स्तर पर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। जियो के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क प्रमुख मार्क यारकोस्की ने इस पहल को नई पीढ़ी की क्षमताओं की नींव बताया, जिसमें उपभोक्ताओं और उद्यमों के लिए विशिष्ट सेवाओं के साथ कृत्रिम मेधा आधारित सेवाएं भी शामिल होंगी।

उनका मानना है कि 5जी एसए का भविष्य निर्बाध अंतर-संचालनीयता में निहित है, जो नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा।

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़ः चेतावनी सुने

ललित गर्ग

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता।

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए।

भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरूआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दशार्ता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। उसने हमें बताया है कि जलवायु परिवर्तन और भूगर्भीय अस्थिरता मिलकर ऐसी आपदाओं को जन्म दे सकती हैं जिनके सामने पारंपरिक आपदा-प्रबंधन की क्षमता भी सीमित पड़ सकती है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि 26 अगस्त की घटना में जलवायु परिवर्तन को अकेला कारण नहीं माना जा सकता, भूगर्भीय संरचना और पूर्व की भूकंपीय गतिविधियां भी महत्वपूर्ण थीं। लेकिन लंबे समय का तापमान बढ़ना, बर्फ का क्षरण और पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना जोखिम को बढ़ाने वाले कारक बने।

अब जरूरत भय पैदा करने की नहीं, भविष्य के खतरे को स्वीकार कर विवेकपूर्ण निर्णय लेने की है। हिमालय को जितना समझेंगे, उतना ही सुरक्षित रख सकेंगे। विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने के बजाय ऐसा विकास मॉडल बनाना होगा जिसमें पहाड़ की प्रकृति, उसकी वहन-क्षमता और स्थानीय समुदायों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। नेपाल की त्रासदी हमारे लिए एक कठोर चेतावनी है-प्रकृति को चुनौती देकर बनाया गया विकास लंबे समय तक विकास नहीं रह सकता। अब हिमालय में हर सड़क, हर सुरंग, हर बांध, हर पर्यटन परियोजना और हर निर्माण से पहले यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि इससे पहाड़ पर कितना दबाव पड़ेगा और किसी चरम प्राकृतिक घटना की स्थिति में इसकी कीमत कौन चुकाएगा। समय रहते निगरानी, वैज्ञानिक आकलन, सीमित एवं सुरक्षित निर्माण और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में कदम उठाए गए तो अनेक जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन यदि चेतावनियों को नजरअंदाज किया गया, तो आने वाली त्रासदियां केवल प्राकृतिक आपदाएं नहीं होंगी-वे हमारी विकास-दृष्टि की विफलता का परिणाम भी मानी जाएंगी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एसआईआर की विसंगतियां

देश में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला ठंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोटर रिकॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है। जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया । इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते।

हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय-समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं। ऐसे मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल को उनकी अपीलों पर फैसला लेने में बारह साल से अधिक का समय लग सकता है। इससे पूरे देश के लिये यह सीख मिलती है कि हर योग्य वोटर को, अब चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या आम नागरिक- वोटर लिस्ट में बने रहने का उचित अवसर मिलना चाहिए। इस पूरी कवायद की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये एक पारदर्शी और समीक्षा योग्य प्रक्रिया की जरूरत है।

साइबर अपराध का बढ़ता जाल और हमारी छोटी सी लापरवाही

कांतिलाल मांडोत

डिजिटल सुविधा ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसी सुविधा के साथ साइबर अपराध का खतरा भी तेजी से बढ़ा है। मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, इंटरनेट खरीदारी और ऑनलाइन निवेश ने लेन-देन को सरल किया है तो दूसरी ओर साइबर अपराधियों को भी दूर बैठे लोगों तक पहुंचने का रास्ता दिया है। संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 30 अगस्त 2019 से 28 नवंबर 2024 तक 53.93 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुईं और इनसे करीब 31,594 करोड़ रुपए की ठगी की राशि जुड़ी थी। वित्तीय साइबर अपराध इन शिकायतों का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा थे।

शिकायतों की बढ़ती संख्या बताती है कि खतरा कितना बड़ा है। लेकिन शिकायत, प्राथमिकी और वास्तविक अपराध के आंकड़ों को एक ही मानना उचित नहीं होगा। साइबर अपराध में कई शिकायतें जांच के अलग-अलग चरणों से गुजरती हैं और प्राथमिकी दर्ज होने की प्रक्रिया अपराध की प्रकृति तथा उपलब्ध साक्ष्यों पर निर्भर करती है। फिर भी शिकायतों की विशाल संख्या यह स्पष्ट करती है कि नागरिकों को जागरूक करने और पुलिस की साइबर जांच क्षमता बढ़ाने की जरूरत लगातार बढ़ रही है।

साइबर ठगी का सबसे बड़ा हथियार तकनीक से ज्यादा इंसान का भरोसा और जल्दबाजी है। अपराधी कभी बैंक कर्मचारी बनकर, कभी पुलिस अधिकारी बनकर, कभी निवेश सलाहकार बनकर और कभी नौकरी या किसी सरकारी योजना के नाम पर संपर्क करते हैं। वे पहले विश्वास पैदा करते हैं और उसके बाद व्यक्ति से ऐसी जानकारी या भुगतान हासिल करने की कोशिश करते हैं जिससे उसके खाते से पैसा निकाला जा सके। निवेश के नाम पर होने वाली ठगी इसका बड़ा उदाहरण है। कोटा में सामने आए कॉल सेंटर मामले में पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से निवेशकों को बढ़ता हुआ मुनाफा दिखाया और उनसे अधिक रकम लगाने के लिए प्रेरित किया। ऐसे मामलों में फर्जी लाभ दिखाकर भरोसा पैदा किया जाता है और जब पीड़ित बड़ी रकम लगा देता है तो संपर्क समाप्त कर दिया जाता है।

यहां ग्राहक की सावधानी बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर निवेश करना, संदिग्ध वेबसाइट पर भरोसा करना, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा करना या किसी संदेश में दिए लिंक को बिना जांचे खोलना गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है। सरकार और बैंक समय-समय पर चेतावनियां जारी करते हैं, लेकिन केवल चेतावनी जारी कर देना पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी उन चेतावनियों को गंभीरता से पढ़ना और व्यवहार में उतारना होगा। किसी भी व्यक्ति को अपना पासवर्ड, पिन, एक बार इस्तेमाल होने वाला सत्यापन कोड या बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई आवेदन डाउनलोड नहीं करना चाहिए। निवेश से संबंधित प्रस्ताव मिलने पर संबंधित संस्था की आधिकारिक वेबसाइट से उसकी पुष्टि करनी चाहिए। बहुत कम समय में बहुत अधिक मुनाफे का दावा अपने आप में सावधानी बरतने का संकेत है। सरकारी साइबर सुरक्षा सलाह में भी संदिग्ध निवेश प्रस्तावों, फर्जी वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से आने वाले निवेश संदेशों से सावधान रहने को कहा गया है। साइबर अपराध को रोकने की जिम्मेदारी केवल नागरिकों की नहीं है। सरकार, पुलिस, बैंक, दूरसंचार कंपनियों और डिजिटल भुगतान संस्थाओं को भी अपनी-अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभानी होगी। साइबर अपराध में समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। ठगी के तुरंत बाद सूचना मिलने पर संबंधित वित्तीय संस्थाओं तक जानकारी पहुंचाकर रकम को रोकने की संभावना बढ़ सकती है। भारत सरकार का राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करने की सुविधा देता है और वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के लिए 1930 हेल्पलाइन उपलब्ध है। पोर्टल पर शिकायत करते समय घटना की सही और पूरी जानकारी तथा उपलब्ध साक्ष्य देना महत्वपूर्ण बताया गया है।

यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय ठगी हो जाए तो उसे शर्म या डर के कारण चुप नहीं बैठना चाहिए। तुरंत 1930 पर सूचना देनी चाहिए और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत करनी चाहिए। बैंक या संबंधित भुगतान संस्था को भी तत्काल सूचित करना चाहिए। लेन-देन का विवरण, संदेश, मोबाइल नंबर, वेबसाइट का पता, भुगतान की रसीद और अन्य उपलब्ध प्रमाण सुरक्षित रखने चाहिए। आधिकारिक व्यवस्था के अनुसार शिकायत के बाद उसे आगे दर्ज और ट्रैक भी किया जा सकता है।

सरकार की जवाबदेही का दूसरा महत्वपूर्ण हिस्सा पुलिस की क्षमता बढ़ाना है। साइबर अपराध की जांच सामान्य अपराधों से अलग तकनीकी विशेषज्ञता मांगती है। पुलिस बल के शुरूआती प्रशिक्षण में साइबर सुरक्षा को पर्याप्त महत्व मिलना चाहिए। राज्यों की साइबर इकाइयों को प्रशिक्षित अधिकारी, आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है। अलग-अलग राज्यों में बैठे अपराधियों के नेटवर्क को पकड़ने के लिए पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तेज सूचना आदान-प्रदान भी आवश्यक है। साइबर अपराध की शिकायतों पर समयबद्ध कार्रवाई और प्राथमिकी के संबंध में स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। शिकायतकर्ता को यह पता होना चाहिए कि उसकी शिकायत किस अधिकारी के पास है और उसकी स्थिति क्या है। राष्ट्रीय पोर्टल पर शिकायत की स्थिति देखने की सुविधा उपलब्ध है तथा उचित प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर संबंधित राज्य या केंद्रशासित प्रदेश के नोडल अधिकारी से संपर्क की व्यवस्था भी है। साइबर अपराधियों के नेटवर्क को तोड़ने के लिए केवल एक-दो आरोपियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं है। जिस व्यक्ति ने फोन किया, जिस खाते में पैसा गया, जिसने फर्जी वेबसाइट बनाई और जिसने लोगों का आंकड़ा उपलब्ध कराया, इन सभी कड़ियों की जांच जरूरी है। इसी से अपराध की पूरी श्रृंखला सामने आएगी।

अंततः साइबर सुरक्षा सरकार और जनता की साझा जिम्मेदारी है। सरकार को मजबूत शिकायत व्यवस्था, प्रशिक्षित पुलिस, त्वरित वित्तीय कार्रवाई और लगातार जनजागरूकता सुनिश्चित करनी होगी। नागरिकों को भी यह समझना होगा कि मोबाइल पर आया हर संदेश सच नहीं होता और फोन करने वाला हर व्यक्ति वही नहीं होता जिसका वह परिचय देता है।

डिजिटल दुनिया में सबसे मजबूत सुरक्षा सावधानी है। लालच में जल्दबाजी नहीं, डर में कोई भुगतान नहीं, अनजान व्यक्ति को गोपनीय जानकारी नहीं और संदिग्ध लिंक पर बिना जांचे भरोसा नहीं। यदि ठगी हो भी जाए तो चुप्पी नहीं, तत्काल शिकायत जरूरी है। समय पर की गई सूचना कभी-कभी रकम बचाने के साथ-साथ पूरे साइबर गिरोह तक पुलिस को पहुंचाने में मदद कर सकती है। यही जागरूकता साइबर अपराध के बढ़ते जाल को कमजोर करने का सबसे व्यावहारिक रास्ता है।

बारह बजे के वादे से शाम की सड़क तक

कुमार कृष्णन

जमुई से सामने आया एक वीडियो बिहार में सार्वजनिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर कई असहज सवाल छोड़ गया है। वीडियो में एक नाबालिग लड़की और एक नाबालिग लड़के को कुछ लोग घेरते दिखाई देते हैं। लड़की उन्हें छोड़ देने की गुहार लगाती नजर आती है। लड़का अपने और लड़की के बारे में सफाई देता दिखाई देता है। वीडियो के दूसरे हिस्से में दोनों को रोकने, लड़के के साथ मारपीट करने और लड़की के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किए जाने के दृश्य दिखाई देते हैं। वीडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें दिखाई देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारी का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया से ही होगा।

पुलिस के अनुसार घटना 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे जमुई में हुई। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों नाबालिगों तक पहुंचकर उनके बयान दर्ज किए और प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस की ओर से तीन गिरफ्तारियों की जानकारी दी गई है। सोमवार को बिहार के एडीजी कानून-व्यवस्था के.एस. अनुपम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों नाबालिग हैं और उनमें दो की उम्र 17 से 18 वर्ष के बीच बताई गई है। उनके अनुसार जमुई थाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 128, 74 और 75 तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया गया है, जिसकी निगरानी जमुई के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कर रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई के साथ एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आया है। घटना का वीडियो जिस तरह सामाजिक माध्यमों पर फैला, उसके बाद पुलिस ने वीडियो प्रसारित करने वाले खातों पर भी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने कई फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स खातों को हटाने के लिए चिह्नित किए जाने की जानकारी दी है। नाबालिगों से संबंधित वीडियो को बार-बार साझा करना उनकी निजता और गरिमा के लिए दूसरी क्षति बन सकता है। जिस सामग्री ने पुलिस को घटना तक पहुंचने में मदद की, वही सामग्री अगर बिना रोक-टोक प्रसारित होती रहे तो वह न्याय का साधन नहीं, बल्कि नाबालिगों के लिए नई परेशानी बन सकती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि पुलिस के अनुसार घटना के तुरंत बाद दोनों नाबालिगों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत नहीं की गई थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने उसमें दिखाई दे रहे वाहन के पंजीकरण नंबर सहित उपलब्ध सुरागों के आधार पर दोनों तक पहुंच बनाई। इससे व्यवस्था के सामने एक बुनियादी सवाल खड़ा होता है–क्या किसी नाबालिग को सुरक्षा और न्याय की प्रक्रिया तक पहुंचने के लिए घटना का वीडियो सार्वजनिक होना जरूरी है?

यहीं से मामला केवल एक घटना का नहीं रह जाता। यह उस सामाजिक और प्रशासनिक व्यवस्था का सवाल बन जाता है जिसमें किसी सड़क पर कुछ लोग किसी लड़के और लड़की को रोकते हैं, उनसे सवाल करते हैं और उनके निजी संबंधों पर फैसला सुनाने की कोशिश करते हैं। किसी व्यक्ति के व्यवहार पर किसी को आपत्ति हो सकती है। किसी को कोई आशंका भी हो सकती है। लेकिन आपत्ति या आशंका किसी नागरिक को स्वयं कानून लागू करने का अधिकार नहीं देती। किसी शिकायत या संदेह की स्थिति में पुलिस और कानूनी प्रक्रिया का रास्ता मौजूद है। सड़क पर किसी को घेरना, रोकना, धमकाना या बलपूर्वक व्यवहार करना अपने आप में अलग कानूनी प्रश्न खड़े कर सकता है। उन प्रश्नों का उत्तर उपलब्ध साक्ष्यों और कानून के आधार पर जांच में ही दिया जा सकता है। किसी वीडियो के आधार पर तत्काल सामाजिक फैसला सुनाना भी न्याय नहीं है। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब भीड़ अपने अनुमान को तथ्य, अपनी नाराजगी को न्याय और अपनी सामाजिक मान्यता को कानून मानने लगती है। लोकतंत्र में कानून की जगह भीड़ का विवेक लेने लगे तो सबसे पहले नागरिक की स्वतंत्रता और गरिमा कमजोर होती है। आज किसी लड़की और लड़के को देखकर भीड़ फैसला सुनाएगी, कल किसी और नागरिक को किसी दूसरे कारण से घेरा जा सकता है। ह्यसंस्कृतिह्न के नाम पर निजी जिंदगी की निगरानी भी इसी मानसिकता का हिस्सा बन सकती है। समाज की अपनी मान्यताएं हो सकती हैं, लेकिन किसी लड़की या लड़के के चरित्र, संबंध या निजी जीवन का फैसला सड़क पर खड़ी भीड़ नहीं कर सकती। सामाजिक मान्यता का हवाला कानून से ऊपर नहीं हो सकता।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में दर्दनाक हादसा: फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान दो भारतीय छात्रों की मौत, शव भारत भेजने में जुटा दूतावास

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। भारतीय मिशन ने ये जानकारी दी। मृतकों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम के रूप में हुई है। वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दोनों छात्रों की मौत पर रविवार को शोक व्यक्त किया। दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'वैंकूवर स्थित भारत का महावाणिज्य दूतावास तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार और पुडुचेरी के श्रीसरण तिरुग्नानसंबंथम की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त करता है। दोनों भारतीय छात्रों की कनाडा में उड़ान प्रशिक्षण के दौरान हुए एक दुखद विमान हादसे में मौत हो गई। उसने कहा, 'इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं परिवारों और उनके प्रियजनों के साथ हैं। हम शवों को भारत ले जाने के लिए उनके परिवारों को वाणिज्य दूतावास संबंधी हरसंभव सहायता देने के लिए तैयार हैं।

तनाव भगाने के लिए घंटों मेडिटेशन नहीं: 30 सेकंड के ये छोटे अभ्यास देंगे दिमाग को सुकून, जानिए

लंदन, एजेंसी। तनाव और मानसिक थकान कम करने के लिए हमेशा लंबा मेडिटेशन या घंटों की एक्सरसाइज जरूरी नहीं है। कुछ छोटे-छोटे अभ्यास 20 से 30 सेकंड में भी किए जा सकते हैं। इन्हें माइक्रोप्रैक्टिस कहा जा रहा है। विशेषज्ञों और हालिया शोधों के मुताबिक ऐसे छोटे ब्रेक तनाव कम करने, ध्यान केंद्रित करने और मन को शांत करने में मदद कर सकते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे कई अभ्यासों और उनके वैज्ञानिक आधार को बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि हर व्यक्ति के लिए इन अभ्यासों का असर अलग हो सकता है। इन्हें तनाव कम करने के छोटे उपाय के रूप में देखा जाना चाहिए, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का इलाज नहीं। हंसी योग में किसी चुटकुले की जरूरत नहीं होती। शुरु में यह कृत्रिम लग सकती है, लेकिन कुछ देर बाद वास्तविक हंसी में बदल सकती है। नीदरलैंड्स की शोधकर्ता नताली वान डर वाल के मेटा-एनालिसिस में हंसी को अवसाद के लक्षणों में कमी से जोड़ा गया। धीमी और गहरी सांसें पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम को सक्रिय करने में मदद करती हैं। इटली की यूनिवर्सिटी ऑफ नेपल्स फेडेरिको-2 के शोधकर्ता अमित कुमार के अनुसार, सिर्फ तीन धीमी गहरी सांसें भी तनाव के बीच शरीर और दिमाग को शांत करने में मदद कर सकती हैं। आराम से बैठकर तीन धीमी सांस लें। हर सांस करीब 10 सेकंड की रखें और सांस छोड़ने का समय थोड़ा लंबा रखें। ध्यान सिर्फ सांस के आने-जाने पर रखें। कुछ क्षण अपने प्रति सकारात्मक विचार रखें। लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल के सामने बैठे रहने से गर्दन, कंधों और पीठ पर तनाव बढ़ सकता है। दोनों हाथ पीठ के पीछे जोड़ें। सांस लेते हुए हाथ नीचे की ओर खींचें और छाती को हल्का ऊपर उठाएं। दो-तीन धीमी सांसों तक इसी मुद्रा में रहें।

हैती के राष्ट्रपति की हत्या मामले में बड़ा एक्शन: 18 संदिग्ध अमेरिका प्रत्यर्पित; क्या है पूरा मामला?

पोर्ट-औ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के राष्ट्रपति जोवेनेल मोइस की जुलाई 2021 में हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार 18 संदिग्धों को अब अमेरिका प्रत्यर्पित किया जा रहा है। रविवार को ये सभी हैती में अमेरिका भेजे जाने का इंतजार कर रहे थे। अमेरिका के दक्षिणी फ्लोरिडा के अटॉर्नी जेसन रेडिंग क्विनोन्स के मुताबिक, इन संदिग्धों पर अब फ्लोरिडा में मुकदमा चलेगा। यह मामला इसलिए भी अहम है क्योंकि मोइस की हत्या के पांच साल बाद भी अमेरिकी एजेंसियां इस साजिश से जुड़े लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने सभी 18 आरोपियों की पहचान नहीं बताई है। हालांकि, हैती में मुकदमे का इंतजार कर रहे आरोपियों में एक दर्जन से ज्यादा कोलंबियाई सैनिक, हैती पुलिस का एक पूर्व अधिकारी और हैती के न्याय मंत्रालय की भ्रष्टाचार रोधी इकाई में काम कर चुका एक पूर्व कर्मचारी शामिल है। इन लोगों के परिजनों ने इससे पहले हैती की न्यायिक प्रक्रिया में बार-बार हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद जांच और न्यायिक प्रक्रिया गैंग हिंसा, जान से मारने की धमकियों और कमजोर होती न्याय व्यवस्था से प्रभावित हुई। कई हैती के न्यायाधीशों ने अपनी जान को खतरा बताते हुए मामले से खुद को अलग कर लिया। गैंगों ने पोर्ट-ओ-प्रिंस के उस अदालत परिसर पर भी कब्जा कर लिया था, जहां न्यायाधीश आरोपियों से पूछताछ कर रहे थे।

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान पर की एयरस्ट्राइक: हवाई हमले में तीन की मौत, तालिबान ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के उत्तर-पूर्वी कुनार प्रांत को निशाना बनाकर किए गए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी टोलो न्यूज ने सोमवार को एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से दी गई है। माना जा रहा है कि यह सैन्य हमला उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में एक पुलिस स्टेशन परिसर में हुए आत्मघाती बम धमाके के जवाब में किया गया है। इससे यह आशंका बढ़ गई है कि पड़ोसी देशों के बीच तनाव एक बार फिर खुली लड़ाई में बदल सकता है।

क्या है पूरा मामला : दरअसल, फरवरी में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच कई वर्षों में सबसे गंभीर सैन्य टकराव हुआ। यह ताजा तनाव उस चेतावनी के कुछ दिनों बाद बढ़ा है जिसमें तालिबान ने कहा था कि वह किसी भी पाकिस्तानी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ अफगान क्षेत्र की रक्षा करेगा।

तालिबान ने क्या चेतावनी दी थी: पाकिस्तान के संभावित हमलों से पहले, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने इस्लामाबाद को चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि वह अफगानिस्तान के अंदर हमले न करे। उन्होंने कहा कि अगर अफगानिस्तान की जमीन पर हमला हुआ, तो काबुल सैन्य जवाब देगा।

मुजाहिद ने किन आरोपों को खारिज किया अल अरबिया इंग्लिश को दिए एक इंटरव्यू में, मुजाहिद ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि अफगानिस्तान में मौजूद चरमपंथी गुट पाकिस्तान के खिलाफ हमले करने के लिए लोगों की भर्ती करते हैं। उन्हें ट्रेनिंग देते हैं और हमले शुरू करते हैं।

मुजाहिद ने क्या कहा : मुजाहिद ने कहा, 'अगर पाकिस्तान अफगानिस्तान की जमीन की पवित्रता का उल्लंघन करने के लिए आर्टिकल 51 का इस्तेमाल करता है, तो अफगानिस्तान को अपने देश की रक्षा करने का अधिकार है, और हम ऐसा करेंगे।' उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान के अंदर कोई भी पाकिस्तानी सैन्य अभियान अफगान संप्रभुता का उल्लंघन होगा और काबुल की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हो सकती है।

टीटीपी पर क्या बोले मुजाहिद : इसके साथ ही मुजाहिद ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तालिबान प्रशासन 'तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान' (टीटीपी) को अफगान धरती से काम करने की इजाजत नहीं देता है।

उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि तालिबान सरकार दूसरे देशों पर हमले करने वाले हथियारबंद समूहों का समर्थन करती है। इसके बजाय, मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी आंतरिक सुरक्षा समस्याओं पर गौर करना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि टीटीपी और बलूच हथियारबंद समूहों से जुड़ी हिंसा 2021 में तालिबान के सत्ता में लौटने से पहले से ही मौजूद थी। पाकिस्तान ने बार-बार आरोप लगाया है कि चरमपंथी समूह अफगानिस्तान से काम कर रहे हैं और उसने काबुल पर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव डाला है। तालिबान ने लगातार इस बात से इनकार किया है कि उसने अफगान क्षेत्र का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ हमलों के लिए होने दिया है।

अफगानिस्तान बातचीत के लिए तैयार है : सैन्य जवाबी कार्रवाई की चेतावनी के बावजूद, मुजाहिद ने कहा कि काबुल अभी भी इस्लामाबाद के साथ बातचीत करने को तैयार है। उन्होंने दोनों देशों की सीमा पर सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए बेहतर इंटेलिजेंस-शेयरिंग व्यवस्था और ज्यादा आपसी सहयोग की बात कही। मुजाहिद ने सऊदी अरब की संभावित मध्यस्थता भूमिका का भी समर्थन किया। उन्होंने कहा कि रियाद के अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों के साथ अच्छे संबंध हैं। वह दोनों पक्षों के मतभेदों को सुलझाने में मदद कर सकता है। साझा सीमा पर चरमपंथी गतिविधियों के कारण काबुल और इस्लामाबाद के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं।

अगर गलती की तो होंगे दर्दनाक नतीजे': ईरान की दो टूक, गालिबाफ बोले- शर्तें माने यूएस वरना होर्मुज नहीं खुलेगा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। इस बीच ईरान ने कहा है कि जब तक अमेरिका तेहरान की शर्तें नहीं मानता, तब तक न तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोला जाएगा और न ही उसके साथ बातचीत पर विचार किया जाएगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने यह बात कही है।

अल जजीरा के अनुसार, गालिबाफ ने दो टूक शब्दों में कहा कि ईरान ने मध्यस्थों के जरिए अमेरिका तक अपनी मांगें और शर्तें स्पष्ट रूप से पहुंचा दी हैं। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान की शर्तें पूरी नहीं होतीं, ईरानी लोगों के जरूरी अधिकारों को मान्यता नहीं मिलती और अमेरिका अपनी प्रतिबद्धताएं पूरी नहीं करता, तब तक बातचीत के पुराने ढांचे में लौटने या होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की कोई संभावना नहीं है।

होर्मुज क्यों बना तनाव का प्रमुख केंद्र : अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य तनाव का प्रमुख केंद्र बन गया है। यह समुद्री मार्ग दुनिया में ऊर्जा की आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यहां समुद्री यातायात पर लगाए गए प्रतिबंधों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार और तेल आपूर्ति में आगे और बाधा आने की चिंता बढ़ गई है। क्या अमेरिकी ठिकानों पर फिर हमलों की तैयारी में ईरान? गालिबाफ के बयान के बाद ईरान की केंद्रीय सैन्य कमान ने भी अमेरिका को चेतावनी दी है। ईरान के खतम अल-अंबिया केंद्रीय मुख्यालय ने सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के हवाले से कहा कि अगर अमेरिका ने तेहरान के खिलाफ दोबारा सैन्य कार्रवाई की तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और उसके हितों को निशाना बनाया जाएगा। सैन्य कमान ने कहा, 'अगर अमेरिका इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ कोई गलती करता है, तो क्षेत्र में उसके सभी ठिकानों और हितों को बिना किसी सीमा या विचार के लगातार, प्रभावी और दर्दनाक हमलों का निशाना बनाया जाएगा।' ईरानी सैन्य कमान ने क्षेत्र के उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अमेरिका की किसी सैन्य कार्रवाई में उसका साथ देंगे। ईरान ने कहा कि ऐसे देशों को कार्रवाई में भागीदार माना जाएगा और ईरानी सेना की ओर से उनके खिलाफ किसी संयम की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा है कि उसकी सेनाओं ने ईरान पर लगाए गए नौसैनिक नाकाबंदी को लागू करने की कोशिशों के तहत 109 वाणिज्यिक जहाजों का मार्ग बदला है। अमेरिकी सेना ने 14 जुलाई को ईरान के बंदरगाहों से आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर नौसैनिक नाकाबंदी लागू करने की कार्रवाई फिर शुरू की थी।

ट्रंप के 'विजय द्वार' में बनेगा सैन्य अड्डा: ड्रोन-स्नाइपर से गोला-बारूद तक का इंतजाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन में अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास प्रस्तावित आर्च (मेहराब) को लेकर एक नई योजना सामने रखी है। ट्रंप के मुताबिक, करीब 250 फीट यानी 76 मीटर ऊंचा यह आर्च सिर्फ एक स्मारक नहीं होगा, बल्कि इसे सैन्य परिसर के तौर पर भी इस्तेमाल किया जाएगा। यहां बड़ी संख्या में ड्रोन रखने और जरूरत पड़ने पर उन्हें तेजी से इस्तेमाल करने की व्यवस्था होगी। इसके अलावा आर्च की छत और प्लाजा क्षेत्र में स्नाइपर तैनात किए जा सकेंगे। यहां बड़ी मात्रा में स्नाइपर का गोला-बारूद भी रखा जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सेना के जोर देने पर उन्होंने आर्च को एक उच्च स्तर के सैन्य परिसर और विजय द्वार के रूप में विकसित करने की मंजूरी दी है। ट्रंप ने इस फैसले के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया, लेकिन यह नहीं बताया कि आर्च पर ड्रोन और स्नाइपर जैसी सैन्य व्यवस्था की जरूरत किस खास खतरे को देखते हुए महसूस हुई। अमेरिकी रक्षा विभाग के एक अधिकारी ने रॉयटर्स से कहा कि ट्रंप की पोस्ट के अलावा विभाग के पास इस बारे में फिलहाल कुछ और कहने को नहीं है।

प्रस्तावित आर्च अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री के पास एक ट्रैफिक सर्कल में बनाया जाना है। यह फोर्ट मायेर से करीब एक मील और पेंटागन से लगभग दो मील यानी 3.2 किलोमीटर दूर है। ट्रंप इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के मौके पर बनाना चाहते हैं। इसी योजना के तहत वॉशिंगटन को बदलने की ट्रंप की व्यापक कोशिशों की भी चर्चा हो रही है। इनमें जॉन एफ. कैनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स के नाम में अपना नाम जोड़ने की कोशिश भी शामिल है।

सेवानिवृत्त मरीन कर्नल और रक्षा विशेषज्ञ मार्क कैनसियन ने आर्च को सैन्य परिसर में बदलने की जरूरत पर सवाल उठाया है। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि यह कदम आर्च के निर्माण का समर्थन मजबूत करने के लिए जोड़ा गया लगता है।

किम के नए मिसाइल दागने से बढ़ा तनाव: अलर्ट हुए अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया, विदेश मंत्रालय ने क्या बताया?

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के वरिष्ठ राजनयिकों ने सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत की। तीनों देशों की बातचीत उत्तर कोरिया की ओर से हाल ही में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च किए जाने के बाद हुई है। यह जानकारी दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने दी है। दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, रविवार को प्योंगयांग ने ईस्ट सी की तरफ दो कम दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह इस साल देश का 14वां बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च था और पिछले आठ दिनों में पहला।

मंत्रालय ने क्या बताया : मंत्रालय के अनुसार, कोरियाई प्रायद्वीप नीति के महानिदेशक बेक योंग-जिन ने अमेरिकी विदेश विभाग में पूर्वोत्तर एशिया के लिए डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी डेविड विलेजोल और जापान के विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ताकाशी अरियोशी से बातचीत की।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'तीनों अधिकारियों ने जरूरी जानकारी साझा की और भविष्य में की जाने वाली कार्रवाई पर चर्चा की।' बयान में आगे कहा गया, 'जब भी उत्तर कोरिया बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च करता है, तो तीनों देशों के विदेश मामलों के अधिकारी जानकारी और आकलन को तुरंत साझा करने के लिए एक चैनल का इस्तेमाल करते हैं।'

शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को किए गए ये लॉन्च अमेरिकी नौसेना के 7वें बेड़े के नेतृत्व में बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास 'पैसिफिक वैनगार्ड' और अन्य क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों के जवाब में किए गए प्रतीत होते हैं। इस कदम को एक बाहरी संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है कि प्योंगयांग अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की कोशिशें जारी रखेगा। यह सब मंगलवार से शुरू हो रहे यूएन जनरल असेंबली के सत्र और गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक से पहले हो रहा है।

उत्तर कोरिया ने मिसाइलों लॉन्च की जानकारी दी : ट्रंप की ओर से उत्तर कोरिया के प्रति नरमी दिखाने के बावजूद उत्तर कोरिया ने अपने मिसाइल परीक्षण जारी रखे हैं। ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा भी जताई है। इस बीच, सोमवार सुबह तक उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने देश के हालिया मिसाइल लॉन्च पर कोई जानकारी नहीं दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने रविवार को ईस्ट सी की ओर कुछ घंटों के अंतराल पर दागी गईं।

चीन को साधने की कोशिश में अमेरिका: कृषि-ऊर्जा उत्पादों पर लगा सकता है कम टैरिफ, एआई को लेकर बनी क्या सहमति?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने चीन के साथ बातचीत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी घटनाओं के लिए नई सूचना व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रविवार को कहा कि इस व्यवस्था के तहत एआई से जुड़ी ऐसी घटनाओं की जानकारी साझा की जा सकेगी, जिनसे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। यह प्रस्ताव इस सप्ताह व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली बातचीत से पहले हुई चर्चा का हिस्सा है। न्यूयॉर्क में चीन के उपप्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ बातचीत के बाद बेसेंट ने कहा कि अमेरिका साझा लक्ष्यों और साझा खतरों को लेकर एक समान दृष्टिकोण चाहता है।

एआई शक्तियों के बीच हो पारदर्शिता : स्कॉट बेसेंट स्कॉट बेसेंट ने कहा कि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच पारदर्शिता बढ़ाना जरूरी है। बेसेंट ने कहा, 'हमारा मानना है कि किसी भी सीमा पार गतिविधि की तरह, दुनिया की नंबर एक और नंबर दो एआई शक्तियों के बीच अपारदर्शिता से अधिक पारदर्शिता की ओर बढ़ना बहुत महत्वपूर्ण है।' ट्रंप एआई विकास धीमा करने के सुझावों का विरोध कर चुके हैं। उनका कहना है कि ऐसा करने से चीन को अमेरिकी कंपनियों की बराबरी करने का मौका मिल सकता है।

अमेरिका-चीन में व्यापार वार्ता को लेकर बनी सहमति रविवार देर रात जेपी मॉर्गन चेज के मुख्यालय की लॉबी में बेसेंट और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि इस सप्ताह ट्रंप और शी के बीच होने वाली बातचीत के लिए आधार तैयार हो चुका है। दोनों नेताओं की बैठक आगामी गुरुवार को होने वाली है।बेसेंट और ग्रीर ने बताया कि दोनों देश एक नई 'व्यापार परिषद' को अमल में लाने पर सहमत हुए हैं। इस व्यवस्था पर ट्रंप और शी ने मई में बीजिंग में मुलाकात के दौरान चर्चा की थी। ग्रीर ने कहा, 'आज वे विचार वास्तविकता बन गए हैं। '

ग्रीर ने कहा कि दोनों देश अभी भी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि किन 'गैर-संवेदनशील' वस्तुओं को कम शुल्क की श्रेणी में रखा जा सकता है। संभावित सूची में उपभोक्ता वस्तुएं, कृषि उत्पाद, ऊर्जा उत्पाद और चिकित्सा उपकरण शामिल हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच हुई ताजा चर्चा ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन एआई, व्यापार और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर अपने संबंधों को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

कनाडा का यूरोप की ओर बढ़ा कदम: मैक्रों ने ईयू का सहयोगी सदस्य बनाने का किया समर्थन, कार्नी से की मुलाकात

टोरंटो, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कनाडा के यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बनने के प्रस्ताव का समर्थन किया। साथ ही, उन्होंने और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अंतरिक्ष, रक्षा, ऊर्जा और व्यापार के क्षेत्रों में रणनीतिक संबंध और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाए।

दोनों नेताओं की मुलाकात कहां हुई : रविवार को नेताओं की मुलाकात सेंट-पियरे-ए-मिकेलॉन में हुई। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित फ्रांस का एक इलाका है, जहां फ्रांस और कनाडा के बीच की दूरी बस कुछ ही किलोमीटर है। अमेरिका के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच कनाडा का यूरोप की ओर तेजी से झुकाव हो रहा है। इसके साथ ही यह जगह इस बदलाव के लिए एक बहुत ही दिलचस्प पृष्ठभूमि है।

मैक्रों ने क्या कहा : कार्नी के साथ खड़े होकर मैक्रों ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'हम यूरोपियन यूनियन के साथ करीबी रिश्ते बनाने के उस एजेंडे के बहुत ज्यादा पक्ष में हैं। चाहे वह यूनियन के सहयोगी सदस्य के तौर पर हो,या फिर यूरोपियन समुदाय के पूर्ण सदस्य के तौर पर।' वहीं, कार्नी ने फ्रेंच भाषा में कहा, 'कनाडा और फ्रांस के बीच सबसे नजदीकी बिंदु पर सिर्फ कुछ किलोमीटर की दूरी है। हमारे मूल्य और भी ज्यादा करीब हैं।'

किन क्षेत्रों में सहयोग देने की हुई बात: कार्नी ने कहा कि देश अपनी स्पेस एजेंसियों और रक्षा मंत्रालयों को लॉन्च सिस्टम और जमीन पर आधारित रिसेप्शन सुविधाओं जैसे इंफ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने और साझा करने का काम सौंपेंगे। वे ऊर्जा, टेलीकम्युनिकेशन, जलवायु के प्रति लचीलेपन और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए। मैक्रों का यह समर्थन यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की ओर से कनाडा को ईयू का पहला एसोसिएट सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखने के कुछ दिनों बाद आया है।

कनाडा यूरोप के साथ संबंध मजबूत क्यों कर रहा : कार्नी ने इस संभावना का स्वागत किया और तर्क दिया कि यूरोप के साथ गहरे संबंध कनाडा को और अधिक विकल्प देंगे।उसे किसी एक देश की ओर आर्थिक दबाव के प्रति कम संवेदनशील बनाएंगे। ट्रंप के टैरिफ, आर्थिक रियायतों की मांग और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बार-बार की बातों ने यूरोप की ओर इस झुकाव को तेज कर दिया है। ट्रंप ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक नक्शा भी पोस्ट किया था जिसमें कनाडा और सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन सहित पूरे उत्तरी अमेरिका पर अमेरिकी झंडा दिखाया गया था। मैक्रों ने रविवार को सेंट-पियरे-एट-मिकेलॉन हवाई अड्डे पर कार्नी का स्वागत किया। यह न्यूफाउंडलैंड के तट के पास स्थित लगभग 5,800 लोगों की आबादी वाला फ्रांसीसी क्षेत्र है। मैक्रों ने कहा, 'कनाडा महत्वपूर्ण खनिजों और रेयर अर्थ के महत्वपूर्ण संसाधनों वाला देश है।

ट्रैफिक रोका, फिर चला दी गोली: ऑस्टिन में आईसीई एजेंट ने शख्स को किया घायल; सड़क पर उतरे प्रदर्शनकारी

ऑस्टिन, एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास की राजधानी ऑस्टिन में रविवार दोपहर एक आईसीई एजेंट ने एक व्यक्ति को गोली मार दी। घटना शहर के उत्तरी हिस्से में हुई। ऑस्टिन पुलिस प्रमुख लिसा डेविस ने बताया कि गोली व्यक्ति के धड़ में लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत गंभीर, लेकिन स्थिर है। पुलिस के मुताबिक घटना एक ट्रैफिक स्टॉप के बाद हुई। ऑस्टिन पुलिस का कोई अधिकारी इस कार्रवाई या गोलीबारी में शामिल नहीं था।

घटना के बाद मौके पर जुटी भीड़ : गोलीबारी की खबर के बाद घटनास्थल पर करीब 100 प्रदर्शनकारी पहुंच गए। वहां बड़ी संख्या में कानून प्रवर्तन अधिकारी भी तैनात थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने दंगा नियंत्रण ढाल लिए पुलिसकर्मियों पर नाराजगी जताई। कुछ लोग वहां से गुजर रही गाड़ियों की ओर चिल्ला रहे थे। कई वाहन चालकों ने हॉर्न बजाकर प्रदर्शन का समर्थन किया। एक व्यक्ति के हाथ में पोस्टर था, जिस पर एक तरफ और दूसरी तरफ 'आईसीई नाजी' लिखा था।

मेयर बोले- जांच में स्थानीय पुलिस भी हो : ऑस्टिन के मेयर किर्क वॉटसन ने मामले की जांच में शहर की पुलिस को शामिल करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे जांच में स्पष्ट और तीसरे पक्ष की नजर बनी रहेगी। मेयर ने कहा कि इस मामले की जांच अकेले आईसीई के हाथ में देना उचित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन के लोगों को अपने शहर में सुरक्षित महसूस करने का अधिकार है। उनके मुताबिक सही तरीके से हुई जांच मामले की विश्वसनीयता बढ़ाएगी।

गोली लगने वाला व्यक्ति कौन है : परिवार की ओर से पैरवी कर रहीं इमिग्रेशन अटॉर्नी केट लिंकन गोल्डफिंच ने घायल व्यक्ति की पहचान 28 वर्षीय वेनेजुएला निवासी विल्बर राफेल गार्सेस पेरेज के रूप में की है। वकील ने पहले कहा था कि उन्हें लगता है कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और उसके खिलाफ अमेरिका से निष्कासन का कोई अंतिम आदेश नहीं है। हालांकि बाद में उन्होंने एपी को बताया कि उन्हें उसकी मौजूदा इमिग्रेशन स्थिति की जानकारी नहीं है। परिवार को अस्पताल से नहीं मिली जानकारी वकील के मुताबिक, परिवार को अस्पताल से उसकी स्थिति या वह कहां है, इसकी जानकारी हासिल करने में परेशानी हुई। रात करीब सात बजे घायल व्यक्ति की पत्नी को अस्पताल के वकील ने बताया कि उसे कुछ घंटे पहले ही आईसीई की हिरासत में सौंप दिया गया था। हालांकि यह साफ नहीं है कि वह आईसीई की हिरासत में अस्पताल में ही था या उसे कहीं और ले जाया गया। स्थानीय मीडिया के मुताबिक घटनास्थल पर एक गहरे नीले रंग की टोयोटा कोरोला खड़ी थी। कार के यात्री पक्ष के दरवाजे पर नुकसान के निशान थे। वहां गोलियों के निशान जैसे निशान भी दिखाई दिए।

आईसीई ने जांच को लेकर नहीं दी जानकारी : अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग, जिसके अधीन आईसीई काम करता है, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल नहीं हुआ। विभाग ने घटना के बारे में जानकारी मांगने पर तत्काल कोई जवाब भी नहीं दिया।

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार:** डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार:** लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

रेसिपी

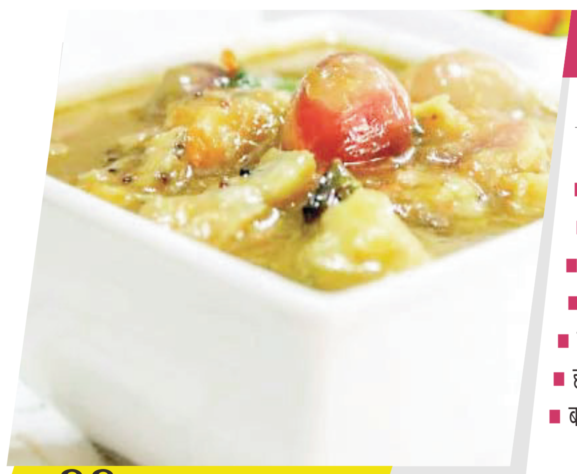

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- अरहर दाल: 1 कप
- लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार
- सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर
- करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

विधि

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाढ़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

आलू कुल्चा

सामग्री

- मैदा: 2 कप
- चीनी: 1 चम्मच
- बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच
- गाढ़ा दही: 1/4 कप
- तेल: 2 चम्मच
- गुनगुना पानी: गूंदने के लिए

भरावन के लिए

- उबले आलू: 2
- कटी मिर्च: 1
- कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच
- गरम मसाला: 1/4 चम्मच
- अदरक: 1 चम्मच
- अमचूर: 1/4 चम्मच
- अजवाइन: 1/4 चम्मच
- नमक: स्वादानुसार
- काले तिल: 2 चम्मच
- हरा धनिया चम्मच
- बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच
- बटर- 2 चम्मच

विधि

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंग। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2595

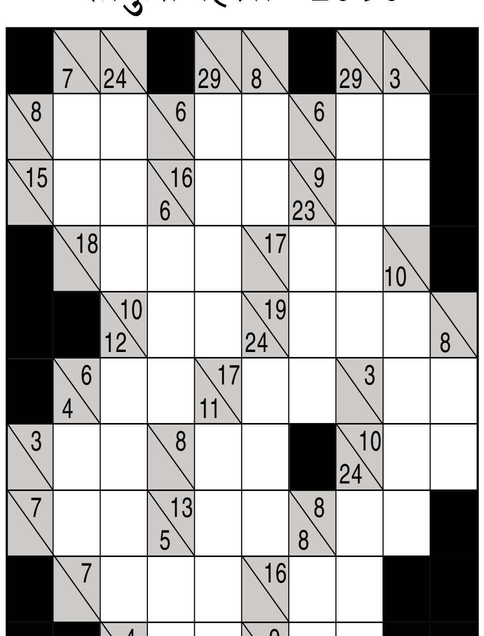

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

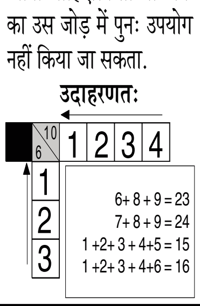

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2594 का हल

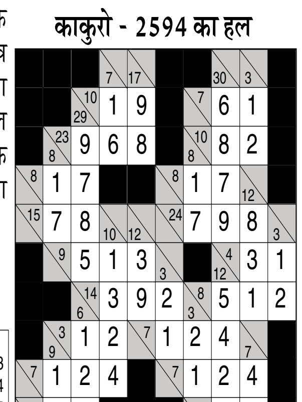

लॉफिंग ज़ोन

एक महिला ने बैंक जाकर नई चेक बुक मांगी. क्लर्क ने कहा कि आप पहले ही तीन चेकबुक ले चुकी हैं, क्या वे खत्म हो गई?

महिला - नहीं, वे तो कहीं गुम हो गईं.

क्लर्क - आपको चेकबुक हिफाजत से रखनी चाहिए, वरना कोई आपके हस्ताक्षर करके पैसा निकाल सकता है.

महिला - नहीं, मैं इतनी मूर्ख नहीं हूं. मैने पहले ही सारे चेकों पर अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं.

☺ ☺ ☺

गंजा व्यक्ति - 'मेरे सिर पर तो बाल बहुत कम है. मुझसे तो तुम्हें कम पैसे लेने चाहिए.'

नाई - 'जनाब! मै आपसे बाल काटने के पैसे थोड़े ही लेता हूं, बाल ढूंढने के पैसे लेता हूं.'

☺ ☺ ☺

ज्योतिषी- आपके भाग्य का सितारा ऊंचाई पर है. जल्द ही आपके घर में बड़ी दौलत आने वाली है. आपने लॉटरी का टिकट लिया है या सट्टा लगाया है.

ग्राहक (सोचते हुए) - ज्योतिषी जी! वैसे तो मैने न ही लॉटरी का टिकट लिया है और न ही सट्टा लगाया है. हां मैने पांच दिन पूर्व ही अपना पांच लाख का बीमा जरूर करवाया है.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2595

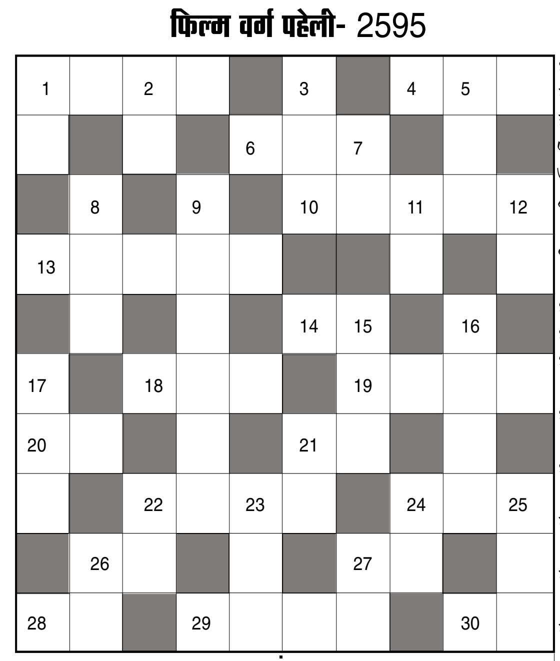

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2594

सूडोकु -2595

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2594 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 2595

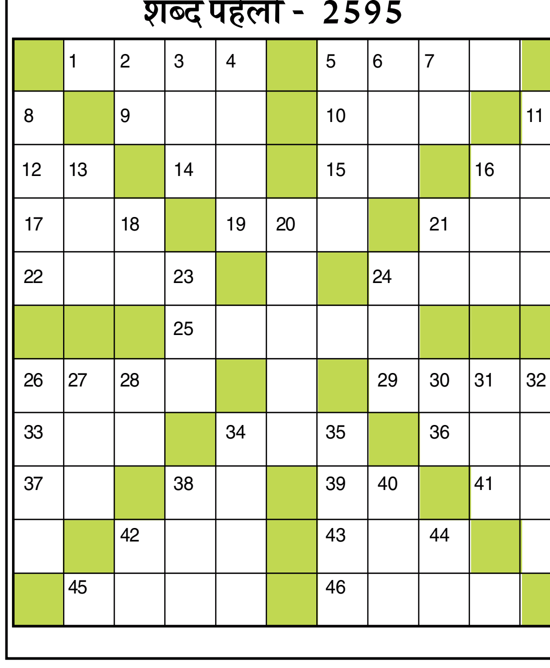

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली -2594 का हल

गाजियाबाद से वाराणसी तक 5 महानगरों में फास्ट फूड प्रतिष्ठानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'शुद्ध ही शुभ है' अभियान के अंतर्गत फास्ट फूड रिटेल चेन एवं रेस्टोरेंट के विरुद्ध विशेष जांच अभियान लगातार जारी है। अभियान के तहत कानपुर नगर, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज और वाराणसी में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीमों ने व्यापक निरीक्षण किया। विभाग की टीमों द्वारा इन पांच जनपदों में देर शाम तक 180 से अधिक फास्ट फूड रिटेल चेन एवं रेस्टोरेंट यूनिट्स का निरीक्षण किया गया है। गंभीर कमियां पाए जाने पर 110 से अधिक सुधार सूचनाएं (Improvement Notices) जारी की गईं। वहीं खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का गंभीर उल्लंघन पाए जाने पर 12 प्रतिष्ठानों तथा एक फूड कोर्ट का लाइसेंस निलंबित करते हुए खाद्य कारोबार बंद कराया गया है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जहां भी गंभीर कमियां पाई जा रही हैं, वहां सुधार होने तक खाद्य कारोबार संचालित नहीं होने दिया जाएगा।

मप्र के बांधवगढ़ में बढ़ रहा गौर का कुनबा, कान्हा में वन भैंसा पुनर्स्थापना से मजबूत हो रहा पारिस्थितिकी तंत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश के उमरिया और मंडला जिले में स्थित बांधवगढ़ एवं कान्हा टाइगर रिजर्व में बड़े शाकाहारी वन्यजीवों के संरक्षण और पुनर्स्थापना के लिए किए जा रहे प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। बांधवगढ़ में गौर (इंडियन बायसन) का कुनबा लगाता बढ़ रहा है। वहीं कान्हा टाइगर रिजर्व में वन भैंसा (वाइल्ड बफेलो) को पुनः बसाने की प्रक्रिया जारी है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय ने जानकारी देते हुए बताया कि गौर, जिसे भारतीय बायसन भी कहा जाता है, एशिया का सबसे बड़ा जंगली गौवंश है। बांधवगढ़ में गौर वर्ष 1998 में विलुप्त हो गया था। इसके बाद वर्ष 2011-12 में कान्हा से 50 गौर लाकर बांधवगढ़ में पुनः स्थापित किए गए। इनकी संख्या बढ़कर लगभग 170 तक पहुंची। आनुवंशिक विविधता बनाए रखने के उद्देश्य से सतपुड़ा से भी गौर लाने की योजना बनाई गई।

अमित शाह ने पेजावर मठ के संत विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी से की भेंट

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने यहां पेजावर मठ के संत विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें पेजावर मठ के पूज्य संत श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ स्वामी जी से मिलने और नई दिल्ली में उनके 39वें पवित्र चातुर्मास्य व्रत के दौरान उनका आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में चातुर्मास्य व्रत का पवित्र अनुष्ठान त्याग के सर्वोच्च गुण से परिचित कराता है। हमारे पूज्य संत ध्यान, संयम और आत्मजागरण के माध्यम से इसका पालन करते हैं। गृहमंत्री ने कामना की कि स्वामी जी का आंतरिक प्रकाश मानवता के लिए मार्ग को निरंतर प्रकाशित करता रहे।

सीबीआई ने फरार सीजीएसटी अतिरिक्त आयुक्त को ऋषिकेश से पकड़ा

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वतखोरी के मामले में फरार चल रहे सीजीएसटी के अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती को ऋषिकेश से पकड़ लिया है। वह बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई के समक्ष पेश होने के बजाय फरार हो गए थे। सीबीआई ने उन्हें अब हिरासत में ले लिया है। सीबीआई के मुंबई स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने 26 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम- 1988 की धारा सात के तहत मामला दर्ज किया था। शिकायत में सीजीएसटी, खादेश्वर, रायगढ़ के अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा पर शिकायतकर्ता की फर्म से संबंधित कार्रवाई के बदले अवैध रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था। शुरुआत में 1.50 करोड़ रुपये की मांग की गई थी, जिसे बाद में घटाकर 40 लाख रुपये कर दिया गया। सीबीआई ने 27 अगस्त को जाल बिछाया। इस दौरान एक निजी व्यक्ति और कस्टम्स हाउस एजेंट नरेंद्र राजपूत को 40 लाख रुपये की कथित रिश्वत स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। सीबीआई के अनुसार वह यह रकम सीजीएसटी अधीक्षक राकेश कुमार सिन्हा और अतिरिक्त आयुक्त विनय कुमार कांठेती की ओर से स्वीकार कर रहा था।

'सिंदूर से शौर्य तक' कार्यक्रम 26 सितंबर को दिल्ली में

वीर शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभक्ति, शौर्य, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित विशेष संगीतमय कार्यक्रम 'सिंदूर से शौर्य तक' का आयोजन 26 सितंबर को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। मुंबई की आयोजन संस्था बॉली बोनांज़ा और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के सहयोग से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को 'नारी उपलब्धि सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम का आयोजन रफी मार्ग, कनॉट प्लेस स्थित मावलंकर सभागार में किया जाएगा। कार्यक्रम का निर्देशन शशिकला कौशिक करेंगी। बॉली बोनांज़ा की स्थापना प्रियंका चौहान और पंकज सैनी ने की है। आयोजकों के अनुसार, 'सिंदूर से शौर्य तक' का उद्देश्य मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन करना और उनकी वीरगाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। कार्यक्रम के माध्यम से शहीदों के परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ युवाओं को वीर जवानों के साहस, त्याग, समर्पण और राष्ट्रप्रेम से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण 'नारी उपलब्धि सम्मान' होगा। इसके तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा, उद्यमिता, कला, संस्कृति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजक प्रियंका चौहान ने कहा कि 'सिंदूर से शौर्य तक' केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वीरता, बलिदान और नारी शक्ति को समर्पित पहल है। देश के वीर जवान सीमाओं पर राष्ट्र की रक्षा करते हैं, वहीं महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, संघर्ष और नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। दोनों प्रेरणादायी शक्तियों को एक मंच पर सम्मानित करना आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। वहीं आयोजक पंकज सैनी ने कहा कि संगीत, कला और विशेष प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के साथ समाज और देश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुंबई से आने वाले कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल, हास्य कलाकार बीआईपी पवार और गायक अरविंदर सिंह विशेष प्रस्तुतियां देंगे। देशभक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मनोरंजन प्रस्तुतियां आयोजन का हिस्सा होंगी। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा विशेष अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष एवं वीर चक्र से सम्मानित कर्नल टी. पी. त्यागी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा सामाजिक क्षेत्र, उद्योग, कला एवं संस्कृति, मीडिया और अन्य क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अमित शाह भाजपा मुख्यालय पहुंचे, सेवा संकल्प अभियान की समीक्षा की

भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता अमित शाह नई दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक यहां उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और संगठन की रणनीति को लेकर बैठक की। बैठक में खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए चल रहे 'सेवा संकल्प अभियान' और इससे जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की गई। भाजपा ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने का 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया है। पार्टी के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य सेवा गतिविधियों और जनसंपर्क कार्यक्रमों के जरिए प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को रेखांकित करना है। मोदी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सार्वजनिक पद संभाला था, जिसके 25 वर्ष 7 अक्टूबर 2026 को पूरे होंगे। अभियान के तहत रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच और युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। भाजपा ने इसे सेवा और जनभागीदारी से जोड़कर देशभर में आयोजित करने की बात कही है। अभियान के प्रमुख कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान वडनगर और उनकी संसदीय कर्मभूमि वाराणसी को जोड़ने वाली बाइक यात्राएं भी शामिल हैं। दोनों दिशाओं से शुरू हुई इन यात्राओं को युवाओं की भागीदारी और जनसंपर्क से जोड़ा गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों यात्राएं कई राज्यों और जिलों से गुजरने वाली हैं। 17 सितंबर को अभियान की शुरुआत के मौके पर भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी मुख्यालय में रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया था। वहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में 'आशीर्वाद का दीया' समेत सेवा और जनसंपर्क से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ड्रग के साथ युवक गिरफ्तार, 46.79 ग्राम एमडी बरामद

एजेंसी

जोधपुर। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वालो की धरपकड के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 46.79 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान अशोक पुत्र जेठाराम, जाति ढांडी जाट, उम्र 23 वर्ष,

निवासी करणी नगर, बड़लिया के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी को ऋतु वेन्यू गार्डन के सामने, पाल बालाजी क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधि के आधार पर पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से कुल 46.79 ग्राम अवैध एमडी (मेफेड्रोन) बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में एसआईआर के तहत 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस, वेबसाइट पर सूची जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत लगभग 33.1 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं और उनकी मतदान केंद्र-वार सूची कारणों के साथ दिल्ली मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की वेबसाइट पर जारी कर दी गई है।

सीईओ अशोक कुमार ने विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के दावे और आपत्ति की अवधि और अन्य संबंधित मामलों के बारे में राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आयोग एक पारदर्शी, भागीदारीपूर्ण और समावेशी संशोधन प्रक्रिया के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 'कोई भी पात्र नागरिक छूट न जाए और किसी भी अपात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल न किया जाए', यह सुनिश्चित करता है। सीईओ ने बताया कि एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं को नोटिस

जारी किए गए हैं, उनकी सूची कारणों के साथ वेबसाइट जारी कर दी गई है। नोटिस जारी होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता का नाम वोटर लिस्ट से हटा दिया जाएगा। मतदाता संबंधित ईआरओ/एईआरओ को जवाब और जरूरी डॉक्यूमेंट्स जमा कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना उचित सुनवाई के बिना कोई नाम नहीं हटाया जा सकता है। नोटिस और दावों/आपत्तियों का निपटारा 29 अक्टूबर तक कर दिया जाएगा, और अंतिम मतदाता सूची 4 नवंबर को पब्लिश की जाएगी। सीईओ ने बताया कि बेघर लोगों, ट्रांसजेंडर लोगों और सेक्स वर्कर्स के लिए भी स्पेशल कैंप लगाए जा रहे हैं। जो योग्य लोग ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हैं, वे 30 सितंबर तक जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ फॉर्म 6 जमा कर सकते हैं।

पिथौरागढ़ में भारत-मंगोलिया सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' शुरू

एजेंसी

देहरादून। भारत और मंगोलिया के बीच 18 वां संयुक्त सैन्य अभ्यास 'नोमैडिक एलिफेंट' उत्तराखंड के पिथौरागढ़ स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में शुरू हुआ। 21 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलने वाले इस अभ्यास में दोनों देशों की सेनाओं के 45-45 जवान हिस्सा ले रहे हैं।

लेफ्टिनेंट कर्नल चेतन सिंह कबसूड़ी, जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) देहरादून, उत्तराखंड की ओर से बताया गया कि वार्षिक प्लाटून स्तरीय यह अभ्यास भारत और मंगोलिया में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के जनादेश के तहत अर्ध-शहरी और पर्वतीय क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमता और अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना है। अभ्यास के दौरान दोनों सेनाएं सामरिक स्तर के अभियानों और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान करेंगी। प्रशिक्षण में

घेराबंदी एवं तलाशी अभियान, कक्ष गतिविधि अभ्यास, विशेष हेलीकॉप्टर अभियान, साइबर सुरक्षा तथा ड्रोन और ड्रोन-रोधी प्रणालियों के इस्तेमाल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सैनिकों को वास्तविक संचालन परिस्थितियों में संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यास का अवसर मिलेगा। इससे दोनों सेनाओं के बीच समन्वय और संयुक्त रूप से अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी। पिछला 'नोमैडिक एलिफेंट' अभ्यास मई-जून 2025 में मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा अभ्यास भारत और मंगोलिया के बीच रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने के साथ दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक मित्रता और आपसी विश्वास को मजबूत करेगा।

करतारपुर कॉरिडोर खोलने की मांग पर भारत-पाकिस्तान में हुई अरदास

अकाल तख्त जत्थेदार पाकिस्तानी पंज प्यारों को नहीं दे सके सिरोपा

एजेंसी

डेरा बाबा नानक। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बन्द किए गए श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को दोबारा खोलने की मांग को लेकर सोमवार देर शाम भारत-पाकिस्तान सीमा के दोनों ओर सिख संगत ने धार्मिक अरदास कार्यक्रम आयोजित किए।

भारत की सीमा में अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज के नेतृत्व में संगत डेरा बाबा नानक से जीरो लाइन की ओर बढ़ी, लेकिन सीमा सुरक्षा बल ने जत्थे को जीरो लाइन से कुछ दूरी पहले रोक दिया। यह कार्यक्रम पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आह्वान पर आयोजित किया गया था। पाकिस्तान की ओर गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब, करतारपुर साहिब से

गुरु नानक देव जी के ज्योति-जोत दिवस के अवसर पर नगर कीर्तन निकाला गया और संगत पाकिस्तानी सीमा की ओर जीरो लाइन के नजदीक पहुंची।

भारत की तरफ से जत्थेदार गड़गज्ज ने बीएसएफ अधिकारियों से पांच सिखों के जत्थे को जीरो लाइन तक जाने की अनुमति देने की मांग की। उनका उद्देश्य पाकिस्तान की संगत को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के लिए रुमाला साहिब और पंज प्यारों के लिए सिरोपे सौंपना था। अनुमति नहीं मिलने के बाद जत्थेदार और संगत बैरिकेड के सामने ही बैठ गए। वहां रहिरास साहिब का पाठ, शबद कीर्तन और अरदास की गई।

अरदास में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर को जल्द खोलने, भारत और पाकिस्तान के बीच शांति तथा पंजाब के रास्ते सीमा पार व्यापार बहाल होने की कामना की गई। मीडिया से बातचीत में जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि सिख संगत को जीरो लाइन तक जाकर अरदास करने से रोकना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान की सरकारों को सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को समझते हुए करतारपुर साहिब कॉरिडोर जल्द खोलने पर निर्णय लेना चाहिए। जत्थेदार ने कहा कि सिख रोजाना 'सरबत के भले' की अरदास करते हैं और की गई अरदास भी दोनों देशों में शांति तथा संगत के लिए करतारपुर साहिब के खुले दर्शन-दीदार की कामना के लिए थी। उन्होंने सीमा पार व्यापार खोलने की भी मांग की और कहा कि इससे पंजाब के साथ हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के किसानों तथा व्यापारियों को फायदा हो सकता है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जब तक कॉरिडोर नहीं खुलता, वह प्रत्येक महीने संगत के साथ डेरा बाबा नानक पहुंचकर इसके लिए अरदास करेंगे।

गुरु तेग बहादुर के बलिदान ने औरंगजेब के मंसूबे विफल किए : डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि औरंगजेब की सोच थी कि भारतीयों को कष्ट देकर और उन्हें सताने से वे अपना धैर्य खो देंगे तथा धर्म छोड़ देंगे, लेकिन धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेग बहादुर के बलिदान ने उसके सभी मंसूबों को विफल कर दिया।

डॉ. कृष्ण गोपाल राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में श्री गुरु गोबिंदसिंह चेयर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन एंड सिख स्टडीज तथा भारतीय अभ्युत्थान समिति, राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित व्याख्यान को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गुरु नानकदेव के जीवन और भारत भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके प्रभाव से देशभर में अध्यात्म की एक लहर उठी, जो

भारत का रक्षा कवच बनी। इसी परंपरा में गुरु हरगोबिंद ने धर्म की रक्षा का संकल्प लिया और आगे गुरु तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा के लिए आत्मबलिदान दिया। इसी कारण उन्हें 'हिंद की चादर' कहा जाता है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रूपिंदर सिंह ने गुरुजनों की शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने गुरु तेग बहादुर की करुणा और प्रेम के सिद्धांतों के माध्यम से सामाजिक समरसता और एकता को मजबूत करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु कल्पना कटेजा ने गुरु परंपरा को भारत की महान विरासत बताते हुए विश्व एकता के लिए गुरुजनों की शिक्षाओं के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' से हुई। इस अवसर पर गुरु तेग बहादुर के जीवन पर आधारित संक्षिप्त एनिमेटेड डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय अभ्युत्थान समिति के अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र अग्रवाल ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

आईआईटी मुंबई में प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम का मार्च

एजेंसी

मुंबई। आईआईटी मुंबई के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के बाद संस्थान परिसर में तनाव और विरोध प्रदर्शन का सिलसिला जारी है। वाकोडे के परिजनों ने एक प्रोफेसर और संस्थान प्रशासन पर जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, संस्थान के फैकल्टी फोरम ने इन आरोपों के बीच प्रोफेसर सूर्यनारायण दुल्ला के समर्थन में बयान जारी किया है।आईआईटी मुंबई फैकल्टी फोरम के अध्यक्ष प्रोफेसर राजकुमार एस. पंत ने कहा कि मीडिया में प्रोफेसर दुल्ला को संस्थान से निलंबित किए जाने संबंधी खबरें सही नहीं हैं। फोरम के मुताबिक, दुल्ला संस्थान के संकाय सदस्य बने हुए हैं। फोरम ने स्पष्ट किया कि वाकोडे की मौत की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच को

सुविधाजनक बनाने के लिए प्रोफेसर दुल्ला को उनके प्रशासनिक दायित्वों से अस्थायी रूप से मुक्त किया गया था। फोरम ने उनके डीन (छात्र कल्याण) के कार्यकाल के दौरान छात्रों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। प्रोफेसर दुल्ला के समर्थन में फैकल्टी फोरम ने परिसर स्थित नंदन नीलेकनी मुख्य भवन से एक मार्च निकाला। फोरम ने उनके खिलाफ प्रकाशित मीडिया रिपोर्टों को लेकर भी चिंता जताई और उन्हें कथित तौर पर भ्रामक बताया। दूसरी ओर, साहिल वाकोडे की मौत के बाद उनके परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार एफआईआर में प्रोफेसर दुल्ला का नाम भी शामिल है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक टीम भी आईआईटी मुंबई परिसर पहुंची है। आरोपों और उनकी परिस्थितियों की जांच अब पुलिस की जांच का विषय है। मामले में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच और संबंधित कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

एशियन गेम्स: क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा। यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए। कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे।

एशियन गेम्स 2026: महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1-0 की बढ़त

चिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता। दूसरे गेम में, 12-17 से पिछड़ने के बाद सिंधु ने तेजी से कुछ प्वाइंट हासिल किए और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

466 विकेट लेने वाले अंग्रेज गेंदबाज का क्रिकेट से संन्यास

थमा 2 वर्ल्ड कप जीतने वाले तेज गेंदबाज का सफर

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है।36 वर्षीय मार्क वुड ने अपने क्रिकेट करियर में फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट को मिलाकर कुल 466 विकेट लिए।दो विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहे मार्क वुड अपनी तेज रफ्तार और खतरनाक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं।

मार्क वुड ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 255, लिस्ट ए

में 126 और टी20 क्रिकेट में 85 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने कुल 2341 रन (1977 प्रथम श्रेणी, 230 लिस्ट ए और 134 टी20 मैच) भी बनाए।लगातार चोटों से जूझने के कारण मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया।

टेस्ट मैचों में लिए 119 विकेट– दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करने के बाद 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट लिए।मार्क वुड ने 70 वनडे इंटरनेशनल में 80 और 38 टी20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 54 विकेट लिए।उन्होंने टेस्ट में 811,

भारत-जापान टी20 मैच से पहले 'वंदे मातरम' की गूंज

खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर गाया राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान

नई दिल्ली। भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला कान्टो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है।इस मुकाबले में बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और 5–5 ओवर का मैच शुरू हुआ।इस मुकाबले से पहले सानो में ऐतिहासिक पल देखने को मिला। राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गूंजा।इससे पहले भारत–अफगानिस्तान टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व भी नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में

यही देखने को मिला था।वहां भी वंदे मातरम् गूंजा था।ऐसा ही नजारा जापान के कान्टो में दिखा जहां, भारतीय खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर पहले वंदे मातरम् गाया और फिर राष्ट्रगान हुआ।

श्रेयस अय्यर ने चुनी पहले बल्लेबाजी

आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को सेलिब्रेट करने के लिए खेला जा रहा है।इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।बारिश के कारण मुकाबला तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ।यह मैच 5–5 ओवर का हो रहा है और कुल 10 ओवर का एक्शन फैंस को देखने को मिलेगा।

'यह गर्व का पल है'

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

निशिन । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस पल को गर्व का क्षण बताया और उम्मीद जताई कि आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय दल और भी कई गोल्ड मेडल जीतेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने जापानी एशियाई खेल आयोजन समिति से एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का आग्रह किया था, ठीक वैसे ही जैसे यह हांग्जो 2023 खेलों का हिस्सा था। पीटी उषा ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेटर्स ने गोल्ड मेडल जीता और इसमें कोई शक नहीं कि हमें और भी गोल्ड मेडल मिलेंगे। मैंने जापान एशियाई खेल आयोजन समिति की समन्वय समिति से खेलों में पुरुष और महिला क्रिकेट को शामिल करने का अनुरोध किया था। मैं क्रिकेट देखना चाहती थी और मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल

जीता है। यह गर्व का पल है।' आईओए अध्यक्ष जीत के बाद महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं यहां उनसे पहले नहीं मिल पाई थी; हम पहले कई बार मिल चुके हैं लेकिन मैं उनसे यहां भी मिलूंगी। मैंने उनका खेल देखा था जब वे यहां खेल रही थीं।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया।

फाइनल में स्मृति मंधाना ने 79 रनों की दमदार पारी खेली जबकि शेफाली वर्मा ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम 3 विकेट खोकर 216 रन स्कोरबोर्ड पर लाने में सफल रही। वहीं, गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर 9 विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम महज 69 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पहला और कुल मिलाकर सातवां गोल्ड मेडल है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के खिलाफ अपने खिताब का बचाव किया है।

पुरुष क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

200 टी20 मैच जीतने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान जापान को 2 रन से हरा दिया।टी20 क्रिकेट में भारत की यह 200वीं जीत थी।200 टी20 मैच जीतने वाली भारत पहली टीम है।भारत ने अपने पहला टी20 मैच में ही पहली जीत दर्ज की थी।एक दिसंबर 2006 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की।भारत ने अपना 50वां जीत 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था।टीम इंडिया ने कोलंबो में खेले गए इस मैच में 7 विकेट से जीत

हासिल की थी।भारत ने अपनी 100वीं जीत 2022 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 रन से, 150वीं जीत 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन से और 200वीं जीत 2026 में जापान के खिलाफ 2 रन से हासिल की है।भारतीय टीम 50 जीत के लिए 83 मैच, 51 से 100 जीत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 72 मैच, 101 से 150 जीत तक पहुंचने के लिए 70 मैच और 151 से 200 जीत तक पहुंचने के लिए 66 मैच खेले। भारतीय टीम ने अपनी आखिरी 50 जीत के लिए सबसे कम मैच खेले हैं।

भारत–जापान मैच की बात करें तो सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था।भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी।बारिश की वजह से गीले मैदान के कारण मैच 20 ओवर की जगह मात्र 5–5 ओवर का हुआ।

भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। सर्वाधिक 16 रन कप्तान श्रेयस अय्यर ने बनाए। 33 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई।

कप्तान अय्यर ने की जापान की तारीफ

कहा- उनका प्रदर्शन शानदार रहा

सानो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जापान का रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश और गीले मैदान की वजह से मैच 20-20 ओवरों की जगह 5-5 ओवरों का खेला गया।

भारतीय टीम ने 2 रन से यह मैच जीता। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अय्यर ने मैच के बाद जापान टीम की तारीफ की। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बल्लेबाजी के लिए बहुत मुश्किल विकेट था। हमने ओपनर्स को भी देखा, जो लगातार रन बनाने के आदी हैं, स्पिन की पेस को समझ नहीं पा रहे थे। मैं जब अंदर आया तो मैंने तय किया कि सिंगल्स और डबल्स लेना और जितना हो सके स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। मैंने अपने साथ आए बल्लेबाज से भी बात की, लेकिन वह भी करना मुश्किल था। मैंने बस यह तय किया कि मैं गेंद की मेरिट पर खेलूंगा और देखूंगा, उसी के हिसाब से प्लान बनाऊंगा।

अगर बॉल घूम ले रही है और थोड़ी रुक रही है, तो मैं बस बॉल की पेस का इस्तेमाल करूंगा और खुद को पीछे रोककर देखूंगा कि मैं सिंगल्स और डबल्स ले सकूं। तो यह काफी अच्छा रहा।' अय्यर ने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहता हूं कि पांच ओवर का गेम कहीं भी जा सकता है।

शैफाली वर्मा कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा WT20I रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नहीं तोड़ पाईं पाकिस्तानी जोड़ी का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शैफाली वर्मा महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। शैफाली वर्मा ने इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा।

क्रिकबज के आंकड़ों के मुताबिक, लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 2026 में अब तक 863 रन बनाए हैं। हालांकि, एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ स्मृति मंधाना के साथ उनकी 99 रन की साझेदारी उन्हें इस प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंचा पाई।

एशियन गेम्स का यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार के नाम है। आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार ने एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 115 रन की साझेदारी की थी।

शैफाली वर्मा ने 2026 में महिला ड्ढ20ढ्ढ क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके नाम इस कैलेंडर ईयर में 863 रन हो गए हैं। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा महिला ड्ढ20ढ्ढ रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 800 रन के साथ तीसरे और संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओजा 779 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्मृति ने रचा इतिहास

11000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर खुद को बड़ी मैच की खिलाड़ी साबित किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के फाइनल (गोल्ड मेडल मैच) में बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। उन्होंने इस पारी में अपना 37वां टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक लगाया। स्मृति ने पारी में 13 रन बनाते ही एक खास मुकाम भी महिला क्रिकेट में हासिल कर लिया है।

हाल ही में स्मृति मंधाना ने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा महिला इंटरनेशनल रन का रिकॉर्ड बनाया था। अब वह 11 हजार रन महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे कर चुकी हैं। वह महिला क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने अपने 308वें इंटरनेशनल मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं उन्होंने अपनी साथी ओपनर शैफाली वर्मा के साथ भी तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली 5 खिलाड़ी

स्मृति मंधाना (भारत): 11060* रन
मिताली राज (भारत): 10868 रन
सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 10740 रन
शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 10273 रन
स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज): 10005 रन

क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने दी चेतावनी

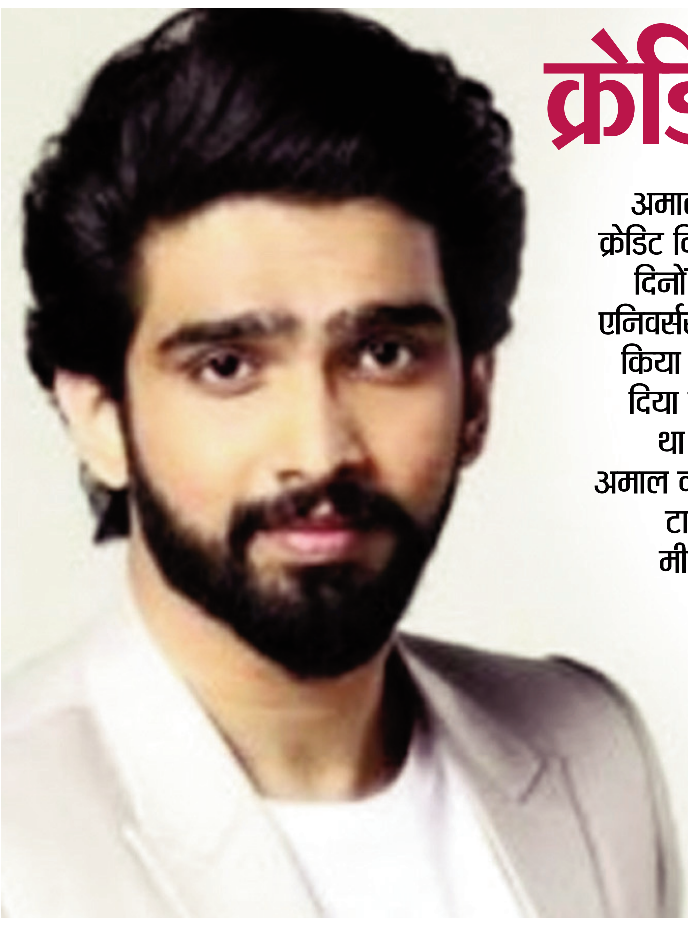

अमाल मलिक इन दिनों 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। दरअसल, बीते दिनों सलमान खान फिल्म्स ने फिल्म 'हीरो' की एनिवर्सरी पर 'मैं हूं हीरो तेरा' गाने का वीडियो साझा किया था। कैप्शन में अमाल मलिक का नाम नहीं दिया गया, जबकि यह गाना उन्होंने कंपोज किया था। इस पर अमाल ने नाराजगी जाहिर की थी। अमाल का आरोप है कि इसके बाद उनके परिवार को टारगेट किया गया। इस बीच अमाल ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वालों को एलर्ट किया है।

एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं होगा

'मैं हूं हीरो तेरा' गाने के क्रेडिट विवाद के बीच अमाल मलिक ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रोल्स को सख्त संदेश दिया है कि वे अपने रिस्क पर ही उनसे भिड़ें, क्योंकि वे अपने परिवार के खिलाफ एक शब्द भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अमाल ने खुद को म्यूजिक का शाहरुख खान बताया। साथ ही यह भी साफ किया कि उनका गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। अमाल ने एक्स पर पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने अपनी आलोचना और परिवार पर हमलों के बीच साफ फर्क बताया और कहा कि परिवार पर हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। अमाल ने लिखा, 'दुनिया के हर सोशल प्लेटफॉर्म पर मौजूद सभी दर्शकों के लिए एक जरूरी चेतावनी... मेरे परिवार के बारे में एक भी शब्द बर्दाश्त नहीं किया जाएगा'।

क्रेडिट न मिलने पर फिर जताई नाराजगी

अमाल ने आगे लिखा है, 'सबसे पहले, यह जान लें कि अरमान मलिक ने इसका मेन वर्जन गाया है, जिसकी वजह से इसे एक्टर-प्रोड्यूसर सलमान खान और डायरेक्टर निखिल आडवाणी के सामने पेश किया जा सका। मैंने इसे बनाया, कुमार सर ने इसके बोल लिखे और अरमान मलिक ने इसे गाया, इसलिए इसे मंजूरी मिली और फिर सलमान खान सर ने इसे गाया। चीजें इसी तरह होती हैं और ठीक ऐसा ही हुआ, ठीक है? आपकी जानकारी के लिए बता दूं कि मेरे और कुमार सर के बिना, गाने के लिए कोई गाना ही नहीं होता। अरमान के बिना, सलमान सर को सुनाने के लिए कुछ नहीं होता। सलमान खान के चेहरे और आवाज वाले वर्जन के बिना, यह गाना आज जिस मुकाम पर है, वहां नहीं पहुंच पाता। मैंने कभी इससे इनकार नहीं किया, लेकिन क्या कोई कभी रुककर यह सोचता है कि एक गाना बनाने में कितनी मेहनत लगती है और फिर हर साल हर सेलिब्रेशन पोस्ट में उसे नजरअंदाज कर दिया जाता है'?

सलमान और संजय दत्त वाला गुस्सा है मेरा

म्यूजिक कंपोजर ने यह चेतावनी भी दी कि जो लोग उनके परिवार को निशाना बनाएंगे, वे उनका पर्दाफाश करेंगे। उन्होंने कहा कि वे अपने पिता डब्बू मलिक और अपने परिवार के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। अमाल ने कहा, 'अगर मैंने आपमें से किसी को भी अपने परिवार के खिलाफ कुछ भी कहते हुए पाया, तो मैं आप सभी का पर्दाफाश कर दूंगा। साथ ही, अगर फिल्म इंडस्ट्री से कोई भी बिना किसी ठोस वजह के मेरे या मेरे परिवार के खिलाफ खड़ा होता है, तो सावधान हो जाइए, मैं आपसे निपट लूंगा। मैं म्यूजिक की दुनिया का स्त्रश्च हूं, लेकिन मेरा गुस्सा सलमान खान और संजय दत्त जैसा है। यह सब शायद दूसरों के साथ चल जाता होगा, लेकिन डब्बू मलिक और उनके परिवार के साथ बिल्कुल नहीं'।

पुलिस एक्शन की कही बात

अमाल मलिक ने आगे लिखा है, 'अपने परिवार के साथ अमाल मलिक खड़ा था, है और हमेशा रहेगा। इसलिए, मुझसे उलझने से पहले सोच लेना। मैं तुम्हारा IP एड्रेस खोजकर तुम्हें ढूंढूंगा और तुम में से हर एक के खिलाफ खुद एफआईआर दर्ज कराऊंगा, चाहे तुम फिल्म इंडस्ट्री से हो या आम जनता हो'। अमाल के पोस्ट पर फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'यह मुद्दा चार दिन पहले ही खत्म हो गया तो फिर से इस तरह की पोस्ट करके क्यों बात बढ़ाई जाए'।

साजिद और आर बाल्की की फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

खबर सामने आ रही है कि आमिर खान एक नई सुपरहीरो फिल्म के लिए निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्या सुपरहीरो फिल्म में नजर आएंगे आमिर?

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक आर बाल्की की अगली फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसकी स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। आमिर खान को इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किया गया है और उन्होंने इसमें दिलचस्पी भी दिखाई है। हालांकि, उन्होंने अभी फिल्म साइन नहीं की है। बताया जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनों में फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और मुख्य किरदार को तैयार करने पर काम किया जाएगा। फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने का प्लान है, इसलिए इसके लुक और प्रोडक्शन डिजाइन पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।

साजिद और आर बाल्की के साथ हो सकती है पहली फिल्म

आमिर खान किसी भी फिल्म को साइन करने से पहले उसकी स्क्रिप्ट पर काफी समय देते हैं। वह तभी किसी प्रोजेक्ट के लिए हां करते हैं, जब उन्हें कहानी पूरी तरह पसंद आती है। ऐसे में इस फिल्म को लेकर भी आमिर और मेकर्स के बीच लगातार बातचीत होने की खबर है। अगर यह फिल्म बनती है तो यह आमिर खान की साजिद नाडियाडवाला और आर बाल्की के साथ पहली फिल्म होगी। आमिर और साजिद काफी समय से दोस्त हैं, लेकिन दोनों ने अब तक साथ में किसी फिल्म पर काम नहीं किया है। वहीं, आर बाल्की अपनी अलग तरह की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'चीनी कम', 'पा', 'की एंड का', 'पैडमैन' और 'चुप : रिवेंज ऑफ द आर्टिस्ट' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। ऐसे में आमिर के साथ उनका सुपरहीरो प्रोजेक्ट इस जॉनर से कुछ अलग हो सकता है।
आमिर की फिलहाल पक्की फिल्म 'ललकारा' है, जिसका निर्देशन आशुतोष गोवारिकर कर रहे हैं। यह पीरियड स्पोर्ट्स ड्रामा 1952 की चर्चित भारत-पाकिस्तान टेस्ट सीरीज पर आधारित है। इसकी शूटिंग नवंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। इसके बाद आमिर के राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम करने की भी खबर है।

राम पोथिनेनी की फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बड़ी खुशखबरियां मिली हैं। एक्ट्रेस के जन्मदिन के खास मौके पर उनकी आने वाली दो फिल्मों से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट सामने आए हैं। पहली खबर यह है कि संयुक्ता अब अभिनेता राम पोथिनेनी की आने वाली फिल्म 'रैपो 23' में नजर आएंगी। दूसरी ओर, निखिल सिद्धार्थ की ऐतिहासिक फिल्म 'स्वयंभू' में भी दिखाई देंगी। 'रैपो 23' राम पोथिनेनी के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म है। खास बात यह है कि राम इस फिल्म में केवल अभिनय ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि फिल्म की कहानी लिखने के साथ इसका निर्देशन भी कर रहे हैं।

'स्वयंभू' में योद्धा भूमि के किरदार में दिखेंगी संयुक्ता

संयुक्ता के जन्मदिन पर उनकी दूसरी फिल्म 'स्वयंभू' से भी खास खबर सामने आई। फिल्म के निर्माताओं ने एक विशेष वीडियो जारी किया, जिसमें

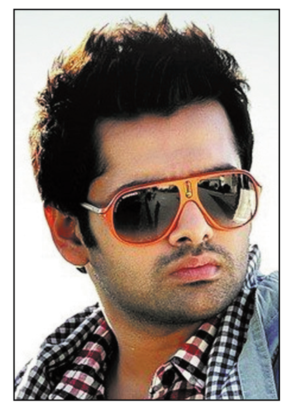

संयुक्ता को अपने किरदार 'भूमि' की तैयारी करते हुए दिखाया गया है। फिल्म की कहानी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर बेस्ड है और इसमें बड़े स्तर पर युद्ध और एक्शन के दृश्य देखने को मिलेंगे।

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में नजर आएंगी बिपाशा बसु

बिपाशा बसु करीब 6 साल बाद परदे पर वापसी करने जा रही हैं। हंसल मेहता की क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'बाराबंकी' में वह लीड रोल में नजर आएंगी। बिपाशा ने पिछले महीने ही मुंबई में सीरीज की शूटिंग शुरू कर दी है। यह प्रोजेक्ट उनके लिए खास है, क्योंकि हंसल के साथ यह उनका पहला काम है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिपाशा को कहानी सुनते ही अपना किरदार पसंद आ गया और उन्होंने तुरंत सीरीज के लिए हामी भर दी। इस सीरीज के लिए उनका एक नया लुक भी तैयार किया गया है। इसमें विशाल जेठवा और सनी कौशल भी दिखेंगे। 'बाराबंकी' 1984 की पृष्ठभूमि में सेट है और सेवानिवृत्त IPS अधिकारी आलोक लाल की किताब पर बेस्ड है। इसमें उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में अफीम के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए गए बड़े पुलिस कैंपेन पर कहानी केंद्रित है। इसमें एक ईमानदार अधिकारी के बड़े ड्रग कार्टेल के खिलाफ संघर्ष को दिखाया जाएगा।

कृति खरबंदा ने पूरे किए बॉलीवुड में 10 साल

हिंदी फिल्म डेब्यू के 10 साल पूरे होने के मौके पर कृति खरबंदा का अब तक का सफर एक ऐसी अभिनेत्री की कहानी है, जिसने समय के साथ अलग-अलग तरह के किरदारों और कहानियों को अपनाया और अपने काम के नए पहलुओं को सामने रखा। 'राज़ रीबूट' के बाद कृति ने 'शादी में ज़रूर आना', 'वीरे दी वेडिंग', 'हाउसफुल 4', 'पागलपंती' और 'तैश' जैसी फिल्मों में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने रोमांस, कॉमेडी, ड्रामा और थ्रिलर जैसे अलग-अलग जॉनर में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी वह रोमांटिक कहानी का हिस्सा बनीं, तो कभी बड़े स्टारकास्ट वाली कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। वहीं, 'तैश' जैसी फिल्म ने उन्हें एक अलग तरह की कहानी का हिस्सा बनने का मौका दिया। उनके करियर में हर फिल्म एक अलग अनुभव लेकर आई और उनके काम में नए रंग जोड़ती गई। कृति के पिछले 10 सालों की एक खास बात यह रही है कि उन्होंने खुद को किसी एक तरह के किरदार या फिल्म तक सीमित नहीं रखा। कमर्शियल एंटरटेनर्स से लेकर गंभीर और भावनात्मक कहानियों तक, उन्होंने अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स में काम किया। इन फिल्मों के जरिए उन्हें अलग-अलग कलाकारों और फिल्ममेकर्स के साथ काम करने का मौका भी मिला, जिससे उनके अभिनय के सफर में लगातार नए अनुभव जुड़ते गए। बदलते समय के साथ कृति ने ओटीटी की दुनिया में भी कदम रखा। 'राणा नायडू 2' के साथ उन्होंने एक लोकप्रिय स्ट्रीमिंग फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनकर अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा। थिएटर में फिल्मों के बाद ओटीटी पर काम करने का अनुभव उनके लिए एक अलग माध्यम में खुद को एक्सप्लोर करने का मौका लेकर आया।

दमदार और एक्शन से भरपूर होगा 'एंटनी' में सनी का किरदार

सनी देओल इन दिनों लगातार अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। 'गदर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद एक्टर का एक्शन अवतार एक बार फिर दर्शकों के बीच पसंद किया जा रहा है। सनी की आने वाली फिल्मों में एक नाम 'एंटनी' का है। इस फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं। फिल्म को लेकर अब यह जानकारी सामने आई है कि इसमें सनी का किरदार काफी दमदार और एक्शन से भरपूर होगा। फिल्म की कहानी और सनी देओल के किरदार को फिलहाल निर्माताओं ने काफी हद तक गुप्त रखा है। 'एंटनी' की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। हाल ही में सनी देओल ने फिल्म के लिए एक महत्वपूर्ण सीन की शूटिंग की है। इसमें तेज रफ्तार गाड़ियों का पीछा करने वाले दृश्य भी शामिल हैं। फिल्म में सनी के साथ विजय वर्मा भी नजर आएंगे। विजय फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। वह पहली बार सनी देओल के साथ इस तरह की एक्शन फिल्म में काम कर रहे हैं। विजय ने सनी देओल के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी भी जाहिर की है।

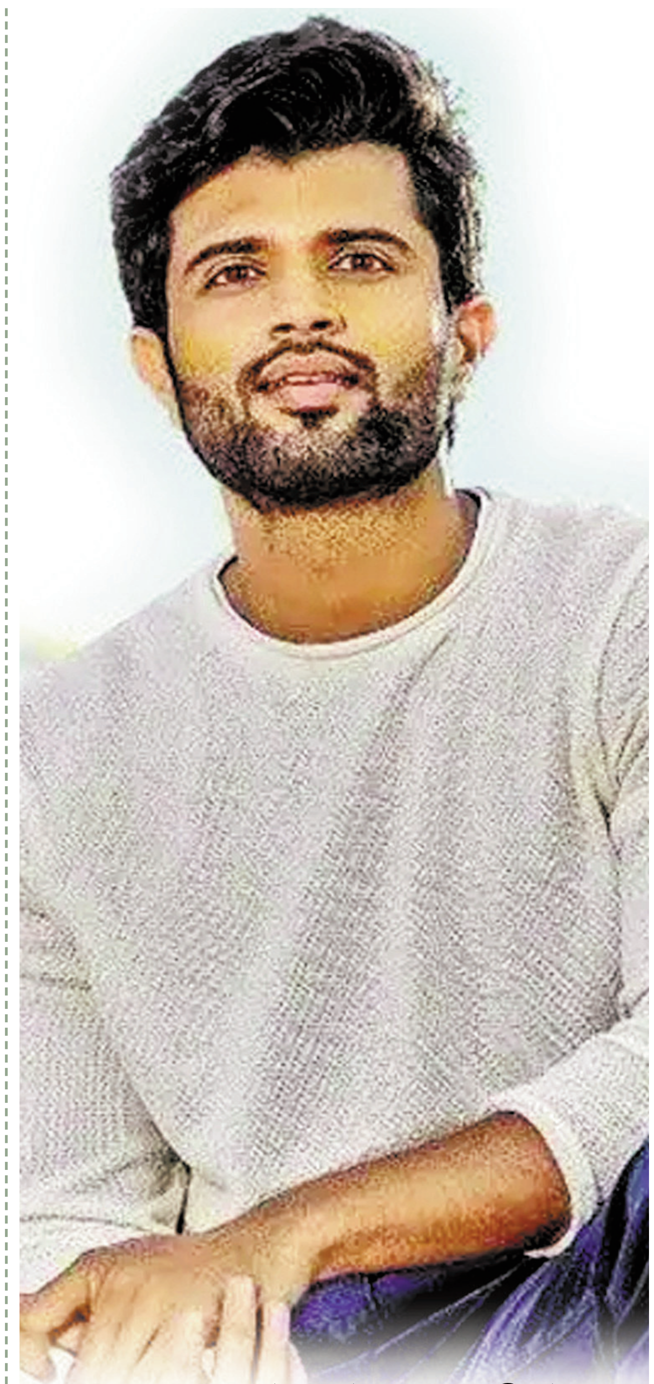

लालो... के तेलुगु रीमेक में विजय देवरकोंडा बनेंगे श्रीकृष्ण

गुजराती ब्लॉकबस्टर फिल्म 'लालो : कृष्ण सदा सहायते' के तेलुगु रीमेक को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले खबरें थीं कि फिल्म में राम चरण श्रीकृष्ण की भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अब यह साफ हो गया है कि इस किरदार के लिए विजय देवरकोंडा को चुना गया है। फिल्म के तेलुगु रीमेक के राइट्स मशहूर निर्माता दिल राजू ने हासिल किए हैं। विपुल डी. शाह ने इस डील को फाइनल कराने में अहम भूमिका निभाई है। अंकित सखिया के निर्देशन में बनी इस फिल्म में करण जोशी लीड रोल में थे। 'लालो...' एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर की कहानी है, जो चोरी के इरादे से एक सुनसान हवेली में पहुंचता है और वहीं फंस जाता है। इसी मुश्किल वक्त में एक रहस्यमयी शख्स उसकी मदद करता है।
बीते साल 10 अक्टूबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआत में बेहद धीमी कमाई की थी। पहले हफ्ते करीब 36 लाख और दूसरे हफ्ते 28 लाख रुपए कमाने के बाद तीसरे हफ्ते से इसकी कमाई बढ़ने लगी। चौथे हफ्ते फिल्म ने करीब 14 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया और इसके बाद 100 करोड़ तक बिना किसी रुकावट के पहुंच गई। इसने सीमित बजट और बिना बड़े सितारों के बावजूद एक बड़ी गुजराती हिट का रिकॉर्ड बनाया। फिल्म के सब्जेक्ट, संगीत और क्लाइमैक्स के साथ-साथ एंड-क्रेडिट गाने को भी दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था।

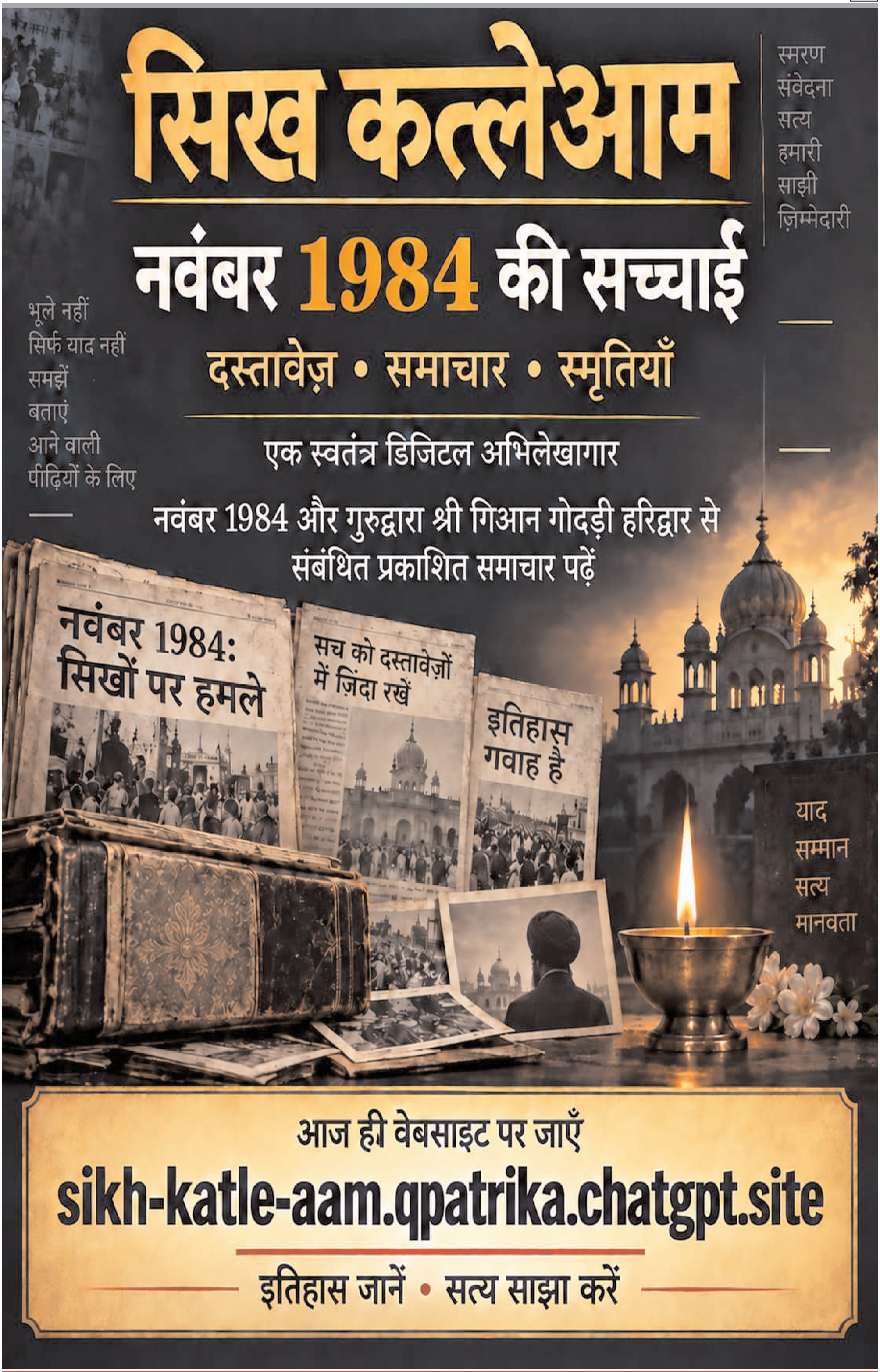
सिख कत्लेआम
नवंबर 1984 की सच्चाई
दस्तावेज़ • समाचार • स्मृतियाँ
एक स्वतंत्र डिजिटल अभिलेखागार
नवंबर 1984 और गुरुद्वारा श्री गिआन गोदड़ी हरिद्वार से संबंधित प्रकाशित समाचार पढ़ें
स्मरण संवेदना सत्य हमारी साझी ज़िम्मेदारी
भूले नहीं सिर्फ याद नहीं समझें बताएं आने वाली पीढ़ियों के लिए
नवंबर 1984: सिखों पर हमले
सच को दस्तावेज़ों में ज़िंदा रखें
इतिहास गवाह है
याद सम्मान सत्य मानवता
आज ही वेबसाइट पर जाएँ
sikh-katle-aam.qpatrika.chatgpt.site
इतिहास जानें • सत्य साझा करें